Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-214

राष्ट्रपति बाइडेन के शीर्ष अफसरों से क्यों मिले थे राहुल गांधी?

अमेरिका में हुई गुप्त बैठकों पर कांग्रेस की चुप्पी क्यों?

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा और उनके एनजीओ ग्लोबल नॉलेज इनिशिएटिव रॉकफेलर फाउंडेशन सहित यूएस स्टेट डिपार्टमेंट, यूएसएआईडी से फंड मिलता है। रॉकफेलर फाउंडेशन के वर्तमान उपाध्यक्ष सैम पित्रोदा ही हैं, जो पहले अमेरिकी सरकार में सलाहकार भी रह चुके हैं। इससे कांग्रेस और अमेरिका के बीच खुफिया मिलीभगत के तार जुड़ते हैं। इससे राहुल गांधी और सैम पित्रोदा के अमेरिकी डीप स्टेट से लिंक मिलते हैं।

साल 2023 में राहुल गांधी के वाशिंगटन दौरे के दौरान छपी एक रिपोर्ट में राहुल गांधी की प्रशंसक सीमा सिरोही ने यह जिक्र किया था कि राहुल गांधी की व्हाइट हाउस में गोपनीय बैठक हुई थी जिसे बाइडन प्रशासन और कांग्रेस ने गुप्त रखने का निर्णय लिया था। इस सूचना का कांग्रेस ने आज तक खंडन नहीं किया। सीमा सिरोही को यह जानकारी कांग्रेस के आईटी और डिजिटल धंधे के मुखिया प्रवीण चक्रवर्ती ने दी थी, जो राहुल गांधी के अमेरिका दौरे में साथ थे।

3 जून 2023 को प्रवीण चक्रवर्ती ने एक अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी के समक्ष इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी कि राहुल गांधी ने वास्तव में व्हाइट हाउस और बाइडेन प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की थी और कई बैठकें की थीं। वे बहुत

राहुल गांधी और सैम पित्रोदा के अमेरिकी डीप-स्टेट लिंक

शुभ-लाभ चिंतन

सौहार्दपूर्ण बैठकें थीं। उन बैठकों का वास्तव में बड़ा उद्देश्य था। रेखांकित करने की बात है कि वर्ष 2021 में राहुल गांधी ने हार्वर्ड केनेडी स्कूल के राजदूत निकोलस बर्न्स के साथ एक ऑनलाइन बातचीत के दौरान भारत में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्हें उस समय हार्वर्ड केनेडी स्कूल के इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स से बुलाया गया था।स्पष्ट है कि बाइडेन के अधिकारियों के साथ राहुल गांधी ने क्या बातें की होंगी। प्रवीण चक्रवर्ती ने कहा था कि राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से बात की थी। इन जानकारियों से बहुत प्रश्न खड़े होते हैं। राहुल गांधी गुप्त बैठक के लिए व्हाइट हाउस क्यों गए थे? उन बैठकों की सूचना गोपनीय क्यों रखी गई? कांग्रेस पार्टी ने बाइडेन प्रशासन के साथ राहुल गांधी की बैठकों के विषय को क्यों छुपाया? राहुल गांधी ने भारत में लोकतंत्र को संरक्षित करने के बारे में क्या बात की? और कांग्रेस ने इस जानकारी को सार्वजनिक मंच पर आज तक क्यों नहीं रखा? कांग्रेस इन सवालों के जवाब नहीं देगी क्योंकि ऐसा करने पर कांग्रेस को ऐसे प्रश्नों का सामना करना होगा, जिसका जवाब कांग्रेस के पास नहीं होगा। इससे राहुल गांधी के यूएस डीप स्टेट के साथ मिलीभगत वाले लिंक खुल सकते हैं।

हमास कमांडर के मारे जाने के दूसरे ही दिन फिर बड़ा धमाका

इज़राइल पर हमले का मास्टरमाइंड मारा गया

तेल अवीव, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान की राजधानी तेहरान में हमास कमांडर इस्माइल हानिया के मारे जाने के दूसरे ही दिन हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ के मारे जाने की खबर भी दुनिया के सामने आई। मोहम्मद दइफ की मौत एक एयर स्ट्राइक में हुई। अक्टूबर में इज़राइल पर हुए हमास आतंकियों के हमले का मास्टर माइंड मोहम्मद दईफ ही था।

इज़राइल ने कहा है कि हमास का शीर्ष सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ मारा जा चुका है। मोहम्मद दइफ की मौत एक एयर स्ट्राइक में हुई। इज़राइल की सेना ने गुरुवार को एक बयान जारी कर बताया कि हमास का सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ पिछले दिनों एक एयर स्ट्राइक हमले में मारा गया था। यह एयर स्ट्राइक गाजा के दक्षिणी इलाके खान यूनिस

हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दइफ के मरने की पुष्टि हुई

में की गई थी। इज़राइली सेना का यह बयान हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत के एक दिन बाद ही आया है। हानिया का बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी।

इज़राइली सेना बताया कि उन्हें कुछ घंटे पहले ही खुफिया जानकारी मिली है कि मोहम्मद दइफ की पिछले दिनों मौत हो चुकी है। इज़राइली सेना ने खान यूनिस इलाके में स्थित एक कंपाउंड को निशाना बनाकर 13 जुलाई को एयर स्ट्राइक की थी। इसी हमले में मोहम्मद दइफ मारा गया।

इज़राइली सेना को सूचना मिली थी कि इस कंपाउंड में मोहम्मद दइफ आया था। दइफ के आने की सूचना पर ही कंपाउड पर हवाई हमला किया गया था, लेकिन हमले में दइफ मारा गया या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो पाई थी। अब पुष्टि होने पर इज़राइली सेना ने इसे बड़ी कामयाबी बताया है। इज़राइल के एक मंत्री ने कहा है कि हमास का खात्मा अब नजदीक है। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला, पुराना फैसला खारिज

आरक्षण के लिए दलितों का उप-वर्गीकरण कर सकते हैं राज्य

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्य को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की संविधान पीठ ने गुरुवार को बहुमत से यह फैसला दिया। संविधान पीठ ने 2004 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए पांच जजों के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी/एसटी में उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिए एक फैसले में कहा कि राज्यों के पास अधिक वंचित जातियों के उत्थान के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में उप-वर्गीकरण करने की शक्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी के भीतर उप-वर्गीकरण को बरकरार रखा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (मुख्य

एक जज ने फैसले में दर्ज कराई अपनी असहमति

न्यायाधीश) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राज्यों को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने की अनुमति दी जा सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन समूहों के भीतर और अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाए।

जस्टिस बेला त्रिवेदी ने बाकी जजों से असहमति जताते हुए आदेश पारित किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमने ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए फैसले को खारिज कर दिया है। उप वर्गीकरण अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि उपवर्गों को सूची से बाहर नहीं रखा गया है। फैसला पढ़ते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि, वर्गों से अनुसूचित जातियों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मानदंड से ही पता चलता है कि वर्गों के भीतर विविधता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 15, 16 में ऐसा कुछ भी नहीं है जो राज्य को किसी जाति को उप-वर्गीकृत ▶10पर

होने वाला है भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

10 देशों की वायुसेना हिस्सा लेगी
18 देशों के विशेषज्ञ रहेंगे पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना की पहली मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति इस साल अगस्त-सितंबर में आयोजित की जाएगी। इस सबसे बड़ी एयर एक्सरसाइज में अमेरिका, यूके, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस सहित 10 देशों की वायु सेनाएं और 18 देश पर्यवेक्षक के तौर पर हिस्सा लेंगे। वायुसेना के सीनियर अधिकारियों के मुताबिक इस अभ्यास में भारत समेत लगभग 30 देशों की भागीदारी होगी और भारतीय वायुसेना समेत बाकी देशों के लगभग 150 विमान शामिल होंगे। ▶10पर

स्वाति मालीवाल के साथ सीएम के घर में हुई मारपीट का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने विभव के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा

मुख्यमंत्री आवास में गुंडे कौन रखता है?

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री के आवास के अंदर मारपीट और अभद्र आचरण किए जाने के मामले में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीएस विभव कुमार की जमानत अर्जी पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास में एक महिला के साथ हुए ऐसे बर्ताव पर शर्म आती है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, क्या सीएम आवास गुंडे पालने के लिए है। विभव कुमार ने गुंडे की तरह काम किया और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास

एक महिला के साथ ऐसे बर्ताव पर क्या आपको शर्म नहीं आती?

में घुसा। उसने तब भी महिला पर हमला किया, जबकि उसने अपनी शारीरिक स्थिति बता दी। कोर्ट ने पूछा कि एक महिला पर हमला करते हुए क्या उसे शर्म नहीं आई? ऐसे गुंडे और अभद्र व्यक्ति की पैरवी इन मामलों के विशेषज्ञ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने की। सिंघवी ने आरोपी विभव के पक्ष में तर्क दिए। सिंघवी के समक्ष ही सुप्रीम कोर्ट पीठ ने घटना पर चिंता जताई। जस्टिस सूर्यकांत ने सिंघवी से कहा, हमें विभिन्न मामलों का हवाला न दें, क्योंकि यहां किस तरह से घटनाक्रम हुआ वह हमारी चिंता का कारण है। आपको एक महिला से ऐसा बर्ताव करते शर्म नहीं आई? हम कॉन्ट्रैक्ट किलर, हत्यारों को भी जमानत देते हैं लेकिन इस मामले में, किस तरह की नैतिक दृढ़ता है?

जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि क्या सीएम का सरकारी घर निजी आवास है? क्या इसके लिए इस तरह के नियमों की जरूरत है? हम हैरान हैं, यह मामूली या बड़ी चोटों के बारे में नहीं है। ▶10पर

फूंक डाले कश्मीरी पंडितों के पांच घर

राज्य प्रशासन ने दिया जांच का आदेश

अनंतनाग, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में 5 कश्मीरी पंडितों के घर धू-धू कर जल उठे। कश्मीरी पंडितों के इन घरों में आग किसने लगाई, इसकी जांच का आदेश दिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि घाटी में अपने घरों को लौट रहे कश्मीरी पंडितों को डराने के लिए ऐसा किया गया है, जिन्हें कभी यहां से पलायन करना पड़ा था। उनका नरसंहार हुआ था, उनकी महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था।

आगजनी की घटना मट्टन स्थित लोन मोहल्ला की है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक टीम गठित की है, जो इस आग का कारण पता लगाएगी। ▶10पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

मथुरा जन्मभूमि मामले में ट्रायल शुरू होगा

प्रयागराज, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

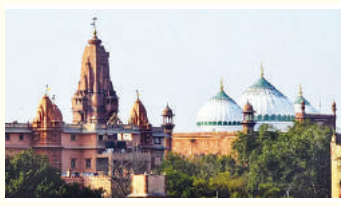

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की ऑर्डर 7 रूल 11 की आपत्ति वाली अर्जी को खारिज कर दिया है। अब इस मामले में जल्द ट्रायल शुरू होगा। कोर्ट को यह तय करना था कि मामले में दाखिल की गई 18 अर्जियों पर एक साथ सुनवाई हो सकेगी या नहीं। यह फैसला जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने सुनाया है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष की ओर से 18 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इसमें उन्होंने शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन को हिंदुओं की बताया है। हिंदू पक्ष की ओर से यहां पूजा का अधिकार दिए जाने की मांग की गई।

कोर्ट को अलग-अलग याचिकाओं के एक साथ सुनवाई किए जाने को लेकर फैसला सुनाना था। मुस्लिम पक्ष ने ऑर्डर 7 रूल, 11 के तहत इन याचिकाओं की पोषणीयता पर सवाल उठाए और इन्हें खारिज किए जाने की अपील की। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 24⁰

लव जेहाद और बलात्कार की पीड़ित महिला से जज ने की अभद्रता

जज के खिलाफ इंदौर की सड़कों पर उतर आई महिलाएं

इंदौर, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जज की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से हर कोई न्याय मिलने की उम्मीद करता है। लेकिन, उस पद पर बैठा व्यक्ति यदि प्रताड़ित को ही अपमानित करने लगे, वह भी खुले तौर पर तब फिर वह सारी अवमाननाएं और सम्मान की भावनाएं पीछे छूट जाती हैं, जिसके बंधन, डर और श्रद्धा में कोई भी किसी न्यायालय के निर्णय और न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के विरोध में जाकर आवाज बुलंद नहीं करता है। लेकिन, मध्य प्रदेश के इंदौर में एक लव जेहाद का शिकार रेप पीड़िता के साथ न्यायालय में जो घटा, उसके बाद जैसे हर डर और असमंजस को बाहर निकालकर स्त्री शक्ति न्याय की कुर्सी पर बैठे जज के विरोध में सड़क पर उतर पड़ीं, जहां एक ओर जमकर इस जज के विरोध में नारे लगे, वहीं उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मंशा स्पष्ट की है कि इस तरह का कदाचरण भविष्य में किसी अन्य बेटी के साथ न घटे।

दरअसल, ये पूरी घटना दो

जज ने युवती को बाजारू कहा और पूछा रुपए मिल गए थे?

राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय महिला आयोग को ज्ञापन

दिन पूर्व ही सामने आई, कोर्ट रूम में घटा मामला कुछ इस तरह का था कि अनायास ही फिल्म दामिनी याद आ जाती है। लव जेहाद का शिकार हुई इस दुष्कर्म पीड़िता के साथ इंदौर की कोर्ट में जज द्वारा इतने अधिक अमर्यादित एवं अपमानित करने जैसी भाषा में सवाल-जवाब किए गए कि पीड़िता ने राष्ट्रपति तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखकर न्याय देने या फिर आत्महत्या करने की अनुमति देने तक की मांग कर डाली। इसी से समझा जा सकता है कि कोर्ट रूप में महिला पर कितना अधिक मानसिक अत्याचार हुआ होगा। पीड़िता से अपनी पहचान छिपाते हुए मुस्लिम युवक अशरफ मंसूरी ने आशु बनकर दोस्ती की फिर उसका शारीरिक शोषण किया। आरोपी ने उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया और रुपयों का लालच भी दिया, इस काम में अशरफ मियां का भाई बुरकान मंसूरी भी उसका साथ दे रहा था। जब आशु का असली चेहरा और नाम सामने आ गया तो उक्त महिला पुलिस के पास गई और मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपितों को जेल में डाल दिया। ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

पाकिस्तान ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड और हाफिज गुल बहादुर को प्रतिबंधित किया

इस्लामाबाद, 01 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड (एमबी) और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप (एचजीबीजी) पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब मुल्क में प्रतिबंधित संगठनों की कुल संख्या 81 हो गई है। इसके साथ ही सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल ख्वारिज के रूप में वर्गीगत किया है। इससे पहले 29 मार्च को आतंकवादी समूह जैनबियुन ब्रिगेड को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि मजीद ब्रिगेड को 19 जुलाई और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप को 25 जुलाई को प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध लगाने से पहले दोनों संगठनों पर दो साल तक निगरानी रखी गई। हाफिज गुल बहादुर पहले एक सरकारी ठेकेदार थे। उनका संगठन एचजीबीजी अब उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे मजबूत आतंकवादी समूह है। मजीद ब्रिगेड का गठन 2011 में हुआ था। यह बलूच लिबरेशन आर्मी का विशेष रूप से घातक गुरिल्ला सेल है। यह ब्रिगेड ज्यादातर सुरक्षा बलों और चीन के हितों को निशाना बनाती है।

मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

आंतरिक मंत्रालय की जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने सभी संस्थानों के लिए पाकिस्तान पर आतंकवादी हमलों के अपराधियों के नाम से पहले खारिजी का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की वास्तविक विचारधारा को उजागर करना है। इसका आशय धर्म की आड़ में इस्लाम की छवि को विकृत करना होता है। अधिसूचना के अनुसार आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों के लिए मुफ्ती और हाफिज जैसे शीर्षकों का उपयोग नहीं किया जाएगा, जबकि सभी पत्राचार और दस्तावेजों में उनके नाम से पहले खारिजी शब्द लिखा और पढ़ा जाएगा। अधिसूचना के अनुसार भ्रष्ट तत्वों को फितना अल-ख्वारिज कहा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कमला हैरिस पर डोनाल्ड ट्रंप के नस्लीय कमेंट पर घमासान

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस का होता जा रहा है। बुधवार को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ ब्लैक जर्नलिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में ट्रंप ने कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाया। इसके लिए दर्शकों ने उनका मजाक उड़ाया। लगभग 1000 लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, कमला हैरिस हमेशा से भारतीय मूल की थीं और वह केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। बता दें कि कमला हैरिस ने अश्वेत और दक्षिण एशियाई अमेरिकी दोनों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वह पहली अश्वेत और एशियाई अमेरिकी अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने अभी जो कहा वह घृणित है। यह अपमानजनक है। ट्रंप ने कहा मुझे नहीं पता कि वह भारतीय हैं या अश्वेत? लेकिन आप जानते हैं कि मैं दोनों का सम्मान करता हूं। लेकिन वह स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं करती हैं। वह शुरू से ही भारतीय थीं। अचानक उन्होंने एक मोड़ लिया और वह एक अश्वेत व्यक्ति बन गईं। उनक इस बयान का खूब विरोध हुआ है। पैनल साक्षात्कार के दौरान पूछा कि नस्लीय रूप से आक्रामक टिप्पणियों के साथ उनके विवादास्पद इतिहास के बावजूद अश्वेत मतदाताओं को उनका समर्थन क्यों करना चाहिए। ट्रंप ने इस सवाल पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भयानक, शत्रुतापूर्ण और अपमानजनक कहा। साथ ही नकली नेटवर्क करार दिया। ट्रंप ने कहा, मैं अब्राहम लिंकन के बाद से अश्वेत आबादी के लिए सबसे अच्छा राष्ट्रपति रहा हूं। ट्रंप की टीम ने चुनावी अभियान शुरू करते हुए विज्ञापन निकालकर कमला हैरिस को देश के लिए खतरनाक उदारवादी नेता बताया है।

डायबिटीज कंट्रोल से बाहर हुई तो डैमेज होने लगेगी नसें

वाशिंगटन। यदि ब्लड शुगर कंट्रोल से बाहर हो गया तो यह शुगर शरीर की नसों को भी डैमेज करने लगता है। इस बीमारी को डायबेटिक न्यूरोपैथी कहते हैं। इसमें मरीज के शरीर के किसी भी हिस्से में नर्व डैमेज होने लगती है। लगभग 50 प्रतिशत डायबिटीज के मरीजों को नर्व डैमेज होने की समस्या होती है। इसलिए समय पर डायबिटीज को कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। जानकारी के मुताबिक चार तरह के डायबेटिक न्यूरोपैथी की बीमारी होती है जिनमें कमोबेश एक ही तरह के लक्षण दिखते हैं। डायबेटिक न्यूरोपैथी के लक्षण सबसे पहले हाथ और पैर की नसों में देखने को मिलता है। इस कारण हाथ और पैर पहले से सुन्न होने लगता है। सबसे पहले हाथ में सुन्नापन आता है। हाई ब्लड शुगर के कारण खून की छोटी-छोटी नलिकाओं की दीवाल कमजोर होने लगती है। इसलिए इसके कहीं भी रिसने का डर रहता है। जिससे ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का अंगों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। डायबिटीज से बचने के सिंपल सूत्र हैं फिजिकल एक्टिविटी, हेल्दी डाइट, पर्याप्त पानी पीना, वजन कम करें, सिगरेट-शराब से दूर रहे, स्ट्रैस मैनेजमेंट और पर्याप्त नींद ले। विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे पहले हर वयस्क इंसान को अपने जीवन में नियमित रूप से एक्सरसाइज को शामिल कर लेना चाहिए। एक्सरसाइज के लिए जिम जाने की जरूरत नहीं है बल्कि इसके लिए ब्रिस्क एक्सरसाइज ही काफी है।

मादुरो ने चुनाव नतीजे का ऑडिट-प्रमाणीकरण के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की

करकास, 01 अगस्त (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजे का ऑडिट करने और उन्हें प्रमाणित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के इलेक्टोरल चैंबर में अपील दायर की है। श्री मादुरो ने बुधवार को दायर की गयी अपनी अर्जी में सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह संबंधित संस्थानों को बुलाए, ताकि सभी साक्ष्यों की तुलना की जा सके और उच्चतम तकनीकी स्तर के विशेषज्ञ की राय लेकर 28 जुलाई के चुनावी नतीजे को प्रमाणित किया जा सके। वे देश की प्रथम महिला सिलिया फ्लोरेस, उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज, अटॉर्नी जनरल रेनाल्डो मुनोज और विदेश मामलों के मंत्री इवान गिल के साथ अपने मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

ब्रिटेन में भड़का दंगा : मस्जिद पर किया पत्थराव

योग क्लास में चाकू से हमला, 3 मासूमों की गला रेतकर हत्या

लंदन, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के पश्चिमोत्तर इलाके के शहर साउथपोर्ट में योग क्लास के दौरान चाकू से एक हमलावर ने अटैक कर दिया था। उसने दो मासूम बच्चों को गला रेतकर मार डाला था। यही नहीं अस्पताल में इलाज के दौरान जख्मी एक और बच्ची ने भी दम तोड़ दिया था। वहीं इस घटना को लेकर ब्रिटेन में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। मंगलवार रात से ही साउथपोर्ट में दंगा छिड़ा हुआ है। इसमें अब तक 53 पुलिस वाले जख्मी हो चुके हैं तो वहीं तीन पुलिस डॉग भी हिंसा में घायल हैं। यह दंगा उसी इलाके में भड़का, जहां पर 13 लोगों पर चाकू से हमला हुआ था।

यह दंगा मंगलवार की रात पौने 8 बजे से शुरू हुआ, जब एक मस्जिद के बाहर भीड़ जुटी। इंग्लिश डिफेंस लीग संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मस्जिद पर पत्थर फेंके और फिर देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। इस दौरान पुलिस पहुंची तो उस पर भी हमला किया गया। पुलिस पर बोतलों और ईंटों से हमला किया गया, जिसमें कई लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। यही नहीं कई उपद्रवियों ने तो पुलिस की वैन में भी आग लगा दी। आमतौर पर ब्रिटेन में ऐसी घटनाएं नहीं होती थीं, लेकिन पिछले दिनों लीड्स में भड़की हिंसा और अब साउथपोर्ट के हालात ने प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मौके पर आई पुलिस पर हमला करने के लिए उपद्रवियों ने एक दीवार को ही ढहा दिया और फिर उससे ईंटें निकालकर हमला करने लगे। इस दौरान लोग यह नारे लगा रहे थे कि हमें बेटियों को बचाना है। इस हिंसा के मामले में 4 लोगों को अब तक अरेस्ट किया जा चुका है। इस बीच साउथपोर्ट मस्जिद के चेयरमैन इब्राहिम हुसैन ने कहा कि यह हिंसा परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें तो ऐसा लगा था कि ये लोग अंदर तक चले आएंगे और मस्जिद को ही आग के हवाले कर सकते हैं। उन्होंने पुलिस से भी अपील की कि वह कह दे कि चाकूबाजी की घटना को अंजाम देने वाला मुस्लिम नहीं था। इससे भड़के लोग थोड़ा शांत हो जाएंगे और मुस्लिमों को टारगेट नहीं किया जाएगा।

ब्रिटेन पुलिस ने नहीं बताई आरोपी की पहचान, रवांडा मूल का है

ब्रिटेन पुलिस ने अब तक कानूनी कारणों से संदिग्ध की पहचान को उजागर नहीं किया है। कहा जा रहा है कि आरोपी कार्डिफ में पैदा हुआ था और उसके माता-पिता रवांडा मूल के हैं। पुलिस का मानना है कि आरोपी के बारे में ऑनलाइन ही गलत जानकारी शेयर हुई और उससे ही भड़के लोगों ने दंगे को अंजाम दे दिया। यही नहीं ब्रिटेन के नए पीएम को भी इस मामले में विरोध झेलना पड़ा। वह जब पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे तो लोग चिल्ला रहे थे कि आखिर कितने बच्चे ऐसे मारे जाएंगे। अगला नंबर किसका है। हालांकि कीर स्टार्मर ने इस विरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

दुश्मनों को इजरायल की धमकी, कहा हमें नुकसान पहुंचाया तो गर्दन उतार लेंगे

तेल अवीव, 01 अगस्त (एजेंसियां)। हमास चीफ हानिया की मौत के बाद मुस्लिम देशों से मिली धमकी के बाद इजरायल ने साफ कह दिया कि हमे नुकसान पहुंचाया तो हम गर्दने उतारने में देर नहीं करेंगे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला नेता फुआद शुक्र की मौत का भी जिक्र किया और कहा कि हमें नुकसान पहुंचाने वालों से हम बदला लेंगे। दक्षिण बेरूत में शुक्र की मौत हो गई थी। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान में हुए हवाई हमले में हमास के शीर्ष कमांडर इस्माइल हनियेह भी मारा गया।

इसके आरोप इजरायल पर लगाए जा रहे हैं। नेतन्याहू का कहना है कि इजरायल किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इजरायल के नागरिकों, आने वाले दिन चुनौती भरे हैं। बेरूत में स्ट्राइक के बाद हर दिशा से धमकियां आ रही हैं। हम किसी भी हालात के लिए तैयार हैं और हम किसी भी धमकी के सामने एकजुट खड़े हैं। किसी भी क्षेत्र से हमारे खिलाफ आक्रमण हुआ, तो इजरायल उससे भारी कीमत वसूल करेगा।

उन्होंने कहा, हमने नसरल्लाह के करीबी (हिजबुल्ला प्रमुख हसन) को मार दिया है, जो बच्चों के नरसंहार के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार था। एक स्ट्राइक में 12 बच्चों की मौत हो गई थी, जिसके आरोप हिजबुल्ला पर लगाए गए थे। इजरायल के पीएम ने कहा, हमने मोहसिन से हमारा बदला ले लिया है और जो भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उससे हम बदला लेंगे। जो भी हमारे बच्चों को मारेगा, जो भी हमारे नागरिकों को मारे, जो भी हमारे देश को नुकसान पहुंचाएगा। उसकी कीमत उसका सर होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध रोकने के दबाव को लेकर नेतन्याहू ने कहा, अगर हमने उन आवाजों को सुना होता, तो हम हमास के नेताओं और हजारों आतंकवादियों को खत्म नहीं कर पाते। हम आतंकियों को इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म नहीं कर पाते... हम ऐसे हालात तैयार नहीं कर पाते, जिनकी वजह से हम ऐसे समझौते के करीब आ गए हैं जो हमारे सभी कैदियों की रिहाई और युद्ध के उद्देश्यों को पूरा करता है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने हनियेह की मौत का जिक्र नहीं किया। बुधवार को ही हमास और ईरान के रिवॉल्युशनरी गार्ड्स ने हनियेह की मौत की घोषणा की थी।

डबल शिफ्ट से परेशान एक्ट्रेस अमीना ने छोड़ी थी इंडस्ट्री, अब कर रहीं वापसी

करांची, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

फिल्मी अभिनेत्री अमीना शेख जो पाकिस्तानी इंडस्ट्री का जाना माना नाम व खूबसूरत चेहरा है। वह अपनी एक्टिंग और टैलेंट से लोगों के दिलों पर राज करती हैं। अमीना की एक्टिंग की तारीफ अक्सर फैंस करते हैं। साथ ही आर्ट और कल्चर को प्रमोट करने की उनकी कमिटमेंट पर भी लोग फिदा हैं। अब एक्ट्रेस अमीना ने अपने करियर को होल्ड पर रखने और बच्चों को लेकर एक साक्षात्कार में खुलासा किया है।

अमीना शेख ने कहा कि वह शूट करती और फिर बीच में अपनी बेटी को नर्स करती थी, फिर वापस जाकर दोबारा शूटिंग करती। बच्चे को दूध पिलाने अपने शरीर के साथ बहुत बड़ी कमिटमेंट है। तो उन्हें सीन्स के बीच फीडिंग करने पर अपने लिए कोई ब्रेक ही नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा कि वह डबल शिफ्ट में काम कर रही थी। उन्होंने आगे कहा कि उसका स्कूल और रूटीन प्राथमिकता बन गई। उन्हें जिंदगी में कुछ और चैलेंज का सामना भी करना पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें अपना करियर साइड में रखना पड़ा और अपने और अपने बच्चों के लिए आगे के रास्ते को सोच-समझकर चुनना पड़ा। इसलिए वह दुबई शिफ्ट हो गई हैं। एक वर्क करने वाली मां के रूप में मुश्किल फैसला लेने पर अमीना ने कहा-और कुछ वक्त तक उन्हें चुनना पड़ा कि मेरी प्राथमिकता आखिर क्या है। मेरी बच्ची और उसका फ्यूचर और फिर मेरा पैशन। मैंने उसे चुना मैंने वो ब्रेक लिया मुझे सही में चीजों को दोबारा डिजाइन करना पड़ा, परिवार को दोबारा खड़ा करना पड़ा और खुद को भी। मैंने काम को पीछे रखा और शुक्र है खुदा का कि मैं आर्थिक रूप से ऐसा कर पाई, क्योंकि कई महिलाओं के पास उनकी शादी में ऐसा सपोर्ट नहीं होता है या फिर वह आर्थिक रूप से स्ट्रॉन्ग नहीं होती हैं। अमीना ने कहा कि उनके पास वह सपोर्ट अपने पेरेंट्स की तरफ से था और सालों से इंडस्ट्री में काम करने और आर्थिक रूप से सोच-समझकर चलने से वह ये सब कर पाई। उन्होंने पाकिस्तानी इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक लिया था लेकिन अब वह अपने नए प्रोजेक्ट के साथ स्पॉटलाइट में वापसी कर रही हैं। अमीना को नेटफ्लिक्स के प्रोजेक्ट जो बचे हैं संग समेट लो में दिखाई देंगी।

नेपाल ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए जारी की चेतावनी

काठमांडू, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के बाद संबंधित देशों के नेपाली दूतावासों की तरफ से आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है।

विदेश मंत्री डॉ.आरजू राणा देउवा ने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और इजरायल द्वारा इरान एवं लेबनान में किए गए हमले के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर इन देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने मीडियाकर्मियों से कहा कि इजराइल, इरान, मिस्र और लेबनान में रहे अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने और विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मध्यपूर्व की चिंताजनक अवस्था को देखते हुए आसपास के देशों में कामदार के रूप में गए अपने नागरिकों को भी अलर्ट रहने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद इरान, मिस्र और इजराइल में नेपाली दूतावास और लेबनान के महावाणिज्य दूतावास के जरिए सूचना जारी कर अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है। इन देशों में रहने वाले नागरिकों को तत्काल दूतावास से संपर्क करने और अपनी-अपनी लोकेशन के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

इरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने राजधानी तेहरान पहुंचे हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की हत्या इजरायल के द्वारा किए जाने का दावा किया गया है। इतना ही नहीं लेबनान की राजधानी बेरूत में रह रहे हिज्बुल्लाह के कमांडर फाउद शुकर को भी इजरायल ने मार गिराया है। इन दोनों घटनाओं के बाद इरान और लेबनान दोनों ने ही इजरायल से बदला लेने की धमकी दी है। इन्हीं सब परिस्थितियों के बाद मध्यपूर्व में काफी तनाव बना हुआ है।

इजराइल के जहरीले हमले को चकमा देने वाला खालिद मेशाल बन सकता है हमास प्रमुख

गाजा, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

खालिद मेशाल एक ऐसा नाम है जिसकी चर्चा शेख अहमद यासीन के मारे जाने के बाद से अचानक तेज हो गई है। मेशाल 1997 में दुनिया भर में तब चर्चित हुआ, जब इजराइली एजेंटों ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में उसके ऑफिस के बाहर एक सड़क पर उनकी हत्या का असफल प्रयास किया। उसे जहर का इंजेक्शन दिया गया था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर यह हमला किया गया था। इसके बाद से जॉर्डन के तत्कालीन राजा हुसैन क्रोधित हो गए। उन्होंने संभावित हत्यारों को फांसी पर लटकाने और इजरायल के साथ जॉर्डन की शांति संधि को रद्द करने की बात कही थी। उन्होंने जहरीली दवा सौंपने की धमकी दी थी। इसके बाद इजरायल ने वह दवा उन्हें सौंप दी और हमास नेता शेख अहमद यासीन को रिहा कर दिया।

इस घटना के करीब सात साल बाद गाजा में उसकी हत्या कर दी गई। मेशाल को जानलेवा हमले की कोशिश से एक साल पहले हमास में पद दिया गया था। इसके बाद उसने विदेशों की सरकारों के साथ बैठकों में फिलिस्तीनी इस्लामवादी समूह का प्रतिनिधित् किया। हमास के सूत्रों ने कहा कि मेशाल को इस्माइल हनीया की जगह हमास का टॉप लीडर के रूप में चुने जाने की उम्मीद है। बुधवार की सुबह ईरान में उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद तेहरान और हमास ने इजरायल के खिलाफ प्रतिशोध की कसम खाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनी समर्थकों के लिए मेशाल इजरायली कब्जे से मुक्ति के लिए लड़ने वाला नेता है। वह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के विफल होने पर भी अपने उद्देश्य को जीवित रखने वाला व्यक्ति है। 2011 में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ सुन्नी मुस्लिम नेतृत्व वाले विद्रोह का समर्थन करने के लिए ईरान के साथ मेशाल के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। 1990 के दशक में मेशाल हमास का शीर्ष नेताओं की टीम में शामिल रहा है। मार्च 2004 में हवाई हमले में यासीन की मौत के बाद इजरायल ने एक महीने बाद गाजा में अब्देल-अजीज अल-रंतिसी की हत्या कर दी और मेशाल ने हमास का समग्र नेतृत्व संभाल लिया। मेशाल इजराइल के साथ स्थायी शांति समझौते के विचार को खारिज करते हैं, लेकिन उन्होंने कहा है कि हमास एक दीर्घकालिक युद्धविराम के बदले में अस्थायी समाधान के रूप में पश्चिमी तट, गाजा पट्टी और पूर्वी यरुशलम में एक फिलिस्तीनी राज्य को स्वीकार कर सकता है। मेशाल ने कहा कि 7 अक्टूबर के हमास हमले ने फिलिस्तीनी मुद्दे को विश्व एजेंडे के केंद्र में वापस ला दिया।

चार भारतीय टीवी चैनल समूहों ने नेपाल में बंद किया प्रसारण

काठमांडू।

भारत के चार टीवी चैनल समूहों ने पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण नेपाल में अपने-अपने चैनलों का प्रसारण गुरुवार से रोक दिय। इन चार टीवी चैनल समूहों में जी नेटवर्क, सोनी नेवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स हैं। नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। आज शाम को चैनल डिस्ट्रीब्यूटरों और नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। ठाकुर के मुताबिक नेपाली दर्शकों के लिए गुरुवार से जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स से जुड़े सभी चैनलों का प्रसारण रोक दिया गया है। नेपाल में इन चैनलों के प्रसारण का अधिकार खरीदने वाली वितरक कंपनी ने पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया है। इस कारण एक अगस्त से नेपाल में इन चैनलों का प्रसारण नहीं हो रहा है। इस बारे में नेपाल के सबसे बडे डीटीएच कंपनी डिस होम के चरपर्सन देवी प्रकाश भट्टचन ने कहा कि सरकारी नीति के कारण आज चैनल का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। भारतीय चैनल के प्रसारण को लेकर जो भुगतान किया जाना है उसकी अनुमति नेपाल राष्ट्र बैंक ने रोक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीने से लगातार आग्रह किए जाने के बावजूद नेपाल राष्ट्र बैंक ने अब तक भुगतान को लेकर एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी है। इस कारण चैनल का प्रसारण रुक गया है।

ट्रोल आर्मी एवं विपक्षी सदस्यों के आरोपों से कुपित होकर रेलमंत्री का टूटा धैर्य

अश्विनी वैष्णव ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को दिखाया आइना, जमकर धोया

जो लोग 58 साल के राज में एक टक्करोधी उपकरण नहीं लगा पाए वो सवाल उठा रहे हैं

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का लोकसभा में गुरुवार को अलग रंग दिखायी दिया। अति विनम्र स्वभाव और मुस्कान भरे चेहरे के लिए पहचाने जाने वाले श्री वैष्णव का रेलवे को लेकर विपक्ष की कथित ट्रोल आर्मी एवं विपक्षी सदस्यों के आरोपों से कुपित होकर धैर्य टूट गया और उन्होंने जिस आक्रामक अंदाज में विपक्षी सदस्यों की टोकाटाकी का प्रतिवाद किया उससे विपक्ष आसन के समक्ष आ गया और रेल मंत्री हाय हाय के नारे लगाये।

लोकसभा में तीन दिन तक बजट में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में कहा था कि देश के अभियंताओं में इतनी क्षमता और बुद्धिमत्ता है कि वे सर्वोत्तम तकनीक और प्रौद्योगिकी का आविष्कार कर सकते हैं। श्री मोदी के दूरदर्शिता के अनुरूप अब रेलवे में हर क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का रेलवे की नीतियों और संचालन में पूरा ध्यान गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे आम आदमी की सवारी है और पिछले 10 वर्षों में यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं कि मध्यम वर्ग और आकांक्षी मध्यम वर्ग इसकी सेवाएं ले सकें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्लीपर और गैर-एसी कोचों सहित सामान्य कोचों का एसी कोचों से अनुपात लगभग 2:1 है। यानी ट्रेनों में दो तिहाई गैर वातनुकूलित और एक तिहाई वातानुकूलित कोच हैं। ट्रेनों में गैर वातानुकूलित कोच बढ़ाये जा रहे हैं। दस हजार गैर वातानुकूलित कोचों के निर्माण का काम हाथ में लिया गया है और अगले कुछ महीनों में 2500 गैर वातानुकूलित कोच संचालन के लिये मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी महीनों में लगभग 2500 अतिरिक्त सामान्य कोच का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने उल्लेख किया कि निकट भविष्य में, लगभग 10 हजार अतिरिक्त सामान्य कोचों का उत्पादन किया जाएगा, जिससे सामान्य कोचों की उपलब्धता में कोई समस्या न हो।

श्री वैष्णव ने कहा कि श्री मोदी ने अमृत भारत पहल के तहत सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम रेलवे की कल्पना की है, जिसे पिछले साल पटरी पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अतिरिक्त 50 अमृत भारत ट्रेनों के उत्पादन को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। आने वाली 50 अमृत भारत ट्रेनों में 13 नए सुधार शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक और तेज गति से चलने वाली ट्रेन चलाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वंदेभारत की जोरदार सफलता के बाद अब अमृत भारत ट्रेन चलाना शुरू कर दिया गया है। अभी दो अमृत भारत ट्रेन चलायी जा रही हैं, ये ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुत आरामदायक सफर का अनुभव कराती हैं। जल्द ही पचास अमृत भारत ट्रेन चलाने की योजना है। इन ट्रेनों में 400 से 450 रुपये के बीच में करीब एक हजार किलोमीटर का सफर किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा कि 100 से 150 किलोमीटर की दूरी वाले दो मेट्रो स्टेशनों के बीच चलने वाली वंदे मेट्रो ट्रेन को जल्द ही शुरू किया जायेगा। यह ट्रेन यात्रियों के लिये एक वरदान साबित होगी। यह ट्रेन यात्रा का एक नया स्वरूप प्रदान करेगी। पहली वंदे मेट्रो ट्रेन बन गयी है, उसका परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संप्रग काल में केवल 2,300 एलएचबी कोचों का उत्पादन किया गया था, जबकि राजग की दो सरकारों में 37000 कोचों का उत्पादन किया गया है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक के अनुरूप स्वदेशी दिमाग से एक नया कोच विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रेनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कवच का इस्तेमाल बढ़ाने पर निरंतर ध्यान दिया जा रहा है और जल्द ही सभी ट्रेनों में इसका उपयोग शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश भर में कहीं भी बिना चौकीदार वाले फाटक अब नहीं रह गये हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में नौ हजार बिना चौकीदार वाले फाटकों चौकीदार नियुक्त कर दिये गये हैं या अंडर ब्रिज या ओवर ब्रिज बना दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेन संचालन में सुरक्षा के हर विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार दुर्घटनाओं को रोकने के लिये पूरी तरह के कटिबद्ध है।

श्री वैष्णव के जवाब के बीच-बीच में विपक्षी बेंचों से टोकाटाकी हो रही थी। रेल दुर्घटनाओं का जिक्र आने पर उन्होंने कहा कि एक भी दुर्घटना बहुत दुखद है और लेकिन वह विपक्ष के सदस्यों के बार-बार पूछने पर रिकॉर्ड रखना चाहते हैं कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के कार्यकाल में साल में औसतन 171 दुर्घटनाएं होतीं थीं।

अब यह आंकड़ा 68 प्रतिशत कम हो गया है। उनके यह कहने पर विपक्ष की ओर से कोई कटाक्ष किया गया जिस पर श्री वैष्णव भड़क गये। उन्होंने तेज आवाज़ में कहा, जो लोग 58 साल के राज में एक एटीसी (टक्करोधी उपकरण) नहीं लगा पाये वो सवाल उठा रहे हैं। अपने गिरेबां में झांक कर देखें। विपक्ष की ओर से शोरशराबा होने पर रेल मंत्री का गुस्सा भी बढ़ गया, उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन के पुराने भाग की एक पुरानी दीवार क्या क्षतिग्रस्त हुई। कांग्रेस की ट्रोल आर्मी ने उसे उठा कर तमाशा खड़ा कर दिया। रोज़ाना दो करोड़ से अधिक लोग यात्रा करते हैं, उनको ये डराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी सदन में जब सुश्री ममता बनर्जी ने दुर्घटनाओं का स्तर कुछ कम होने पर मेजें थपथपा कर स्वागत किया था, लेकिन आज उससे बड़ी उपलब्धि मिली है पर उसकी तारीफ करने में सब पीछे हैं। उन्होंने संसद सदस्यों का आह्वान किया कि रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों की हिम्मत बढ़ाने की जरूरत है जो रेल को चलाते हैं। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेज़ें थपथपायीं। रेल मंत्री ने भी जोर जोर से मेज थपथपायी। श्री वैष्णव ने कहा, कांग्रेस की झूठ की दुकान नहीं चलेगी। कभी फौज को नीचा दिखाते हैं, कभी रेलवे को। जबकि रेलवे में वो ताकत है कि देश की कोई भी समस्या और बड़ी से बड़ी चुनौती से पार पा सकती है। रेल मंत्री ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ई टी मोहम्मद बशीर के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री बशीर ने किसी सीएजी की रिपोर्ट का उल्लेख करके रेलवे में दलित आदिवासी एवं पिछड़े वर्गों के लोगों की भर्ती का मामला उठाया था। हमारे अधिकारियों ने सीएजी की सभी रिपोर्टों को खंगाला लेकिन कहीं कोई एससी एसटी या ओबीसी का विषय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-14 तक संप्रग काल के दौरान, केवल 4,11,000 भर्तियाँ नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में एटीपी विकसित करने का फैसला किया, कवच का 2016 में पहला परीक्षण हुआ और 2019 में एसआईएल-4 प्रमाणन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 2022 में इस प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए 3,000 किलोमीटर लंबी परियोजना शुरू की गई थी और 2024 में कवच के संस्करण 4.0 को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कवच के तीन निर्माता हैं, दो अतिरिक्त निर्माता जोड़े जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, 8,000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया गया है, और छह विश्वविद्यालयों ने अब अपने पाठ्यक्रम में कवच के बारे में अनुभाग शामिल किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब हमारे पास कवच को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन और क्षमताएं हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि ट्रैक विफलता, रेल दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है, जिसे बड़ी चिंता के साथ संबोधित किया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में, 26,52,000 अल्ट्रासोनिक दोष पहचान परीक्षण किए गए हैं, और नई प्रौद्योगिकियों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2013-14 में, लगभग 2,500 रेल फ्रैक्चर थे, लेकिन 2024 में यह संख्या घटकर केवल 324 रह गई है, जो 85 प्रतिशत की कमी का संकेत देती है। लोको पायलटों के संदर्भ में रेल मंत्री ने कहा कि लोको पायलट रेल परिवार के बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं। इस पर विपक्ष की ओर से किये गये कटाक्षों से श्री वैष्णव फिर से भड़क गये, उन्होंने कहा, हम रील बनाने वाले नहीं, रियल में काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि लोको पायलटों के लिए वर्ष 2005 के नियमों के हिसाब से ड्यूटी एवं विश्राम का समय तय किया जाता था। वर्ष 2016 में नियमों में संशोधन करके लोको पायलटों की कार्य स्थितियों में सुधार के लिए कदम उठाए तथा ऑफ-ड्यूटी सुविधाओं में वृद्धि की गयी है। देश में सभी 558 रनिंग रूम को वातानुकूलित बनाया गया। लोकोमोटिव इंजन की कैब में एर्गोनोमिक सीटों और एयर कंडीशनिंग को शामिल करने के लिए 7000 से अधिक लोको कैब का उन्नयन किया गया है। उन्होंने कहा, जो लोग लोकोपायलट के साथ रील बना रहे थे, उनके समय में एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था। रेल मंत्री विपक्ष के प्रतिक्रियात्मक शोर शराबे पर आक्रामक मुद्रा में आ गये और कहासुनी भी हुई। इस पर विपक्ष के सदस्य रेल मंत्री हाय हाय के नारे लगाने लगे। इस बीच अध्यक्ष ओम बिरला ने रेल मंत्री से कहा कि वह विपक्ष की टोकाटाकी पर ध्यान नहीं दें। श्री वैष्णव ने कहा कि केरल का आवंटन बढ़ाकर औसतन 3011 करोड़ रुपये किया गया है जो संप्रग सरकार के दौरान 372 करोड़ रुपये था। तमिलनाडु का आवंटन औसतन 879 करोड़ रुपए से बढ़कर 6362 करोड़ रुपये हो गया। केरल और तमिलनाडु से भूमि अधिग्रहण समर्थन की उम्मीद है। रेलवे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तमिलनाडु से 2749 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, केवल 807 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे विद्युतीकरण ने दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 10 वर्षों में 44 हजार किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ, जबकि 50 वर्षों में केवल 20 हजार किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ। पिछले 10 वर्षों में विद्युतीकरण से होने वाले लाभों में 600 मिलियन टन अतिरिक्त कार्गो, 640 करोड़ लीटर डीजल की बचत और 400 करोड़ किलो कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी शामिल है, जो 16 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। रेल मंत्री ने पिछले कुछ वर्षों में रेलवे को रिकॉर्ड आवंटन के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। उन्होंने लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया जो प्रतिदिन लगभग 21 हजार ट्रेनें चलाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे देश की जीवन रेखा है और एक महत्वपूर्ण संगठन है जिस पर देश की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। उन्होंने संसद से रेलवे को राजनीतिकरण से मुक्त करने और देश के लाभ के लिए इसके सुधार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले दो दिनों में सरकार और विपक्षी सांसदों दोनों की ओर से कई सुझाव आए हैं जिन पर सरकार सकारात्मक ढंग से विचार करेगी। श्री वैष्णव का वक्तव्य पूरा होने पर विपक्षी सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये। श्री बिरला ने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, जब अगले पक्ष का कोई सदस्य या मंत्री बोल रहे हों तो दूसरे पक्ष के लोगों को बैठे बैठे टोकाटाकी नहीं करनी चाहिए।

ममता मोहंता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)। ओड़ीशा से राज्यसभा सांसद ममता मोहंता ने बीजू जनता दल (बीजद) छोड़ कर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गयीं।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में श्रीमती मोहंता ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद अरुण सिंह, ओडिशा प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर, सांसद प्रदीप पाणिग्रही, सांसद श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी, श्रीमती मालविका केसरीदेव और सांसद अनंत नायक की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अरुण सिंह ने श्रीमती मोहंता को भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ओडिशा में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। श्री मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार और ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है जिससे ओडिशा का तीव्र गति से विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 वर्षों के कार्यकाल में बीजद ओडिशा के विकास को अनदेखा किया। आदिवासियों और पिछड़ों के अधिकारों को नजरंदाज किया गया इसलिए ओडिशा की जनता ने भाजपा को विजयी बनाया। देश की जनता को प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों और कार्यक्रमों पर विश्वास है। मोदी सरकार द्वारा गरीबों के सशक्तिकरण के लिए पक्का आवास, पांच किलो अनाज, पीने का पानी, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधाएं दी गयी है।

उन्होंने कहा कि श्रीमती मोहंता ने बीजद महिला मोर्चा की अध्यक्ष रहते हुए मयूरभंज में महिलाओं के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है। भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री श्री मोदी के जनकल्याणकरी एवं विकास की योजनाओं से प्रभावित होकर वह भाजपा परिवार में शामिल हुई हैं। उनके भाजपा में आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। भाजपा ओडिशा प्रभारी श्री तोमर ने कहा कि श्रीमती मोहंता ओडिशा के आदिवासी क्षेत्र से आती हैं और उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी को ओडिशा में बल मिलेगा। उनकी पकड़ से पार्टी की नीतियों को प्रोत्साहन मिलेगा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही विकास यात्रा का हिस्सा बन रही हैं। भाजपा में शामिल होने के पश्चात श्रीमती मोहंता ने भाजपा परिवार का हिस्सा बनने के लिए भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में अपना हरसंभव योगदान देंगी।

पहले माता प्रसाद पांडेय, अब हरिशंकर तिवारी

ब्राह्मणों को साधने की आपाधापी में अखिलेश यादव

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके लिए जहां वो पीडीए के समीकरणों को मजबूती देने में जुटे हैं तो दूसरी तरफ वो भाजपा का कोर वोटर माने जाने वाले ब्राह्मणों को अपने पाले में लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने हाल ही में कई चर्चित नेताओं की बजाए सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से सपा विधायक माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया। जिससे यह माना गया कि उन्होंने ब्राह्मण समाज को पीडीए के ए को अगड़ा मान समाजवादी पार्टी से जुड़ने का संदेश दिया है। जबकि पीडीए का ए अल्पसंख्यकों के लिए है।

अब अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बहाने पूर्वांचल में नया दांव खेला है। हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव टांडा में प्रतिमा स्थापित करने के लिए बन रहे चबूतरे को बिना इजाजत निर्माण की शिकायत पर प्रशासन ने बुधवार को ध्वस्त करा दिया था। इस कार्रवाई का स्थानीय स्तर पर विरोध हो रहा था। इसी बीच अब अखिलेश यादव ने मुद्दे को भांपते हुए एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। चिल्लूपार के सात बार विधायक रहे उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। गोरखपुर की सियासत में ब्राह्मण बनाम ठाकुर की कहानियां खूब सुनाई जाती हैं। कई लोग हरिशंकर तिवारी के हाते और गोरखनाथ मठ की राजनीति के बीच बहुत पुराना विवाद बताते हैं। पूर्वांचल के ब्राह्मण समाज में हरिशंकर तिवारी का बड़ा समर्थक वर्ग रहा है।

ऐसे में अखिलेश के ताजा रुख से माना जा रहा है कि वो एक के बाद एक कदम उठाकर ब्राह्मण राजनीति को हवा और ब्राह्मणों को लगातार संदेश दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि एमवाई (मुस्लिम+यादव) के बाद सपा अब पीडीए के तहत गैर यादव ओबीसी और दलित वोटरों को अपनी तरफ खींचने की पूरी कोशिश कर रही है।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के 18 सदस्य निलंबित, मामला सदाचार समिति को

रांची, 01 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी सदस्यों का जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने भाजपा के 18 सदस्यों को 2 अगस्त अपराह्न 2:00 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

इससे पहले आज पूर्वाहन 11:00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुदिव्य कुमार सोनू ने भाजपा विधायकों के रवैए पर नाराजगी जाहिर करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि संसदीय परंपरा की विरुद्ध जिस तरह से भाजपा विधायक को की ओर से आचरण किया गया है वह निंदनीय है और विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा कार्य संचालन नियमावली के अनुसार इन सभी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

दूसरी तरफ बीजेपी विधायक वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इससे नाराज विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा के अनंत ओझा, विरंची नारायण और सीपी सिंह समेत 18 सदस्यों को कल अपराहन 2:00 बजे दिन तक के लिए तक के लिए निलंबित कर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच सदन की सदाचार समिति करेगी। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने आज सदन की कार्यवाही को दोपहर 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। जिन विधायकों को निलंबित किया गया, उनमें विरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नारायण दास, केदार हाजरा, किशुन दास, सीपी सिंह, नवीव जायसवाल, अमित मंडल, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, शशिभूषण मेहता, अलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, नीरा यादव, अपर्णा सेनगुप्ता, राज सिन्हा और समरी लाल शामिल हैं।

विधानसभा से निलंबित होने के बाद बाहर में पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा विधायकों की ओर से किसी भी तरह का कोई गलत आचरण नहीं किया गया इसके बावजूद तानाशाही रवैया बनाते हुए सभी को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया पर भी अंकुश लगाने की कोशिश की गई। श्री बाउरी ने कहा कि जिस तरह से आज कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के इशारे पर विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कार्रवाई की गई है ,वह आपातकाल का याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक सिर्फ युवाओं को रोजगार और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर की ओर ध्यान दिलाते हुए मुख्यमंत्री से जवाब देने की मांग कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को भी पाकुड़ में रोकने की कोशिश की गई । यह सारी घटनाएं यह बताती है कि कांग्रेस राज्य मैं फिर से एक बार इमरजेंसी थोपना चाहती है ।उन्होंने कहा कि यदि उनकी सदस्यता भी चली जाती हैं तब भी वे जनमुद्दों को उठाते रहेंगे और आने वाले चुनाव में कांग्रेस झामुमो का पूरी तरह से सफाया होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा-सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी-ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 02 अगस्त 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 03:29 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 10:59 तक
योग : हर्षण प्रातः 11:44 तक
करण : वणिज सायं 03:29 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , आश्लेषा में रवि रात्रि 10:06 ,
भद्रा सायं 03:27 से रात्रि 03:36 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एमपी की पारदी गैंग ने की थी न्यायिक अधिकारियों के आवास पर चोरी, चार गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़,01अगस्त (एजेंसियां)। जिले के कपासन में 10 दिन पूर्व दो न्यायिक अधिकारियों के आवास पर दिनदहाड़े हुई लाखों की नकदी और आभूषण चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। मध्यप्रदेश की पारदी गैंग ने इस वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए चोरी का काफी हद तक माल बरामद कर लिया है। आरोपियों ने चार राज्यों में 50 से अधिक नकबजनी, डकैती, चोरी की वारदात को कबूल किया। चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने गुरुवार शाम को पत्रकार वार्ता में दोनों वारदात का खुलासा किया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत 20 जुलाई को कपासन के अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश महेंद्र सोलंकी और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निष्ठा पांडे के निवास पर दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई थी। आरोपित दोनों न्यायिक अधिकारियों के आवास से लाखों के आभूषण, घड़ियां, नकदी आदि चोरी कर ले गए थे। इस पर पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए थे। पुलिस ने वारदात का खुलासा के लिए कपासन थाना तथा साइबर सेल की एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी साक्ष्य जुटाए तथा करीब 200 सीसी टीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग प्राप्त कर अनुसंधान किया।

इसमें आरोपियों के बारे में जानकारी मिली कि उक्त आरोपित अव्वल दर्जे के नकबजन एवं खूंखार किस्म के अपराधी है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने मध्य प्रदेश के भोपाल सीहोर और राजगढ़ जिले के अलग-अलग स्थान पर दबिश दी। संदिग्ध आरोपियों को डिटेन कर के पूछताछ की गई। पुलिस ने वारदात करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इन्होंने चित्तौड़गढ़ के कपासन सहित कई स्थानों पर वारदात करना कबूल किया। पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास से चोरी किया गया करीब 20 तौला सोना, 250 ग्राम चांदी के जेवर तथा ब्रांडेड घड़ियां बरामद कर ली। इनका अनुमानित मूल्य करीब 70 लाख रुपये हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों की ओर से वारदात में प्रयुक्त कार को बरामद कर लिया है।

पुलिस ने इस मामले में मध्यप्रदेश के भोपाल में निशातपुर निवासी सचिन पुत्र साइसिंह पारदी, सिरोही जिले के डोडी निवासी पपून पुत्र सहिसराज पारदी, सिरोह जिले के दोराह निवासी रूप नारायण पुत्र सज्जनसिंह पारदी तथा रामबाबू पुत्र अमरलाल पारदी को गिरफ्तार किया है। इन चारों ही आरोपियों को चार दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए हैं। गिरफ्तार आरोपित सचिन के खिलाफ 26 तो पपून के खिलाफ कुल 13 प्रकरण दर्ज है

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कपासन पुलिस की ओर से चोरी के मामले में गिरफ्तार किए इन आरोपियों को कपासन के न्यायालय में ही पेश करना था। लेकिन प्रकरण की सुनवाई करने वाले न्यायिक अधिकारी ही इस मामले में प्रार्थी है। ऐसे में आरोपियों को चित्तौड़गढ़ न्यायालय में पेश किया गया है। इनसे गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने चित्तौड़गढ़ के अलावा अन्य स्थानों पर की गई वारदात को भी स्वीकार किया है। आरोपियों ने मध्यप्रदेश महाराष्ट्र, गोवा व राजस्थान में 25 से अधिक वारदात करना स्वीकार किया है।

पानी में खेलते समय नाले में बह गया 15 साल का लड़का

छह घंटे बाद मिला मृत

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के बगरू क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना में बालक की मौत हो गई। सुबह करीब 9 बजे छीपा मोहल्ले में सड़कों पर भरे पानी में खेलते समय 15 साल का एक लड़का बह गया। पीयूष आचार्य (15) अपने दोस्तों के साथ सड़क पर जा रहा था। स्थानीय निवासी विशाल चौधरी ने बताया कि पीयूष का पैर फिसल गया और वह पास के नाले में गिर गया। उसके दोस्तों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उनके हाथों से फिसल गया। यह पूरी घटना पास की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई।

पीयूष अपनी कॉलोनी के दोस्तों के साथ सड़क पर भरे पानी में खेल रहा था। इस दौरान वह सड़क पर बने एक नाले के पास गया, जो करीब 5 फीट गहरा और 3 फीट चौड़ा था। नाले के ऊपर रखा हुआ कवर हट गया था, जिससे पानी भंवर की तरह नाले में जाने लगा। भंवर को पास से देखने के चक्कर में पीयूष नाले के करीब गया और उसमें गिर गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत रेस्क्यू टीम को सूचना दी। रेस्क्यू टीम ने छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को घटना स्थल से करीब 500 मीटर दूर नाले से बाहर निकाला। दुर्भाग्यवश, पीयूष को मृत अवस्था में पाया गया।

इस घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और नाले की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने की बात कही है। इस दुखद घटना ने स्थानीय निवासियों को भी सतर्क कर दिया है, जिससे वे अपने बच्चों को ऐसी जगहों से दूर रखने की सलाह दे रहे हैं।

उत्तराखंड की तर्ज पर यूसीसी लाएगी भजनलाल सरकार

विधानसभा में विधि मंत्री ने दिया जवाब

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बाद अब भाजपा शासित राजस्थान में भी यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाने की तैयारी कर रही है। गुरुवार को विधानसभा में सरकार के विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को ये जानकारी दी। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में विधि, न्याय और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, हां, राज्य सरकार इस विषय में विचार कर रही है। सभी पहलुओं पर विचार करके सरकार की तरफ से उचित समय पर उक्त बिल लाया जाएगा। हालांकि सरकार ने बिल लाने और यूसीसी लागू करने की समय सीमा के बारे में नहीं बताया है।

विधानसभा में भजनलाल सरकार को लगा बड़ा झटका

लौटाना पड़ा यह विधेयक, भाजपा विधायकों ने भी किया विरोध

जयपुर,01 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में प्रदेश की भजनलाल सरकार को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा में आधी-अधूरी तैयारी के साथ पेश किया गया भूजल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक 2024 सरकार को पुनर्विचार के लिए प्रवर समिति को भेजना पड़ा गया। कांग्रेस ही नहीं, भाजपा विधायकों ने भी इस बिल का विरोध किया था। इसके कारण सरकार को यह बिल वापस लेना पड़ा। गौरतलब है कि पिछली गहलोत सरकार ने घरेलू उपयोग के लिए भूजल में 10 एमसी पानी के लिए एनओसी की अनिवार्यता समाप्त कर दी थी। इसके बाद भजनलाल सरकार सत्ता में आई और कांग्रेस सरकार को बैकफुट पर लाने के लिए उस फैसले पर रोक लगा दी।

इस बिल में सरकार ने भूजल प्रबंधन के लिए नया प्रधिकरण गठन करने का प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने इसका यह कहते हुए विरोध किया कि बिल में पानी की राशनिंग करने के प्रावधान किए गए हैं। एक्ट के तहत राजस्थान में निजी इंडस्ट्रीज और घरेलू ट्यूबवेल्स खुदाई पर बैन लगाए जाने का प्रावधान था। राज्य में जो इंडस्ट्रीज चल रही है, उनमें टेलीमीट्रिक डिजिटल वाटर मीटर लगाए जाने थे।

औद्योगिक क्षेत्र का सुरक्षा कवच टूटा

बाढ़ से बचाव के लिए बनाया अस्थायी बांध बारिश में बहा

अंबाला,01 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में औद्योगिक क्षेत्र में बाढ़ से बचाव के लिए बनाया गया अस्थायी बांध बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया। इससे आसपास की कॉलोनियों का पानी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर घुस गया। कुछ निचली फैक्टरियों में भी बारिश का पानी घुस गया, जिससे उद्यमियों की चिंता बढ़ गई। बारिश रुकने के बाद ही कारोबारियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद दिनभर टूटे अस्थायी बांध की मरम्मत का कार्य चला।

दरअसल, औद्योगिक क्षेत्र में करोड़ों की टर्नओवर वाली फैक्टरियों को पिछली बार की तरह बाढ़ से बचाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। इसके तहत सिंचाई विभाग की तरफ से टांगरी नदी पर बांध बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

दूसरी ओर हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम यानी एचए-सआईआईडीसी की तरफ से मिट्टी का अस्थायी बांध तैयार किया गया था, ताकि आसपास की कॉलोनियों में जलभराव होने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में दिक्कत न हो, लेकिन यह पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गया।

सफाईकर्मियों की हड़ताल से पुष्कर में बिगड़े हालात

पालिकाकर्मी, जनप्रतिनिधि और पुरोहित कर रहे सफाई

अजमेर,01 अगस्त (एजेंसियां)। बीते तीन दिनों से तीर्थ नगरी पुष्कर में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की झाड़ू डाउन हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। वहीं, हड़ताल के कारण तीर्थ नगरी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो रखी है। तीर्थ के घाट और सरोवर समेत जगह-जगह गंदगी के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे तीर्थ यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की धार्मिक भावना आहत हो रही है। आज सुबह हुई बारिश के बाद जो कचरा एक जगह जमा था वह सड़कों पर फेल गया और पुष्कर की सड़कें कचरा डिपो में तब्दील हो गई। वहीं पालिकाकर्मी, जनप्रतिनिधि पुरोहितों द्वारा सरोवर के घाटों और कस्बे में साफ-सफाई जारी है।

वाल्मीकी संघर्ष समिति के बैनर तले पुष्कर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीन दिनों से चल रही है। आज हड़ताल का चौथा दिन है। इसके चलते पालिका प्रशासन ने सरोवर के घाटों पर सफाई के लिए श्रमदान शुरू किया है। पालिका के कनिष्ठ अभियंता रामनिवास मीणा ने बताया कि पालिका स्टाफ और जन सहयोग से घाटों पर श्रमदान कर सफाई की जा रही है। सरोवर से मृत मछलियों को बाहर निकाला जा रहा है। इसके अलावा ठेकेदार ने 10 श्रमिकों की वैकल्पिक व्यवस्था की है।

पालिका उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि ने अपने वार्ड में की सफाई कर मिसाल पेश की। उन्होंने बताया कि वे वार्ड सेवक होने का दायित्व निभा रहे हैं, ताकि कम से कम उनके वार्ड की गंदगी तो बहकर मुख्य बाजार में न जाए। महर्षि ने बताया कि वार्ड के प्रमुख वराह मंदिर पर जाने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी से होकर न गुजरना पड़े। इसके अलावा इसी मार्ग पर प्राचीन रघुनाथ मन्दिर, बद्री नरायण मन्दिर, जगदिश मन्दिर, केदार नाथ महादेव मंदिर आते हैं इसलिए उन्होंने सफाई का जिम्मा उठाया।

पुष्कर सरोवर में लगातार मछलियां मरने और सफाईकर्मियों की हड़ताल से सरोवर में बदबू मारने लगी है। हालात को देखते हुए भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष भुवनेश पाठक के नेतृत्व में घाटों पर श्रमदान किया। इस दौरान यश पाराशर, लक्ष्मीकांत गौड़, दामू पाराशर, प्रकाश नाथ, रमेश नारायण, आदित्य सहित कार्यकर्ताओं ने मृत मछलियों को बाहर निकालकर सरोवर के घाटों पर श्रमदान कर सफाई की।

मैं भी बेटी का बाप हूं, आरोपियों को नहीं छोड़ूंगा

अंबाला में दो बच्चियों की हत्या पर बोले परिवहन मंत्री गोयल

अंबाला,01 अगस्त (एजेंसियां)। अंबाला शहर के वाल्मीकि बस्ती में 31 जुलाई को दो बच्चियों की बेरहमी से हुई हत्या कर दी गई थी। बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बूरा हाल है। दो बच्चियों की हत्या की घटना से शहर ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश स्तब्ध है।

वीरवार को हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने बच्चियों के परिजन को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि मामले में किसी जो भी आरोपी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री असीम ने कहा कि मैं खुद एक बेटी का बाप हूं, छोड़ूंगा नहीं, बिल्कुल नहीं छोड़ूंगा जिसने यह काम किया है। परिजनों को कहा कि वह भरोसा रखें बिल्कुल इंसाफ मिलेगा। वहीं मंत्री असीम गोयल ने पुलिस अधिकारियों को भी जल्द मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।

उधर, पुलिस भी मामले की जांच में जुटी हुई है। इलाके के सीसीटीवी को भी खंगाला। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, शहर की वाल्मीकि बस्ती में बुधवार को एक घर में दो बच्चियों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। बच्चियों के शव मिलने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। दोनों बच्चियों के गले पर निशान थे और एक बच्ची के मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने बच्चियों के दादा वेदप्रकाश की शिकायत पर सुबह घर पर झगड़ा करने वाले विकास के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

दादा वेदप्रकाश ने बताया था कि सुबह आठ बजे सौरभ के साथ काम पर चला गया था। सोनू भी कहीं चला गया था। घर पर दोनों बच्चियों 11 वर्षीय योगिता व सात वर्षीय अमायरा के अलावा कोई नहीं था। सुबह नौ बजे सौरभ घर गया तो देखा कि दोनों बच्चियां सीढ़ियों पर अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी। गले पर चोट के निशान थे। इससे पहले सुबह सात बजे घर पर विकास नाम का व्यक्ति आया था।

हरिद्वार जल लेने गया युवक पत्नी ने फंदा लगा दी जान

ढाई साल पहले किया प्रेम विवाह, 15 दिन पहले जन्मी बेटी

करनाल,01 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में शिवरात्रि पर हरिद्वार जल लेने गए युवक की पत्नी ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की सूचना पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

चार चमन निवासी युवक की मां ने बताया कि उनके बेटे सूरज ने ढाई साल पहले मुस्कान से प्रेम विवाह किया था। 15 दिन पहले उसकी पुत्रवधू ने बेटी को जन्म दिया था। बेटा सूरज हरिद्वार से जल लेने गया था। बुधवार रात को सभी खाना खाने के बाद सो गए। उसकी पुत्रवधू भी बेटी को लेकर अपने कमरे में चली गई थी।

गुरुवार सुबह पांच बजे बेटा हरिद्वार से घर पहुंचा तो बहू अपने कमरे में फंदे से लटकी मिली। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। दूसरी ओर मायका पक्ष ने ससुराल पक्ष के लोगों पर उनकी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने व उसे तंग करने का आरोप लगाया। चार चमन में एक महिला के फंदा लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। जिसके बाद वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मायका पक्ष ने ससुराल पक्ष पर बेटी को तंग करने का आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अगस्त में 4 ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2024 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब अगस्त का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है इस महीने में सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योति शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिसके कारण हर एक माह में कोई न कोई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं जिसे ज्योतिष में ग्रहों का गोचर कहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अगस्त में 4 प्रमुख ग्रह मंगल, सूर्य, बुध और शुक्र अपनी चाल बदलेंगे। इसके अलावा कई ग्रहों का नक्षत्र भी बदलेंगे। अगस्त माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन से कई तरह के शुभ योग भी बनेंगे, जिसमें बुधादित्य राजयोग और समसप्तमक योग भी होगा। अगस्त माह में सिंह राशि में त्रिग्रही योग का भी निर्माण होगा। दरअसल अगस्त माह में सूर्यदेव के स्वामित्व वाली राशि सिंह में स्वयं सूर्य, बुध और शुक्र का मिलन होगा, जिससे त्रिग्रही योग का निर्माण होगा। इस प्रकार से अगस्त माह में सभी 12 राशियों के ऊपर इन ग्रहों का प्रभाव दिखाई देगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की विशेष भूमिका होती है। सभी ग्रह एक नियमित अंतराल पर अपनी राशि परिवर्तन करते हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन के अलावा सभी ग्रह की समय-समय पर चाल बदलती रहती है जिसका भी प्रभाव जातकों के जीवन पर पड़ता है। ऐसे में आने वाला अगस्त का महीना काफी महत्वपूर्ण रहने वाला होगा। अगस्त में कई ग्रह अपनी राशि तो बदलेंगे ही साथ ही कुछ ग्रह की चाल में बदलाव भी देखने को मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह के परिवर्तन से जातकों के जीवन के साथ देश-दुनिया में भी काफी हलचल देखने को मिल सकती है।

बुध का कर्क राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। बुध अभी सिंह राशि में मौजूद हैं। 5 अगस्त 2024 को बुध सिंह राशि में वक्री हो जाएंगे, फिर 22 अगस्त को सिंह राशि से वापस कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। फिर 29 अगस्त को बुध मार्गी हो जाएंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ और मीन

सूर्य का सिंह राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। सूर्य अभी कर्क राशि में विराजमान हैं और इसके बाद 16 अगस्त 2024 को कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे। आपको बता दें कि सिंह राशि के स्वामित्व स्वयं सूर्य देव होते हैं। इस तरह से अगस्त माह में सूर्यदेव अपनी ही राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य का स्वयं की राशि में आना अच्छा संकेत है। सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने के कारण सिंह राशि में सूर्य, बुध और शुक्र का त्रिग्रही योग बनेगा। 16 अगस्त से लेकर 22 अगस्त तक ये त्रिग्रही योग रहेगा।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

मंगल का मिथुन राशि में गोचर

अगस्त माह में महान पराक्रमी और धरती पुत्र मंगल भी अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। मंगल 26 अगस्त 2024 को वृभष राशि की अपनी यात्रा को पूरा करते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के गोचर से कुछ राशि वालों का अच्छा लाभ मिलेगा।

शुभ - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

अशुभ - वृष, कन्या और कुंभ

शुक्र का कन्या राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र सिंह राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए 25 अगस्त को कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र इस राशि में 25 दिनों तक रहेंगे।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - वृश्चिक, कुंभ और मीन

बृहस्पति का नक्षत्र परिवर्तन

20 अगस्त, 2024 के दिन बृहस्पति ग्रह, जो वृषभ राशि में पहले से गोचर कर रहे हैं प्रातः के समय 5 बजकर 21 मिनट पर मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। उक्त युति से जातक की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन

30 अगस्त, 2024 को ग्रहों के राजा सूर्य देव पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करने जा रहे हैं और दिनांक 13 सितंबर, 2024 को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करेंगे। यह दोनों ही गोचर जातक के लिए शुभ रहेंगे। जो जातक सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त हो सकती है।

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

आज सावन शिवरात्रि, सही विधि से करें शिवजी का रुद्राभिषेक

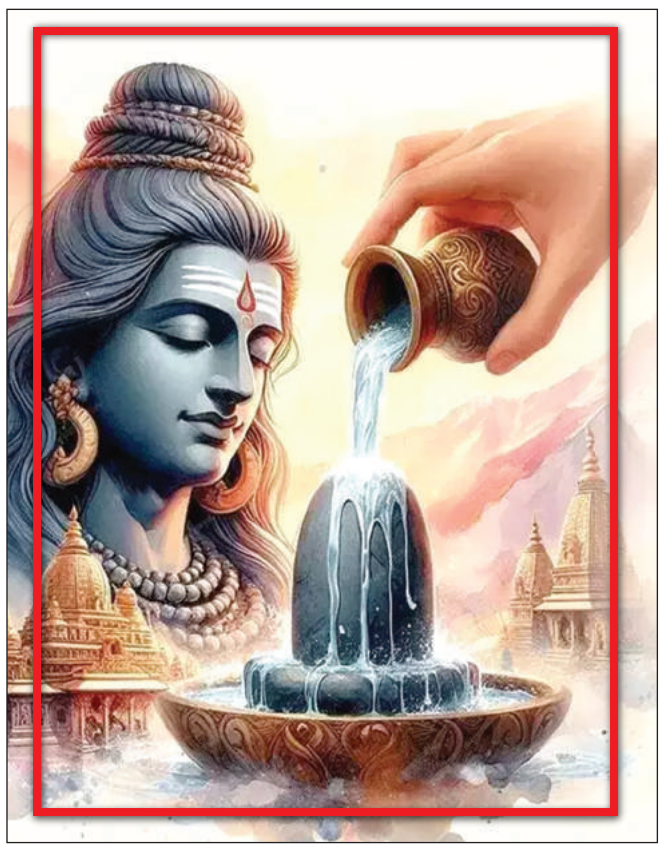

इस समय सावन का पवित्र महीना चल रहा है। सावन का महीना भगवान शिव को प्रिय माना जाता है। इसका हर दिन खास होता है। ऐसे में सावन शिवरात्रि पर्व 2 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाने वाला है। यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है।

सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की विशेष पूजा करने से कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। साथ ही मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। कहा जाता है कि सावन शिवरात्रि के दिन विधि-विधान से रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सावन शिवरात्रि 2024 शुभ मुहूर्त

इस बार सावन शिवरात्रि पर शुभ संयोग बनने जा रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। ऐसे में यदि पति-पत्नी मिलकर शिव जी की आराधना करते हैं, तो दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। इस दिन शुभ मुहूर्त में ही रुद्राभिषेक करना चाहिए।

पंचांग के अनुसार, 2 अगस्त को दोपहर 3.26 मिनट से सावन शिवरात्रि की तिथि शुरू होने जा रही है। यह 3 अगस्त को दोपहर 3.50 मिनट पर समाप्त होगी।

सावन शिवरात्रि पूजा समय

इस दिन प्रथम प्रहर की पूजा 2 अगस्त को शाम 7.11 से शुरू होगी 09.49 तक हो सकेगी। दूसरे प्रहर की पूजा रात 09.49 से 3 अगस्त को सुबह 12.27 तक हो सकेगी। तीसरे प्रहर की पूजा सुबह 12.27 से 03.06 तक हो सकेगी।

चौथे प्रहर की पूजा सुबह 03.06 से 05.44 तक हो सकेगी। सावन शिवरात्रि व्रत का पारण 03 अगस्त को 05.44 से दोपहर 03.49 तक किया जा सकता है। 3 अगस्त को निशिता काल पूजा का समय 12.06 से 12.49 तक रहेगी। भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने के लिए सिर्फ 42 मिनट का समय ही मिल सकेगा।

सावन शिवरात्रि रुद्राभिषेक विधि

सावन शिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक के लिए 2 अगस्त के दिन ही शाम के समय स्नान आदि से निवृत्त होकर गणेश जी का ध्यान करें।

इसके बाद भगवान शिव, देवी पार्वती, सभी देवता और नौ ग्रहों का ध्यान करके रुद्राभिषेक का संकल्प लें।

इसके बाद मिट्टी से शिवलिंग बनाएं और उत्तर दिशा में एक चौकी स्थापित करें। रुद्राभिषेक के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें।

सबसे पहले शिवलिंग को गंगाजल से स्नान कराएं। इसके बाद गन्ने का रस, गाय के कच्चे दूध, घी, शहद, मिश्री से शिवलिंग का अभिषेक करें।

हर सामग्री से अभिषेक करें और इसके बाद फिर से गंगाजल से शिवलिंग को स्नान कराएं।

शिवजी पर बेलपत्र, अक्षत, सफेद चंदन, काला तिल, धतूरा, भांग, आक, शमी पुष्प, कनेर, फल, कलावा, सफेद फूल, मिष्ठान्न आदि अर्पित करें।

सावन शिवरात्रि पर क्या करें और क्या नहीं

हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन की शिवरात्रि और भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

ऐसा करने से भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन अविवाहित लोग अच्छे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए और विवाहित लोग सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखते हैं। सावन शिवरात्रि के दिन कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए।

सावन शिवरात्रि के दिन करें ये कार्य

सावन शिवरात्रि के दिन स्नान ध्यान से निवृत होकर व्रत का संकल्प लें।

किसी मंदिर में जाकर सबसे पहले गणेश जी का स्मरण करें उन्हें प्रणाम करें।

इसके बाद गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। अभिषेक लोटे से ही करें। उसके बाद कच्चे दूध से अभिषेक करें। फिर से सामान्य जल से अभिषेक करें।

आप जल में बेलपत्र और सुगंध मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें। आप पीतल के लोटे में दूध, दही, शहद, गंगाजल और जल मिलाकर पंचामृत भी बना सकते हैं।

इस पंचामृत से अभिषेक करने के दौरान ओम नमः शिवाय मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

उसके बाद शिवलिंग पर भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, बेलपत्र, पुष्प, फल आदि अर्पित करें और इन मेट्रो का जाप करते रहें या फिर शिव चालीसा का पाठ करें।

महिलाएं देवी पार्वती को श्रृंगार का सामान जैसे हरी चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, मेहंदी और वस्त्र अर्पित करें। सिंदूर अर्पित करने के बाद इस सिंदूर को अपने माथे पर लगाएं।

विवाहित स्त्रियां सिंदूर को अपनी मांग में लगाएं और अविवाहित कन्याएं इस दौरान रामरक्षा स्तोत्र का पाठ करें। माता पार्वती को पुष्प और फल अर्पित करें। पूजा का समापन आरती के साथ करें।

सावन शिवरात्रि पर न करें ये कार्य

कहा जाता है कि सावन शिवरात्रि के दिन अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए। इस दिन व्रत रखना चाहिए। संध्या आरती के बाद ही फलाहार किया जा सकता है।

सावन शिवरात्रि के अगले दिन स्नान-ध्यान के बाद पूजा-पाठ करके ही व्रत का पारण करें व्रत खोलने के लिए आप अन्न ग्रहण कर सकते हैं।

सावन शिवरात्रि पर दिन के समय सोना नहीं चाहिए। इस दिन सोना वर्जित माना जाता है।

उपवास नहीं रख रहे हैं, तो इस दिन तामसिक चीज जैसे लहसुन, प्याज आदि का प्रयोग ना करें। इस दिन पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र होना चाहिए।

इस दिन घर का कोई भी सदस्य तामसिक भोजन या शराब आदि का सेवन न करें। सावन शिवरात्रि के दिन खट्टी चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा में तुलसी दल, श्रृंगार, सिंदूर जैसी कोई भी ऐसी वस्तु न चढ़ाएं। इस दिन शिवलिंग पर टूटे चावल या फिर काले तिल भी अर्पित ना करें।

शिवलिंग पर शंख से जल नहीं चढ़ाना चाहिए और ना ही शिवजी पर कमल, कनेर और केतकी के फूल अर्पित करने चाहिए।

हर 12 साल में लगता है महाकुंभ, समुद्र मंथन से जुड़ी है पौराणिक कथा

हम सभी जानते हैं कि हर 12 साल में महाकुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले का इतिहास बहुत ही रोचक है। हर 12 साल में कुंभ मेले का आयोजन देश में चार जगह पर किया जाता है, जिसमें हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन शामिल है।

नासिक और उज्जैन में हर साल कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। पिछली बार प्रयागराज में महाकुंभ साल 2013 में आयोजित किया गया था। इसके बाद अब 2025 में महाकुंभ आयोजित किया जाएगा।

ग्रहों की स्थिति के आधार पर मेले का आयोजन

कुंभ मेले का इतिहास 850 साल पुराना है। इसकी शुरुआत शंकराचार्य ने की थी। 12 सालों में लगने वाले महाकुंभ में दुनिया भर से लोग शामिल होते हैं। ज्योतिष के अनुसार, कुंभ मेले का आयोजन ग्रहों की स्थिति यानी कि बृहस्पति के कुंभ राशि में प्रवेश और सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के आधार पर होता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार कहा जाता है कि कुंभ का आयोजन समुद्र मंथन के दौरान आदिकाल से ही हो गया था। जब देवताओं और राक्षसों ने मिलकर अमरता का अमृत उत्पन्न करने के लिए समुद्र मंथन किया था, उस समय

सबसे पहले विष निकला था, जिसे भगवान शिव ने ग्रहण किया था। उसके बाद जब अमृत निकला, तो उसे देवताओं ने ग्रहण किया था।

12 स्थानों पर गिरी थी अमृत की बूंदें

काल भेद के कारण देवताओं के 12 दिन मनुष्य के 12 वर्षों के समान हैं, इसलिए महापर्व कुंभ हर स्थल पर 12 साल बाद लगता है।

समुद्र मंथन के दौरान देवता और राक्षसों के बीच अमृत के घड़े के लिए लड़ाई 12 दिनों तक चली थी, जो मनुष्य के लिए 12 साल के बराबर माना जाता है।

यही कारण है कि हर 12 साल बाद महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। कहा जाता है कि इस अवधि के दौरान नदियां अमृत में बदल गई थीं, इसलिए दुनिया भर के कई तीर्थयात्री पवित्रता के सार में स्नान करने के लिए कुंभ मेले में आते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार देवताओं और असुरों के बीच 12 सालों तक संग्राम चला था। इस संग्राम में 12 स्थान पर अमृत की बूंदें गिरी थीं।

इसमें आठ जगह देवलोक और चार जगह पृथ्वी थी। जिन स्थानों पर यह अमृत गिरा था, वह प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक थे। जहां पर महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने शमा सिकंदर ने खींचा फैंस का ध्यान

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में उन्होंने अपना लेटेस्ट हॉट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका एलिगेंट और ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही टीवी में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफों के पुल बांधते रहते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका शानदार लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शमा सिकंदर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस ने कॉमेंट की बौछार कर दी है। कई सारे यूजर्स लाइक्स और रिएक्शंस देकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा तुम कितनी सुंदर लग रही हो। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट।

निर्माणाधीन तेलुगु फीचर फिल्म साहा, संजू की जिंदगी पर आधारित एक भावनात्मक प्रेम कहानी है। इसके निर्माता और कलाकार 31 जुलाई, बुधवार को अजीज नगर में हैदराबाद पोलो और राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) में तथा तेलंगाना–आंध्र प्रदेश के स्थानों पर अधिकांश शूटिंग पूरी हो चुकी है। कुछ दृश्यों की शूटिंग एचपीआरसी में और निलोफर अस्पताल में की गई । तेजा वेलिपुचेरला द्वारा निर्मित, साहा, निशांत दोती द्वारा लिखित और निर्देशित, संजू की जीवनी पर आधारित है। यह फ़िल्म वर्ष के अंत में रिलीज़ होने वाली है। इसके मुख्य अभिनेता कुमार कासराम, मुख्य अभिनेत्रियाँ स्वेता सालुरु और व्रजना पंड्या, (ये सभी अपनी पहली फ़िल्म बना रही हैं), मोहम्मद शम्मुद्दीन एक सरकारी अधिकारी की भूमिका में नज़र आयेंगे।

कियारा आडवाणी के बर्थडे पर गेम चेंजर से तोहफा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के 33वें जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस को हर जगह से जन्मदिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर के मेकर्स ने उन्हें खास अंदाज से जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। साथ ही फिल्म में कियारा के किरदार के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट दिया है। एक्ट्रेस के बर्थडे पर मेकर्स ने एक स्पेशल नया पोस्टर साझा किया है और फिल्म से उनके किरदार का नाम का खुलासा किया है।गेम चेंजर के मेकर्स ने एक और नया पोस्टर जारी करके फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस उत्साह दोगुना कर दिया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी भी हैं। चूंकि आज, एक्ट्रेस का 33वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म से उनके किरदार के नाम का खुलासा करके उन्हें और उनके फैंस को तोहफा दिया है।मेकर्स ने फिल्म से कियारा का नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, टीम गेम चेंजर की ओर से हमारी जाबिलम्मा उर्फ कियारा आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी वाइब्रेंट एनर्जी जल्द ही आपके दिलों को मोह लेगी।गेम चेंजर एक आगामी राजनीतिक थ्रिलर प्रोजेक्ट है। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एस शंकर ने किया है। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा फिल्म में अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, सुनील और समुथिरकानी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में हैं।

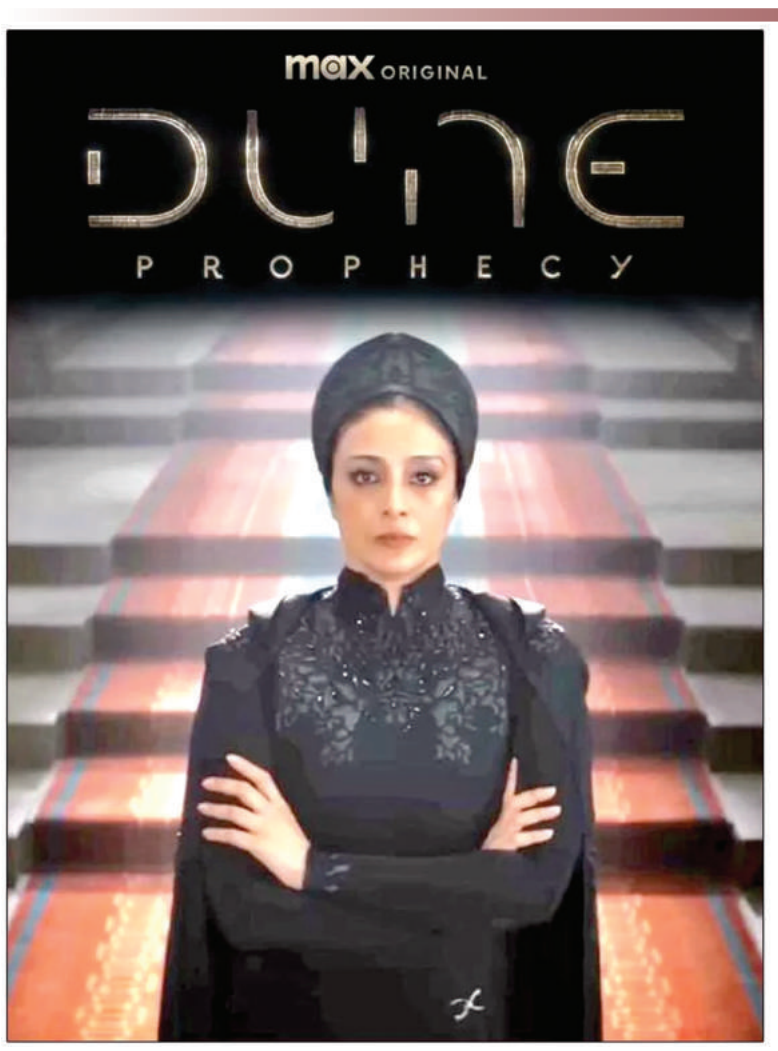

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यून: प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है। एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हार्कोनेन कहता है, बलिदान तो करना ही होगा। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।टीजर में तब्बू को सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में महज पल भर के लिए दिखाया गया है, लेकिन यह अभिनेत्री के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है। इस टीजर में उन्हें काले कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है। हालांकि, टीजर में वह कोई भी संवाद बोलती नजर नहीं आई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में तब्बू का किरदार बुद्धमान, मजबूत और आकर्षक होगा। यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के लिखे उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है । तब्बू और एमिली के अलावा, इसमें ओलिविया विलियम्स, जोहदी मे, ट्रैविस फिमेल, सारा–सोफी बोस्निना, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, एओइफ हिंड्स, शालोम ब्रून–फ्रैंकलिन और क्रिस मेसन भी हैं। शो के निर्माता इसे नवंबर में रिलीज करने की तैयारी में हैं।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी फिल्म बिन्नी एंड फैमिली का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है।बिन्नी एंड फैमिली का फर्स्ट लुक पोस्टर बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब की। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में।बिन्नी एंड फैमिली एक आम परिवार के जरिए पीढ़ियों के रिश्तों को दर्शाने वाली है। यह फिल्म कुछ खट्टी मीठी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। अंजिनी धवन के अलावा फिल्म में दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और अन्य कलाकार भी हैं।अंजिनी धवन, अभिनेता अनिल धवन की पोती और सिद्धार्थ धवन की बेटी हैं। वे बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ दोस्ती का प्यारा रिश्ता साझा करती हैं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अंजिनी वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर 1 के सेट पर सहायक निर्देशक थीं।

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं, छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर–घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग–अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा।सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं।एक्ट्रेस ने कहा: जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग–अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए।उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा।उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी।एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था।सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था।छठी मैया की बिटिया में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं।इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं।छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होता है।बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल सपना बाबुल का... बिदाई से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर–घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में मोना के किरदार में नजर आईं। उन्होंने इस शो में प्रियल गोर की जगह ली।

वह कलर्स पर प्रसारित होने वाले ससुराल सिमर का को लेकर भी सुर्खियों में रही। इसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन का रोल निभाया। इसके अलावा, वह भाग्यलक्ष्मी में पवित्रा और सौभाग्यलक्ष्मी में कुहू के किरदार में दिखीं।कवच, संतोषी मां और शक्ति: अस्तित्व के एहसास की जैसे कई टीवी शोज में वह नजर आईं। वह कई अन्य किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं – जैसे दिल बोले ओबेरॉय में मोहिनी का किरदार और जाना न दिल से दूर में कंगना का किरदार काफी मशहूर हुआ।

समाजवादी पार्टी का बलात्कारी नेता अयोध्या में गिरफ्तार

- सपा का भदरसा नगर अध्यक्ष है मो. मोइद खान
- बलात्कार में शामिल नेता का गुर्गा भी गिरफ्तार
- सपा नेता ने बलात्कार का वीडियो भी बनवाया
- अयोध्या के सांसद का करीबी है बलात्कारी नेता

लखनऊ, 01 अगस्त: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले ही विधानसभा में समाजवादी पार्टी के लोगों को महिला सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। अयोध्या में बुधवार को सपा नगर अध्यक्ष द्वारा नाबालिग के साथ गैंगरेप करने और उसका वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी की यह बात एक तरह से पुख्ता हो गयी। घटना के सामने आने के बाद अयोध्या पुलिस ने गुरुवार को 12 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप करने वाले आरोपी समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसकी बेकरी में काम करने वाले एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के परिजनों को मामले की जानकारी तब हुई जब मासूम गर्भवती हो गयी। इसके बाद मासूम के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। हैरान करने वाली बात यह है कि सपा नेता की इस घिनौनी करतूत से अयोध्या के सांसद बेखबर हैं। जब मीडिया ने उनसे इस विषय पर पूछा तो वो जवाब देने से कतराते रहे।

एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि सपा नेता मोइद खान ने पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया और फिर इसका वीडियो बनाया। अपनी घटिया करतूत का वीडियो दिखाकर और धमकी देकर आरोपी करीब ढाई महीने तक रेप को अंजाम देता रहा। इस करतूत को मोइद खान ने अपनी बेकरी में काम करने वाले राजू खान की मदद से अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि मामले का खुलासा दो माह बाद नाबालिग के गर्भवती होने पर हुआ। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला थाना पूराकलंदर के भदरसा कस्बे का है। परिजनों के मुताबिक नाबालिग के पेट में दर्द होने पर वह डॉक्टर्स के पास लेकर पहुंचे, जिसके बाद मासूम के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। साथ ही दोनों आरोपी सपा नगर अध्यक्ष मोइद खान और उसके साथी राजू खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

एसएसपी राजकरन नैयर ने बताया कि पीड़िता के पिता की 2 साल पहले मौत हो चुकी है। घर का गुजारा उसकी मां और बहनों के द्वारा मजदूरी से मिले पैसे से चलता है। आरोप है कि ढाई महीने पहले जब पीड़ित मजदूरी कर घर लौट रही थी तो मोइद खान की बेकरी में काम करने वाला राजू खान उसके पास आया और कहा मोइद खान तुम्हें बुला रहे हैं। जब पीड़ित वहां पहुंची तो मोइद खान ने उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि सपा नेता मोइद खान ने रेप किया और राजू ने मोबाइल से वीडियो बनाया। इसके बाद राजू ने भी अपनी हवस पूरी की। इसके बाद ये सिलसिला आम हो गया और लगातार पीड़ित किशोरी के साथ यह दोनों रेप करते रहे। पीड़ित नाबालिग के साथ मोइद खान की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं इस विषय पर अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुझे तो इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। वो मामले में कुछ भी बोलने से कतराते रहे।

समाज के कोढ़ हैं ऐसे सपाई : सीएम योगी

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट में डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बताया तो वहीं कानून व्यवस्था पर सपा को खूब लताड़ा। बोले कि अयोध्या में अतिपिछड़ी बच्ची से दुष्कर्म व हरदोई में अधिवक्ता की हत्या में सपा के नेताओं का नाम आ रहा है। अयोध्या का आरोपी सांसद का करीबी है तो हरदोई मामले का आरोपी सपा का पूर्व जिलाध्यक्ष है और 2012 से 2017 के मध्य सपा शासन में इस पर कई मामले दर्ज हुए। यह समाज के कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक यूपी की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी। ऐसे अपराधियों को गोली न मारें तो क्या माला पहनाएं। सीएम ने 2016 से 2024 के एनसीआरबी के आंकड़ों को बताते हुए कानून का राज स्थापित करने की प्राथमिकता को गिनाया।

सीएम योगी ने एनसीआरबी के आंकड़ों को गिनाते हुए 2016 से 2024 के तुलनात्मक अंतर को बताकर यूपी में अपराधों में आई कमी की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि डकैती में 86.47, लूट में 78. 17, हत्या में 43.21, बलवा में 67.42, ग्रह भेदन 4.31, फिरौती के लिए अपहरण में 70 फीसदी की कमी आई है। महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना दिखाया। बोले कि दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है। महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों में राष्ट्रीय औसत पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में 2017 से 2022 तक महिलाओं के प्रति अपराध बहुत कम हुए हैं। 2017 से 2022 में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। बलात्कार के मामले में इस दौरान छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान व झारखंड में यूपी से अधिक अपराध घटित हुए थे। यूपी का इसमें 24वां स्थान है। शील भंग में यूपी का 17वां स्थान है यानी 16 राज्यों में यूपी से अधिक अपराध हुए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि यूपी में निरोधात्मक कार्रवाई के तहत शस्त्र अधिनियम के तहत 2016 की तुलना में 2024 में 4.45 प्रतिशत, एनडीपीएस में 14.98 फीसदी, आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 57.95 प्रतिशत, गुंडा अधिनियम 70.69, गैंगस्टर के तहत 15.81 फीसदी अधिक कार्रवाई हमारी सरकार ने की है। प्रदेश सरकार द्वारा बढ़ाए गए कदम हर किसी के सामने है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मामले पर चर्चा करते हुए सपाइयों को खूब लताड़ा। सीएम योगी ने कहा कि सपा नेता मोइन खान अति पिछड़ी जाति की 12 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के कृत्य में शामिल पाया गया है। वह सपा का एक्टिव मेंबर और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है। सपा सांसद के साथ उठता-बैठता, खाता-चलता है। सपा ने अभी तक उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। ऐसी गतिविधियों के कारण सपा का नाम लेना ही पड़ता है। घटिया हरकत में लिप्त होने के बावजूद इसे हल्केपन में लिया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि कल हरदोई में दुखद घटना हुई। इसमें भी सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव का नाम आ रहा है। सीएम ने धिक्कारते हुए कहा कि ऐसा व्यक्ति सपा का जिलाध्यक्ष रह चुका है। इसके द्वारा सरेआम अधिवक्ता की हत्या कराई गई है।

राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने का पर्व है काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष: योगी

धूमधाम से मनाया जाएगा काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अमर कथानक ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। आगामी 09 अगस्त को शताब्दी वर्ष की शुरुआत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काकोरी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे, वहीं स्वाधीनता दिवस तक हर घर तिरंगा फहरा कर अमर शहीदों को नमन भी किया जाएगा।

बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन देश के स्वाधीनता समर की अमर कहानी है। यह राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने वाला पर्व है। अगले वर्ष 2025 में जबकि इस घटना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं तो यह अपने अमर नायकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक सुअवसर है। उन्होंने कहा कि पूरे एक वर्ष तक विविध कार्यक्रमों के माध्यम से काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृतियों को नमन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा इस वर्ष 09 अगस्त को काकोरी में मुख्य समारोह के आयोजन के बाद प्रदेश के प्रत्येक शहीद स्मारक पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

9 अगस्त को स्कूलों में प्रभात फेरी निकल जाए। स्कूलों ,कॉलेजों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विषय में डिबेट का आयोजन किया जाए। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए। जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संबंध में हो। विजेता बच्चों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पेंटिंग की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाए।यह पेंटिंग स्थानीय या क्षेत्रीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से संबंधित हो। 9 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर प्रत्येक शहीद स्मारक पर पुलिस बैंड के माध्यम से राष्ट्र गीत के धुन बजाया जाए। इससे पूर्व शहीद स्मारकों के आस-पास स्वच्छता का अभियान चलाया जाए। विभिन्न अस्पतालों में फलों का वितरण किया जाए। युवा रक्तदान करें। साथ ही, एक पेड़ मां के नाम भी नाम पर भी पौधरोपण किया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 अगस्त काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर हर घर तिरंगा लगाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए। 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच हर घर पर तिरंगा लगाए जाए। यह एक जनांदोलन के रूप में हो। एक पोर्टल तैयार किया जाए, जिस पर लोग अपने घरों पर तिरंगा लगने के बाद सेल्फी लेकर उसे अपलोड करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में गौरव गाथा स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्र चिंतन विचार ,शहीदों को नमन, पर्यावरण संरक्षण एक जीवन शैली, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास, समर्पण एवं राष्ट्र की सेवा इत्यादि विषयों पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मुस्लिम वोटों के लिए अपने ही सदस्य की मदद नहीं कर रही भीम आर्मी

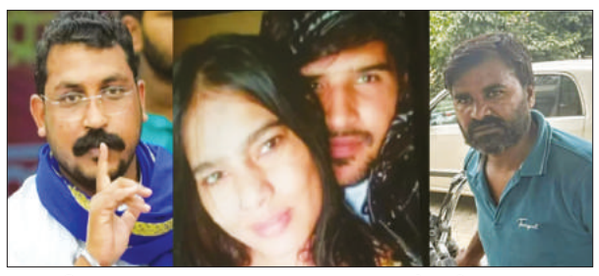

गाजियाबाद, 01 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद में मोहम्मद आलम ने कुछ दिन पहले अपनी लिव-इन पार्टनर पूजा का गला घोंटकर उसे मौत के उतार दिया था। अब इसी मामले में आगे पता चला है कि पूजा, भीम आर्मी के सदस्य सुमित कुमार की साली थी। सुमित ने दावा किया है कि वो दलित संगठन भीम आर्मी के वरिष्ठ सदस्य थे। उनकी साली के साथ जब इतनी बड़ी घटना घटी तो वो संगठन के पास मदद के लिए गए लेकिन वहां उन्हें जीरो समर्थन मिला।

8 साल से सुमित कुमार भीम आर्मी के वरिष्ठ सदस्य हैं। जिसके मुखिया सांसद चंद्र शेखर रावण है और इसका नाम भीम राव अंबेडकर के नाम पर रखा गया है।

पिछले हफ्ते जब पूजा की हत्या आलम ने की तब सुमित संगठन के पास मदद के लिए गए, लेकिन वहां उन्हें जीरो सपोर्ट मिला। वह बताते हैं कि घटना के बाद वह आजाद समाज पार्टी के कार्यालय गए, वहां उन्होंने अलग-अलग लोगों से बात की लेकिन किसी ने उनकी कोई मदद नहीं की।

मेरठ में कांवड़ियों पर आसमान से हुई पुष्प वर्षा

डीएम-एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से बरसाए शिव भक्तों पर फूल

लखनऊ/मेरठ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ में गुरुवार को कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए। मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा देखकर कांवड़िए गदगद हो गए। पुष्प वर्षा से खुश शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए नारे भी लगाए। उल्लेखनीय है कि मेरठ में एक दिन पहले भी बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। इसके बाद अब हेलीकॉप्टर से

पुष्प वर्षा की गई है। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की माने तो कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। साथ ही सुरक्षा के भी चाक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। पुष्प वर्षा से खुश कांवड़ियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि समूचे कांवड़ मार्ग में बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की गईं हैं।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा की ओर से की गई। हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन से उड़ा और फिर बाबा औघड़नाथ मंदिर पल्लवपुरम, बागपत फ्लाईओवर, सिवाया टोल, दौराला, सकौती सहित पूरे एनएच58 मार्ग पर कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के दौरान कावड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण भी किया गया है।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना यूपी, अपनी जरूरतें पूरी करने में सक्षम : योगी

लखनऊ, 01 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है और अपनी ज्यादातर आवश्यकताओं की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो चुका है। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट को लेकर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के संकल्प को पूरा करने और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख रुपए का अनुपूरक बजट लाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते फरवरी माह में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पारित मूल बजट की 44 फीसदी धनराशि जारी हो चुकी है और 20 फीसदी खर्च भी हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट का आकार साढ़े सात लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। यह 2015-16 के बजट के आकार से दोगुना है। उन्होंने कहा कि यूपी की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदेश के बजट का दायरा बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने इस बात की भी जानकारी दी कि 11 विभागों के माध्यम से 196 योजनाओं के लिए 70 हजार करोड़ रुपए का डीबीटी के जरिए हुआ हस्तांतरण है, जो गरीब जनता के खातों में सीधे ट्रांसफर हुआ है। डीबीटी कैसे एक गरीब को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने में सहायक होती है, यह उसका बड़ा उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में सदन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वयोवृद्ध नेता प्रतिपक्ष ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। हमने हमेशा अपने से बुजुर्गों को सम्मान दिया है। हमारे यहां मान्यता है कि वो सभा सभा नहीं होती, जहां बुजुर्ग का सम्मान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरासत में जैसा यूपी मिला था और आज जैसा यूपी आज है, वो सबके सामने है। हमने अटल जी की पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त की है, कि मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े।

सीएम ने कहा कि फरवरी में मूल बजट पारित करके अप्रैल में वित्तीय वर्ष शुरू होते ही हमने उसका उपयोग करना शुरू कर दिया। 2024-25 का मूल बजट 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपए का था। हालांकि वित्तीय वर्ष शुरू होते ही आम चुनाव का वक्त आ गया, इसके बावजूद विभिन्न विभागों के लिए बजट का औसतन 44 फीसदी धनराशि रिलीज हुई है और 20 फीसदी से अधिक खर्च भी हुआ है। हमने बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए सरकार की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर इस बात को दर्शाता है कि बजट का पैसा बड़े निर्माण में लग रहा है। ये अनुपूरक बजट यूपी में निवेश बढ़ाने वाला है। आज उत्तर प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुने से ज्यादा बढ़ी है। यूपी एक सही दिशा में बढ़ रहा है, जो नए मद बनाए गये हैं उसके लिए इस नये अनुपूरक बजट की आवश्यकता पड़ी, इसलिए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख का अनुपूरक बजट मानसून सत्र में लाना पड़ा है।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम अगस्त में सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगी आयरलैंड का दौरा

कोलंबो, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

एशिया कप में जीत के बाद श्रीलंकाई महिला टीम 11 से 20 अगस्त तक दो टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए आयरलैंड रवाना होगी, श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है। टीम 6 अगस्त को आयरलैंड के लिए रवाना होगी।

यह श्रीलंका का आयरलैंड का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, जबकि यह इस साल आयरलैंड का तीसरा और घर पर उनका पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, उन्होंने क्रमश: जिम्बाब्वे और यूएई में जिम्बाब्वे और थाईलैंड दोनों के साथ खेला है।

आयरलैंड की टीम ने इस साल अभी तक कोई द्विपक्षीय मैच नहीं हारी है, लेकिन यह एक बहुत कठिन परीक्षा होगी क्योंकि श्रीलंका ने 2024 में खेले गए 23 सफेद गेंद वाले मैचों में से 18 जीते हैं। श्रीलंका का आयरलैंड के खिलाफ बेदाग रिकॉर्ड भी है, उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच जीते हैं। हालांकि, 2017 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर के बाद यह पहली बार होगा जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, जहां श्रीलंका ने शानदार जीत दर्ज की थी। उन्हें 2021 वनडे विश्व कप क्वालीफायर के दौरान भी एक-दूसरे का सामना करना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण क्षेत्र पर लगाए गए महत्वपूर्ण यात्रा प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पूरे टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद वह खेल रद्द कर दिया गया था।

यह दौरा 11 अगस्त को डबलिन में दो मैचों की टी-20 श्रृंखला से शुरु होगा। दूसरा टी20 मैच 13 अगस्त को डबलिन में ही खेला जाएगा। दूसरे टी20 मैच के समापन के बाद, बेलफास्ट में वनडे मैच खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज, जो 2022-2025 आईसीसी महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा होगी, 16 अगस्त से शुरू होगी।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल : काव्या मारन ने की रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग

नई दिल्ली। काव्या कलानिथी मारन ने रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) फ्रैंचाइज़ की सीईओ ने मेगा नीलामी से पहले आईपीएल फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया है कि जो विदेशी खिलाड़ी मेगा नीलामी में नामांकन नहीं करते हैं या खरीदे जाने के बाद नहीं आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईपीएल टीम मालिकों और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच हुई बैठक में, एसआरएच प्रमोटर ने प्रत्येक फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या वैकल्पिक रूप से, उतने ही आरटीएम विकल्पों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे चार रिटेंशन और दो आरटीएमएस, या सभी छह रिटेंशन, या सभी छह आरटीएमएस और इसी तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। रिटेंशन या आरटीएम का उपयोग करने का विकल्प फ्रैंचाइज़ के पास खिलाड़ी के साथ चर्चा के आधार पर होना चाहिए। मारन ने उन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की जो अपनी प्रतिबद्धता से मुकर जाते हैं और नीलामी के लिए नामांकन के बाद नहीं आते हैं। एसआरएच वनिन्दु हसरंगा से बहुत नाराज़ थे, जिन्होंने चोट का हवाला देते हुए आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था।

मुक्केबाज निशांत देव क्वार्टर फाइनल में पैडलर श्रीजा अकुला का सफर समाप्त

पेरिस। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि पैडलर

श्रीजा अकुला चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा में बाहर होकर इतिहास रचने में नाकाम रहीं। भारतीय मुक्केबाज इक्वाडोर के जोस रोड्रिग्ज के खिलाफ एक नर्वस मुकाबले के बाद अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। वह विभाजित निर्णय के फैसले से मुकाबला जीतने में सफल रहे और पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत ने मुक्केबाजी में सफलता का स्वाद चखा, लेकिन टेबल टेनिस में देश के लिए दिल टूटने की खबर रही। श्रीजा, अपने जन्मदिन पर दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी यिंगशा सुन के खिलाफ हार गईं। अकुला के पास ओलंपिक में टेबल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय पैडलर बनने का अवसर था। हालांकि, चीन की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को हराने की चुनौती 26 वर्षीय के लिए एक त्रुटिहीन कार्य साबित हुई। अकुला के प्रेरित प्रदर्शन ने उन्हें शुरुआती दो गेम में चीन की पैडलर पर हावी होते देखा। उनके शुरुआती प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली पैडलर के रूप में बाहर निकलेंगी। हालांकि, अकुला यिंगशा की ताकत के आगे झुक गईं। पहले गेम में अकुला ने अपने लिए चार गेम प्वाइंट हासिल किए, लेकिन यिंगशा ने लगातार छह अंक जीतकर पहला गेम (10-12) अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति देखने को मिली। अकुला के पास पांच अंकों का बफर था। लेकिन यिंगशा ने साबित कर दिया कि वह नंबर एक रैंकिंग क्यों रखती है और लगातार सात अंक लेकर भारतीय पैडलर पर 2-0 की बढ़त (10-12) ले ली।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान

गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गायकवाड़ लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। वह पिछले महीने तक लंदन में थे और बड़ौदा में उनका निधन हो गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक बयान में रोजर बिन्नी ने कहा कि अंशुमान गायकवाड़ का क्रिकेट के प्रति समर्पण, लचीलापन और प्यार बेजोड़ था। रोजर बिन्नी ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनकी लगन, दृढ़ता और प्यार बेजोड़ था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं थे, बल्कि कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक और मित्र थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं, जो इस नुकसान से उबर रहे हैं। बीसीसीआई ने 1 करोड़ रुपये दिए और 1983 विश्व कप विजेता टीम ने भी गायकवाड़ के इलाज में मदद की। अक्टूबर 1997 में नियुक्त होने के बाद गायकवाड़ दो बार भारत के कोच रहे। उनका दूसरा कार्यकाल 2000 में शुरू हुआ। उनके कार्यकाल में ही भारत के प्रतिष्ठित स्पिनर अनिल कुंबले ने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सभी दस विकेट लिए थे। गायकवाड़ ने 1975 से 1987 तक 40 टेस्ट और 15 वनडे मैचों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पेरिस ओलंपिक में भारत ने जीता एक और पदक

स्वप्निल कुसाले ने रचा इतिहास, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय

पेरिस, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में भारत को कांस्य पदक दिलाया है। यह इस ओलंपिक में शूटिंग में भारत को तीसरा पदक है। स्वप्निल से पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। वहीं, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में भी कांस्या अपने नाम किया था। स्वप्निल महिला या पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

स्वप्निल का पदक अप्रत्याशित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की दौड़ में नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौंकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राइफल थ्री पोजिशन में निशानेबाज तीन पोजिशन में निशाना लगाता है। इनमें नीलिंग यानी घुटने के बल बैठकर, प्रोन यानी पेट के बल लेटकर और स्टैंडिंग यानी खड़े खड़े शॉट लगाया जाता है। स्वप्निल नीलिंग और प्रोन तक पीछे चल रहे थे। हालांकि, स्टैंडिंग पोजिशन में स्वप्निल ने गजब का कमबैक किया और पदक अपने नाम किया।

स्वप्निल ने नीलिंग पोजिशन में 153.3 का स्कोर बनाया था। इसके बाद प्रोन पोजिशन में उनका कुल स्कोर 310.1 हो गया था। नीलिंग और प्रोन पोजिशन के बाद स्टैंडिंग पोजिशन में दो शॉट के बाद एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई। नीलिंग राउंड में स्वप्निल छठे स्थान और प्रोन पोजिशन के बाद भी पांचवें स्थान पर रहे थे।

हालांकि, जैसे ही एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई, स्वप्निल पहले पांचवें और फिर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पूरे एलिमिनेशन राउंड में स्वप्निल तीसरे स्थान पर रहे। वह दूसरे स्थान पर रहे शूटर यूक्रेन के सेरही से .5 अंक पीछे रह गए और रजत से चूक गए। स्वप्निल ने हालांकि, पदक जीतने के साथ भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। स्वप्निल का फाइनल स्कोर 451.4 का रहा। चीन के यूकुन लियू ने 463.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया, जबकि यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता।

पदक जीतने पर खुश हूं

ओलंपिक में भारत को तीसरा पदक दिलाने के बाद भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह भारत के कांस्य जीत सके। कांस्य पदक पर निशाना साधने के बाद कुसाले ने कहा, यह तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिए कांस्य पदक जीत सका। मैंने वही किया जो मैं इतने सालों से करता आ रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा, मेरे दिमाग में कुछ 'कीवर्ड' थे। मैंने बस अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर स्वप्निल कुसाले की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले की सराहना की। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। मंडाविया ने कहा कि कुसाले की उपलब्धि से देश गौरवान्वित होगा। मंडाविया ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई! इस स्पर्धा में ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय--आपकी उपलब्धि हमें अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित करती है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी चल रहे बहु-खेल आयोजन में स्वप्निल कुसाले के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। कुसाले ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में, कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी जबकि तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे।

बीसीबी ने पाकिस्तान दौरे के लिए सरकार से सुरक्षा सलाहकार की मांग की

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि वे आगामी पाकिस्तान दौरे के दौरान उन्हें सुरक्षा सलाहकार मुहैया कराएं।

बांग्लादेश, जो 17 अगस्त को पाकिस्तान की यात्रा करेगा, मेजबान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज, रावलपिंडी (21-25 अगस्त) और कराची (30 अगस्त-3 सितंबर) में खेलेगा, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पाकिस्तान की यात्रा हमेशा चिंता का विषय रही है।

क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, देखिए, सुरक्षा प्रदान करना उनका (पाकिस्तान का) काम है और हम वहां इसलिए गए क्योंकि उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया था और जब उन्होंने हमें इस बारे में आश्वासन दिया, तो दौरा तय हो गया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में देखा होगा कि बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान गई थी और उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की थी और हम इस दौरे पर जाने के लिए सहमत हुए क्योंकि उन्होंने हमें इसका आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा, आपने हाल के दिनों में देखा होगा कि कुछ अंतरराष्ट्रीय टीमें भी [पाकिस्तान] आई हैं और वे वहां उपलब्ध कराई गई सुरक्षा से काफी खुश हैं।

हम भी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं, लेकिन सब कुछ जानने और सुरक्षा के बारे में उनसे आश्वासन मिलने के बाद हमने दौरा तय किया है। साथ ही हमने सरकार से अनुरोध किया है कि वह हमें दौरे के दौरान एक सुरक्षा सलाहकार उपलब्ध कराए, जो सुरक्षा मुद्दों के बारे में हर समय उनसे संवाद बनाए रखेगा। जलाल ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को पाकिस्तान के आगामी दौरे पर कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश ए टीम दो चार दिवसीय मैचों और तीन 50 ओवर के मैचों के लिए इस्लामाबाद की यात्रा करेगी।

मुशफिकुर रहीम और मोमिनुल हक के साथ कई अन्य टेस्ट क्रिकेटरों को शुरुआती चार दिवसीय मैच के लिए शामिल किया गया था क्योंकि पर्यटक इसे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी का हिस्सा मानते हैं क्योंकि उन्हें 17 अगस्त को वहां पहुंचने के बाद टेस्ट से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलना है।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए पथिराना और मदुशंका

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

श्रीलंका के दो और तेज गेंदबाज मथिषा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं। पथिराना को कंधे में और मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है।

श्रीलंका की टीम में दुष्मंथा चमीरा भी नहीं हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं, और नुवान तुषारा भी नहीं हैं, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, फिलहाल श्रीलंका ने दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शिराज को टीम में शामिल किया है। दोपहर बाद श्रीलंका क्रिकेट की ओर से जारी बयान में पुष्टि की गई कि टीम में दूसरे अनकैप्ड दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इशान मलिंगा को शामिल किया गया है। इसके अलावा तीन खिलाड़ियों बल्लेबाज कुसल परेरा, तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन और स्पिनर जेफरी वेंडरसे को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

टीम मैनेजर महिंदा हालंगोडा ने कहा, मथीशा के कंधे में चोट लग गई है और चूंकि यह वही समस्या है जो पिछले साल विश्व कप के दौरान उन्हें हुई थी, इसलिए उन्होंने जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया है। पल्लेकेले में तीसरे टी20 मैच में फील्डिंग करते समय पथिराना को चोट लग गई थी और उस मैच में एक भी गेंद फेंकने से पहले ही वह मैदान छोड़कर चले गए थे। हालंगोडा ने कहा कि इस बीच मदुशंका को ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। उन्होंने टी20 सीरीज में केवल एक मैच खेला था। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ सभी फॉर्मेट में अपने पिछले 10 मैच गंवाए हैं।

खत्म हुआ इंतजार कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम-2' 26 दिसंबर को रिलीज होगी

नई दिल्ली। लोकप्रिय कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' का दूसरा सीजन जल्द ही आने वाला है। 'स्क्विड गेम' सीरीज़ का पहला सीज़न तीन साल पहले नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था। इस सीरीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साथ ही इस थ्रिलर वेब सीरीज ने पूरी दुनिया में धूम मचा दी थी। पहले सीजन में 9 एपिसोड शामिल थे। अब पहले सीजन के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद दूसरा सीजन दर्शकों के सामने आ रहा है।

स्क्विड गेम के दूसरे सीजन की रिलीज डेट का गुरुवार को ऐलान हो गया है। स्क्विड गेम के फैंस को आज सुबह एक खास सरप्राइज दिया गया है। नेटफ्लिक्स ने टीजर जारी करके घोषणा की है कि इस साल वेब सीरीज स्क्विड गेम-2 26 दिसंबर को रिलीज होगी। अंतिम सीजन 2025 में रिलीज़ किया जाएगा।

कजाखस्तान में 8 सितंबर से शुरू होंगे विश्व घुमंतू खेल

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

कजाखस्तान 8 और 13 सितंबर को पांचवें विश्व घुमंतू खेलों की मेजबानी करेगा, जो मध्य एशिया के खानाबदोश लोगों की परंपराओं में निहित जातीय खेलों को प्रदर्शित करने वाला एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन है।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास के एक बयान के अनुसार, यह आयोजन जातीय-खेलों और जातीय-सांस्कृतिक आंदोलन को बढ़ावा देगा, उन्हें मानव सभ्यता के एक प्रमुख हिस्से के रूप में मनाएगा। लगभग 100 देशों के लगभग 2,500 प्रतिभागियों के खेलों में भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन में 100,000 से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

कजाखस्तान के पर्यटन और खेल मंत्रालय, यूनेस्को, तुर्किक राज्यों के संगठन और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित खेल, कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में 'द गैदरिंग ऑफ द ग्रेट स्टेप' के आदर्श वाक्य के तहत होंगे। प्रमुख खेल स्थलों पर 21 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें घुड़दौड़, राष्ट्रीय कुश्ती शैलियाँ, पारंपरिक बौद्धिक खेल, मार्शल आर्ट प्रतियोगिताएँ, पारंपरिक तीरंदाजी और लोक खेल शामिल हैं, जिनमें कुल 97 पदक प्रदान किए जाएँगे।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के हवाले से कहा गया, कजाखस्तान में होने वाले विश्व घुमंतू खेल एक प्रमुख आयोजन होंगे। ये राष्ट्रीय खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को लोकप्रिय बनाने तथा महान स्टेपी की खानाबदोश सभ्यता के उत्तराधिकारियों - भ्रातृ-जनों के बीच सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण हैं। विश्व घुमंतू खेलों की स्थापना दुनिया भर के खानाबदोश लोगों के पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए की गई थी। उद्घाटन खेल 2014 में किर्गिज़ गणराज्य के चोलपोन-अता में आयोजित किए गए थे और तब से ये एक प्रमुख द्विवार्षिक आयोजन बन गए हैं। 2016 और 2018 में किर्गिज़ गणराज्य द्वारा और 2022 में तुर्किये द्वारा भी खेलों की मेजबानी की गई थी।

प्रत्येक संस्करण में भागीदारी और मान्यता में वृद्धि देखी गई है, जो खानाबदोश संस्कृतियों की वैश्विक अपील को उजागर करती है। कजाखस्तान, खानाबदोश परंपराओं के साथ देश के ऐतिहासिक संबंधों के साथ-साथ एक्सपो 2017 जैसे अन्य प्रमुख आयोजनों की मेजबानी के अनुभव को देखते हुए इन खेलों की मेजबानी के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

पांचवें विश्व खानाबदोश खेलों की मेजबानी करके, कजाखस्तान का उद्देश्य खानाबदोश लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और उसे संरक्षित करना, अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करना है।

पेरिस ओलंपिक में निराश कर रहे भारतीय खिलाड़ी

बेल्जियम ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 1-2 से हराया

पेरिस, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में पहली हार का सामना करना पड़ा। गुरुवार को गत चैंपियन बेल्जियम ने पूल बी मैच में भारत को 2-1 से शिकस्त दी।

भारतीय टीम ने मैच के 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब आर्थर डी स्लोवर की गलती का फायदा उठाते हुए अभिषेक ने गोल किया। हालाँकि, 33वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस गोल के ग्यारह मिनट बाद, जॉन-जॉन डोहमेन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बेल्जियम की बढ़त 2-1 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारत चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम चार जीत के साथ शीर्ष पर है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने अपने अभियान के पहले मैच में

न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, इससे पहले अर्जेंटीना ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोका था। अपने पिछले मैच में, मेन इन ब्लू ने आयरलैंड को 2-0 से हराया था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और शुक्रवार को भारतीय समयानुसार शाम 4.45 बजे पूल बी के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भी निराशा

भारतीय धावक विकास सिंह ने गुरुवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में 1.22.36 का

समय निकालकर 30वां स्थान हासिल किया। अपने सराहनीय प्रयास के बावजूद, इस स्पर्धा में तीन भारतीय एथलीटों में सबसे तेज विकास पदक हासिल नहीं कर सके। 28 वर्षीय विकास ने इससे पहले पिछले साल एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। विकास के साथ दौड़ में परमजीत सिंह बिष्ट भी शामिल थे, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया। परमजीत ने 1.23.48 में दौड़ पूरी की और 37वें स्थान पर रहे। उन्होंने अपने एथलेटिक करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह को झटका लगा, क्योंकि वह केवल 6 किलोमीटर की दूरी पूरी करने के बाद दौड़ से बाहर हो गए, जिससे वह स्पर्धा पूरी नहीं कर पाए।

भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन भी हारीं

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निखत ज़रीन गुरुवार को नॉर्थ पेरिस एरिना में पेरिस 2024 ओलंपिक की महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी के राउंड

ऑफ 16 में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वू यू से 0-5 से हार गईं। वू ने पहला राउंड 4-1 से जीता, जिसमें पाँच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फ़ैसला सुनाया। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज की और तीसरे राउंड में भी शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले से पहले, दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने 2022 के बाद से सिर्फ़ दो मुकाबले हारे थे। वह राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भी हैं। इससे पहले, दो बार की विश्व चैंपियन ने रविवार को जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएत्ज़र पर शानदार जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पहले राउंड के बाद तीन कार्ड से पिछड़ने के बाद, निखत ने नॉर्थ पेरिस एरिना में 32 राउंड के मुकाबले में जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीत हासिल की थी। गैर वरीयता प्राप्त ज़रीन को पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उन्हें कड़ा ड्रॉ मिला था।

संपादकीय

चिंताजनक है पश्चिम बंगाल की स्थितियां

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ढुलमुल रवैए, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी और कट्टरवादी ताकतों की निर्भय सक्रियता के कारण अराजक स्थितियां बन गई हैं। सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवतः कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है। लेकिन ऐसी मजबूरी किसी काम की जो लोकतंत्र और संविधान की रक्षा ही नहीं कर सके। अपने कार्यकर्ताओं के दुःख-दर्द में सहभागी न हो सके। प्रदेश में स्थितियां इतनी भयावह हैं कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में बनी अराजक स्थिति से राष्ट्रपति को अवगत कराया और राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू से हस्तक्षेप करने की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने उन सब बातों को दोहराया है, जिन्हें अब तक भाजपा उठाती आई है। जैसे, चुनावी एवं राजनीतिक हिंसा। पंचायत एवं विधानसभा चुनावों की भाँति हाल ही में सम्पन्न हुए आम चुनावों के दौरान एवं बाद में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले करना, उनकी आजीविका समाप्त करना और ध्रुवीकरण करना। दो पन्नों के पत्र में चौधरी ने स्पष्ट लिखा कि "मेरे लिए व्यक्तिगत स्तर पर, राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। इसका कारण सत्तारूढ़ पार्टी का विपक्ष के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समर्थकों के प्रति क्रूर रवैया है"। चौधरी ने 'क्रूर रवैया' शब्द का उपयोग उचित ही किया है। जिस प्रकार से वहाँ लोगों के घर-दुकान जलाए जा रहे हैं, उनको घेरकर निर्दयीयता के साथ मारा-पीटा जा रहा है, महिलाओं के साथ अभद्रता की जा रही है, यह सब क्रूरता की पराकाष्ठा है। इस क्रूरता के कारण लोगों को अपने घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसकी उम्मीद तो कम ही है कि अधीर रंजन चौधरी की पीड़ा को कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सुनेगा। परंतु, पश्चिम बंगाल की स्थितियां सुधारने एवं कानून की व्यवस्था लागू कराने के लिए केंद्र सरकार को अवश्य ही कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए।

> सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवतः कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है।

मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती हैं पाठ्य पुस्तकें

प्रियंका सौरभ

> एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देश भर में शिक्षा को मानकीकृत करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)। मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं , छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य-पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियाँ और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए "ईमानदार लकड़हारा" जैसी कहानियाँ छात्रों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा

देती हैं ।उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या-समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस-पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ-साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है. एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अक्सर कम दर्शाया जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के छात्रों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अक्सर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है।

दृष्टि कोण

भारत की ताकत रही है धार्मिक विविधता

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवड़ियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवड़ियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है। तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े। इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं। कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है। सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है। उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती। अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है। था कोई ज़माना जब राजनेता अक्सर यह कहकर बच निकलते थे कि उन्हें ग़लत उद्धृत किया गया, अथवा ग़लत समझ गया, पर चौबीस घंटे समाचार चैनलों के युग में यह बहानेबाजी नहीं चल सकती। सारी दुनिया ने शुभेंदु अधिकारी के उस भाषण को सुना है। दुनिया ने तो भाजपा के एक अन्य बड़े नेता को पिछले चुनावों के समय प्रचार के दौरान यह कहते भी सुना था कि हमें अल्पसंख्यकों के वोट की आवश्यकता नहीं है। यही क्यों, स्वयं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह कह चुका है कि कांग्रेस वाले देश के संसाधन मुख्यतः 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को देना चाहते हैं। यह सारी बातें सांप्रदायिकता की उस घटिया और खतरनाक राजनीति की ओर इशारा करती हैं जो देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर बनाने में लगी है। हमारा पंथ-निरपेक्ष संविधान सर्व धर्म समभाव में विश्वास करता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-विचार कर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने से इनकार किया था। आसेतु-हिमालय हमारा भारत सभी धर्मों को मानने वाले भारतवासियों का देश है। हमारे प्रधानमंत्री यह कहते नहीं थकते की 140 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है। जब इस परिवार के एक हिस्से को पंक्ति से बाहर बिठाने की कोशिशें हो रही हैं तो स्वयं को परिवार का मुखिया मानने वाले व्यक्ति के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वह इन विघटनकारी गतिविधियों का न केवल विरोध करे बल्कि उन्हें असफल बनाने का उदाहरण प्रस्तुत करे। दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया। बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए। यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है। न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया। लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं। हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिन्हित किए जाने का कोई स्थान नहीं है। यही हमारा वह संविधान भी कहता है जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते। शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है। यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है। संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है। कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता की दुहाई देने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए की यात्रा के मार्ग में कांवड़ियों का स्वागत-सत्कार करने वाले सिर्फ हिंदू ही नहीं हैं।

कुछ अलग

प्रकृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात ब्रा यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांविड़या। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांविड़ए दूर-दराज से आते हैं और अपने आस-पास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पात पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है, और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धरमिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धरमिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशुपक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़ेमकोड़ों और समूचे पर्यांवरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांविड़ए जलरत्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलरत्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्रावृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी वृपा हमारे ऊपर भी सतत धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके। भोलेनाथ के भत्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम वुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को सर्मपित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पामि व पूवा यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व वुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरुआत वैसे हुईं। वुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरुआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्वृतिक, भौगोलिक और धरमिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है। उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांविड़ए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी।

देश दुनिया से

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा

> सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार-तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है।

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देश की वर्तमान हालातों ने भविष्य की संभावनाओं और समस्याओं को रेखांकित करना शुरू कर दिया है। केन्द्र की कमजोर सरकार और दमदार विपक्ष के कारण कठोर निर्णयों के लिए बेहद समस्याग्रस्त वातावरण निंमित हो चुका है। सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार-तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है। ऐसे में केन्द्र में कमजोर सरकार और विपक्ष के राष्ट्रघाती वृत्यों को अवसर समझकर चीन से साथ मिलकर पाकिस्तान ने देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर आंतरिक युद्ध कराने की लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। नईं सरकार के गठन के बाद पाक सीमा से घुसपैठ तेज हो गईं। माछिल सेक्टर स्थित कामकारी में फार्वर्ड पोस्ट सहित विभिन्न सीमावता इलाकों से पाक सेना व्दारा निरंतर गोलाबारी की जाने लगी। इस बार्डर एक्शन टीम में शामिल पाकिस्तानी सेना के विशेष कमांडो सहित वहां के पूर्व सैनिकों ने आतंकवादियों के वेश में कश्मीर की धरती में घुसपैठ करना शुरू कर दी है। उन्हें देश के लोकसभा और राज्यसभा के सदनों में हुये निन्दनीय दृश्यों को देखकर हमारी धरती पर मीरजाफर जैसों की सलाह पर ली और सेना के राष्ट्रभत्त सैनानियों के खून से घाटी को रंगना शुरू दिया। उन्हें विश्वास है कि बंगला देश के आतंकियों को पनाह देने वाली ममता, राष्ट्र के शौर्य का प्रमाण मांगने वाले राहुल, खालिस्तान के मुद्दे पर नरम रुख अपनाने वाले केजरीवाल जैसे लोगों के साथ-साथ भारत की कानून व्यवस्था को मनमाफिक मोड़ने में माहिर कलुषित काले कोटधारी उनके मंसूबों को पूरा करने में हमेशा की तरह साथ खड़े रहेंगे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविदृालय मे देश के टुकड़े-टुकड़े करने की झंडा बुलन्द करने वालों को भी राजनीति के अखाड़े के पहलवानों ने ही बचाया था। देश में जितनी भी राष्ट्र विरोधी स्थितियां पैदा हुईं, सभी में राजनैतिक दिग्गजों के नाम प्रमुखता से सामने आये। घटनाओं के समय रेखांकित किये गये मुद्दे समय के साथ ठंडे बस्ते में चले गये। राष्ट्र को राष्ट्रवाद से हटाकर जातिवाद के वगाकरण में विभत्त कर दिया। कभी कानून की धाराओं, अधिनियमों के खण्डों और अनुशासन के सिद्धान्तों को साम्प्रदायिक रंग देकर न्याय की बंद आंखों में धूल झौंकने का काम किया जा रहा तो कभी आन्तरिक युद्ध जैसी स्थितियां पैदा करने करने हेतु जेहाद की नईं परिभाषायें गढ़ीं गईं। छतों पर पत्थरों का ढेर, बमों की निर्माण, अवैध हथियारों का संग्रह, षड्यंत्रकारियों को सहयोग, सरकारी जमीनों पर अतिामण जैसे कार्य करने वाले सपेदपोश के चेहरों पर चढ़े नकाब तक हाथ पहुंचते ही राजनैतिक खेमों से लेकर कथित समाजसेवियों, कथित बुद्धिजीवियों, कथित राष्ट्रभत्तों की जमातें अपने खास सिपाहसालारों के साथ सड़कों पर हंगामा करने के लिए भीड़ की शक्ल में जमा होकर सम्पत्तियों को नष्ट करने लगते हैं। लाइन आफ एक्चुअल कन्ट्रोल पर आव्रामक होता पाकिस्तान अपने दोस्त चीन के सहयोग से अब अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों के साथ अपने एसएसजी कमांडोज़, सेना के जवानों, पूर्व सैनिक, खास कट्टरपंथियों को छापामार युद्ध में प्रशिक्षित करके घाटी में उतार रहा है। देश के गद्दारों से साथ उसका बेहतर तालमेल है। ऐसे कथित अनेक गद्दारों के नाम वर्तमान में देश की विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं जिम्मेवार स्थानों पर अंकित होना प्रचारित है। राष्ट्र की सुरक्षा, विकास और सम्पन्नता हेतु लिये जाने वाले निर्णयों के लिए भी अब अनेक जटिलतायें पैदा हो गईं हैं। चर्चा है कि इन जटिलताओं के जन्मदाता विगत कार्यकाल में कमजोर होते के बाबजूद भी दुनिया भर में भारत की बुराईं के ब्राण्डएम्बेस्टर बनकर चर्चित रह चुके हैं। अनेक बार बेनकाब हो चुके चेहरों ने कभी माथे पर चंदन लगाया तो कभी सिर पर टोपी लगाईं। कभी पगड़ी बांधी तो कभी नंगे पैर चलने का अभिनय किया। नाम और कर्म से दोरंगी प्रवृति को अंगीकार करने वालों की जमात जब तक देश में सव्रिय रहेगी तब तक भितरघातियों से साथ मिलकर बा आव्रान्ता निरंतर आव्रमण करते रहेंगे और राष्ट्र भत्तों से लहू से लाल होता रहेगा मां भारती का आंचल।

आप का नजरिया

घातक लापरवाही

घातक लापरवाही दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के बाद जब रविवार को सैकड़ों छात्रों ने सड़क पर उतरकर दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू किए, तब जाकर लोगों को इस बात का एहसास हुआ कि दिल्ली की सीवर और नालों की सफाईं के मामले में जो लापरवाही बरती जा रही है, उसकी कीमत निर्दोष नागरिक अपनी जान देकर चुका रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार की शाम 6 बजे के आसपास जब भारी बारिश हो रही थी उस वक्त दिल्ली की प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी करने के लिए राव आईंएएस स्टडी सर्विल नामक कोचिंग सेंटर में वुछ छात्र बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में पढ़ रहे थे। लाइब्रेरी 7 बजे तक खुली रहती है। जिस वक्त मूसलाधार बारिश हो रही थी तब बेसमेंट में वुल 35 छात्र मौजूद थे। बाद में सीवर का पानी लाइब्रेरी के लोहे के गेट को तोड़कर बेसमेंट में घुस गया। छात्र जब तक संभलते या बाहर निकलने की कोशिश करते इसके पहले ही 12 फीट तक पानी भर गया। इसके बावजूद 23 छात्र किसी तरह जान बचा कर बाहर निकल सके। इस बीच जो 12 छात्र पंसे थे उनमें से तीन छात्रों की करंट लगने से मौत हो गईं। रविवार को पुलिस ने छात्रों के आव्रोश को देखते हुए कोचिंग सेंटर के मालिक और कोआर्डिनेटर के खिलाफ लापरवाही के लिए एफआईंआर दर्ज कर लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? इस कोचिंग सेंटर से बाहर दो दिन पहले भी सीवर का पानी भरने से नीलेश पटेल नामक छात्र की मौत हो चुकी है। इन छात्रों की मौत का यदि कोईं भी जिम्मेदार है तो वह है नगर निगम और दिल्ली सरकार का दिल्ली जल बोर्ड। दिल्ली में आज की तारीख में नाम का मुख्यमंत्री है। वर्व प्राम होम तो संभव है कितु वर्व प्राम जेल बिल्वुल भी संभव नहीं है। इसलिए दिल्ली सरकार की भूमिका को तो छोड़ ही देनी चाहिए। रही बात नगर निगम की तो यह संस्था पूरी तरह निकम्मी हो चुकी है। अप्रैल से लेकर मईं तक नालों और सीवरों की सफाईं हो जानी चाहिए थी। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। जरा सी बरसात होते ही सड़वें नाला बन जाती हैं क्योंकि बरसात का पानी सीवर के जाम होने से नाले में जा ही नहीं पाता। सीवर की सफाईं का काम दिल्ली जल बोर्ड का है और यह संस्था दिल्ली सरकार के तहत आती है। जिस तरह सीवर जाम पड़े हैं, उसी तरह नाले भी जाम पड़े हैं। क्षेत्रीय इंजीनियर और कर्मचारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाईं होनी चाहिए। पुलिस, डीडीए और दानिक्स वैडर के अधिकारियों से संबंधित जब भी कोईं लापरवाही सामने आती है तो उपराज्यपाल विनय सक्सेना की आलोचना होती है, कितु यहां तो मुख्यमंत्री तिहाड़ जेल में हैं, भला उनको जिम्मेदार वैसे ठहराया जा सकता है। विडम्बना देखिए कि आम आदमी पार्टी बनी ही थी दिल्ली में बिजली, पानी, सीवर सफाईं जैसी मूल भूत सुविधाओं को लेकर कितु आज इसी पार्टी की सरकार में छात्र व्यवस्था की निर्मम लापरवाही के शिकार हो तड़पकर मर रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पिछले महीने धीमी रही भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर

नई दिल्ली,01 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार की वजह से जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। वहीं लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.67 डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.67 प्रति डॉलर पर खुला। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर में मामूली गिरावट आई लेकिन ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित हो गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.67 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। शुरुआती सौदों में उसने 83.67 से 83.69 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार किया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.96 पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इज़राइल पर...

मोहम्मद दइफ (58 वर्षीय) हमास की इज-अल-दीन अल कसाम ब्रिगेड का कमांडर था और करीब दो दशकों तक इस पद पर रहा। दइफ को इज़राइल का सबसे बड़ा दुश्मन और हमास की सैन्य ताकत के पीछे सबसे अहम माना जाता था। इज़राइल में 7 अक्तूबर को हुए हमले के पीछे मोहम्मद दइफ को ही मास्टरमाइंड माना जाता है। उस हमले में 1200 लोगों की मौत हुई थी और ढाई से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया गया था।

मई 2021 में इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अल अक्सा पर इस्राइलियों द्वारा हमला करने के बाद अरब और मुस्लिम समाज के लोगों में गुस्सा था। रमजान के दौरान अल अक्सा मस्जिद में इज़राइल के घुसने, नमाजियों को पीटने, उन पर हमला करने, बुजुर्गों और युवाओं को मस्जिद से बाहर खींचने के फुटेज सामने के बाद ही हमास ने इज़राइल पर हमले की योजना बनानी शुरू कर दी थी। हमले के बाद दइफ ने एक रिकॉर्डिंग में कहा था कि, आज हमारे लोगों का अल अक्सा पर हुए हमले का गुस्सा निकला है। हमारे मुजाहिदीन, आज आपका दिन है इस अपराधी (इज़राइल) को यह समझाने का कि उसका समय समाप्त हो गया है। दइफ बेहद गोपनीय तरीके से रहता था और अपने मिशन को अंजाम देता था। दइफ के ठिकानों के बारे में भी किसी को पता नहीं था।

आरक्षण के ...

करने से रोकता हो। हालांकि, शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा है कि उप वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों द्वारा उचित ठहराया जाना चाहिए, वह अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकता।न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने असहमति जताते हुए अपने फैसले में कहा कि कार्यपालिका या विधायी शक्ति के अभाव में राज्यों के पास जातियों को उप-वर्गीकृत करने और अनुसूचित जातियों के सभी लोगों के लिए आरक्षित लाभों को उप-वर्गीकृत करने की कोई क्षमता नहीं है। राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण अनुच्छेद 341(2) के तहत राष्ट्रपति की अधिसूचना के साथ छेड़छाड़ के समान होगा।

अदालत के न्यायमूर्ति बीआर गवई ने अलग दिए फैसले में कहा कि राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए। वहीं, शीर्ष अदालत ने कहा कि कोटा के लिए एससी, एसटी में उप-वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए। बहुमत के फैसले में कहा गया कि राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण को मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए। पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा शामिल थे। पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें से मुख्य याचिका पंजाब सरकार ने दायर की है, जिसमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई है।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने और न्यायमूर्ति मिश्रा की ओर से फैसला लिखा। चार न्यायाधीशों ने अपने-अपने फैसले लिखे जबकि न्यायमूर्ति गवई ने अलग फैसला दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मित्तल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले पर तीन दिनों तक सुनवाई करने के बाद इस साल आठ फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले को 2020 में पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह मामले में पांच जजों वाली पीठ ने सात जजों वाली पीठ को सौंप दिया था। पांच जजों वाली पीठ ने पाया कि ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य, (2005) 1 एससीसी 394 में समन्वय पीठ के फैसले पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, जिसमें कहा गया कि उप-वर्गीकरण अनुमेय नहीं है।

बता दें कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं की ओर से प्रतिनिधित्व किए गए राज्यों ने ईवी चिन्नैया मामले में फैसले की समीक्षा की मांग की है। साल 2004 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की उप-वर्गीकरण करने का अधिकार नहीं है।उप वर्गीकरण (सब कैटेगरी) से दलित वर्ग में मुसहर, धोबी, वाल्मीकि जैसी सभी बिरादरियों को इस फैसले से फायदा मिल सकता है। यह राज्य के हाथ में है कि वह देखे कि किस जाति का प्रतिनिधित्व कितना है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सब-कैटेगरी में आरक्षण दिया जा सकता है। यह फैसला चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के साथ 6 जजो की बेंच 2004 के एक जजमेंट को पलटते हुए दिया है। जस्टिस बेला त्रिवेदी की राय इसके खिलाफ थी। अब सवाल यह है कि इसे किन जातियों को फायदा होगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जातिवर्ग में समरूपता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अधिक पिछड़े समुदायों को बढ़ावा देना राज्य की ज़िम्मेदारी है। देश के कई राज्यों में ऐसी जातियों को इसका फायदा मिल सकता है।

होने वाला है...

खास बात यह है कि अमेरिका इस एक्सरसाइज में एफ-16 और ए-10 वॉर्थोग जैसे फाइटर जेट हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका भारत में पहली बार ए-10 वॉर्थोग का किसी एक्सरसाइज का हिस्सा बना रहा है।वायुसेना से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना 6 अगस्त से 14 सितंबर तक अपना पहला अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति आयोजित करने जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण फेयरचाइल्ड रिपब्लिक ए-10 थंडरबोल्ट-2 होगा, जिसे वॉर्थोग के नाम से जाना जाता है। इस अभ्यास में अमेरिका अपना एफ-16 फाइटर एयरक्राफ्ट भी भेजेगा। एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया कि तरंग शक्ति सबसे बड़ी इंटरनेशनल एयर एक्सरसाइज होगी। भारत ने इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए रूस और इज़राइल सहित कुल 51 देशों को निमंत्रण भेजा था। लेकिन दोनों देशों ने अपने मौजूदा हालात के चलते इस मल्टीनेशनल एक्सरसाइज का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया।

वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह के मुताबिक एक्सरसाइज तरंग शक्ति का पहला फेज सुलूर (तमिलनाडु) में आयोजित होगा, जो 6 अगस्त से 14 अगस्त तक चलेगा। पहले फेज में फ्रांस, जर्मनी, स्पेन और यूके की वायुसेनाएं अपने एयरक्राफ्ट के साथ शामिल हो रही हैं। पहले चरण में 32 देशों के जहाज हिस्सा लेंगे, जिनमें फाइटर एयरक्राफ्ट और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी होंगे।

वहीं, दूसरा फेज 29 अगस्त से 14 सितंबर तक जोधपुर में होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ग्रीस, सिंगापुर, यूएई और अमेरिका की एयरफोर्स अपने एयर एसेट्स के साथ शामिल होंगी। इस फेज में 27 लड़ाकू विमान, दो ईंधन भरने वाले विमान, दो हवाई चेतावनी विमान (अवॉक्स) और चार सी-130 विमान शामिल होंगे। सुलूर और जोधपुर बेस पर तैनात भारतीय वायुसेना के अग्निवीर (वायुवीर) भी इस अभ्यास के दौरान कुछ जमीनी भूमिकाओं में भागीदारी करेंगे। वहीं, भारतीय वायुसेना के प्रत्येक चरण में 40 से अधिक जहाज शामिल होंगे, जिसमें नौसेना के मिग-29के जेट भी पहले चरण में शामिल होंगे।

भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज 2000, जगुआर और मिग-29 शामिल हैं। वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया कि दूसरे देशों के लड़ाकू विमानों में एफ-18, एफ-16, राफेल और यूरोफाइटर टाइफून शामिल हैं। एयर मार्शल सिंह के मुताबिक इस एक्सरसाइज का मकसद दुनिया को यह दिखाना है कि कैसे भारत में डिफेंस इकोसिस्टम लगातार बढ़ रहा है, हम दूसरे देशों को भारत की स्वदेशी इंडस्ट्री की ताकत भी दिखाएंगे। इसके लिए एग्जिबिशन भी आयोजित होंगी, जिसमें डीआरडीओ, भारत की एविएशन इंडस्ट्री, पीएसयू स्वदेशी क्षमता दिखाएंगे।

अमेरिकी एयरफोर्स का फेयरचाइल्ड रिपब्लिक ए-10 थंडरबोल्ट-2 वॉर्थोग इस एयर एक्सरसाइज का प्रमुख आकर्षण होगा। खाड़ी युद्ध में अपनी क्षमता का लोहा मनवा चुका नॉन-स्टील्थ ए-10 थंडरबोल्ट कम ऊंचाई पर ऑपरेशन और जबरदस्त रफ्तार के लिए डिजाइन किया गया था। यह एयरक्राफ्ट अपने सटीक हमलों के लिए जाना जाता है। आमतौर पर अमेरिकी वायुसेना ए-10 का इस्तेमाल छोटे नौसैनिक जहाजों पर हमला करने के लिए करती है। युद्ध के दौरान लंबे समय तक उड़ते रहने, अच्छी रेंज, बेहतरीन दृश्यता, कम और धीमी गति से चलने की क्षमता और खराब मौसम में भी इसके काम करने की क्षमता इसे खास बनाती है। ए-10 वॉर्थोग अपनी आक्रामक क्षमता और जबरदस्त फायरपावर के लिए जाना जाता है। इसमें जनरल इलेक्ट्रिक की सात बैरल वाली जीएयू-8 एवेंजर 30 मिमी गैटलिंग गन लगी है, जो बुलेटप्रूफ व्हीकल्स को भी भेद सकती है। यह गन प्रति सेकंड एक फुट लंबी 30 मिमी की 70 राउंड या प्रति मिनट 3,900 राउंड गोलियां फायर कर सकती है। इसके बारे में कहा जाता है कि जब ए-10 किसी चीज पर गोली चलाता है, तो वह चीज नष्ट हो जाती है, चाहे वह टैंक हो या बख्तरबंद वाहन।

प्रथम खाड़ी युद्ध में ए-10 विमानों ने हिस्सा लिया था। ए-10 ने सद्दाम हुसैन के 900 से टैंकों और 2,000 दूसरे सैन्य वाहनों और 1,200 तोपों को नष्ट कर दिया। वॉर्थोग्स ने जीएयू-8 से दो इराकी हेलीकॉप्टरों को मार गिराया। खाड़ी युद्ध के दूसरे दिन, वॉर्थोग्स की एक जोड़ी ने तीन उड़ानों के दौरान 23 टैंकों को नष्ट कर दिया। इराकी सैनिकों ने ए-10 को मौत का क्रॉस नाम दिया था। इसके बाद कहा जाने लगा कि ए-10 अब तक का सबसे ताकतवर कवच-नाशक साबित हुआ है। ए-10 वॉर्थोग को 1989 में अपग्रेड किया गया था, लेकिन इसमें ऑटोपायलट, इंस्ट्रूमेंट पैनल क्लॉक्स और रडार जैसे फीचरों की कमी पायलटों को खलती थी। यह केवल 365 नॉट की रफ्तार ही पकड़ सकता था। बावजूद इसके ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म में अपनी सफलता के बाद ए-10 को वॉर्थोग, फ्लाइंग गन और टैंक बस्टर जैसे कई नामों से नवाजा गया। बाद में इसे कोसोवो में नाटो ऑपरेशन, अफगानिस्तान में ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम और ऑपरेशन इराकी फ्रीडम में भी इस्तेमाल किया गया। इसे उड़ाने वाले पायलट्स का कहना है कि वॉर्थोग उड़ाने में आसान है और इसमें ज्यादा लोइटरिंग कैपेबिलिटी है, जो एफ-35 जैसे एडवांस फाइटर जेट्स में नहीं है।

हालांकि अमेरिकी एयरफोर्स इसे रिटायर करने के बारे में सोच रही है, और इसे एफ-35 फाइटर जेट्स से रिप्लेस करना चाहती है। अमेरिकी कांग्रेस ने पिछले साल 2023 में 21 ए-10 विमानों को रिटायर करने की मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद इसकी इन्वेंट्री 281 से घटकर 260 रह गई। ए-10 को रिटायर करने के पीछे अमेरिका की सोच है कि इराक और अफगानिस्तान में क्लोज एय़र सपोर्ट रोल के बावजूद, कम ऊंचाई और धीमी गति से उड़ाने की वजह से यह चीन जैसे देशों के फाइटर जेट्स के सामने टिक नहीं पाएगा। वॉर्थोग ने पहली उड़ान प्रथम शीत युद्ध के दौरान 10 मई, 1972 में भरी थी, जब वियतनाम युद्ध अंतिम दौर में था। वहीं, 1980 के दशक में, जब शीत युद्ध चरम पर था, अमेरिका ने पश्चिम जर्मनी में ए-10 को तैनात करने का फैसला किया। तब भविष्यवाणी की गई थी कि अगर ए-10 जंग के मैदान में उतरते हैं, तो हर 100 उड़ानों में सात फीसदी ए-10 वापस नहीं आएंगे। यानी हर 24 घंटे में कम से कम 10 ए-10 को मार गिराया जाएगा। लेकिन इसका उल्टा हुआ, युद्ध के दौरान केवल सात वॉर्थोग को मार गिराया गया या क्रैश हो गए।

मुख्यमंत्री आवास ...

हाईकोर्ट ने हर बात को सही तरीके से सुना है। कोर्ट ने बेहद सख्त रवैया अपनाते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर विभव की जमानत अर्जी पर जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने विभव कुमार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से से पूछा कि क्या मुख्यमंत्री आवास निजी बंगला है? क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हत्यारों और लुटेरों को जमानत मिल सकती है, लेकिन मालीवाल के मामले में विभव कुमार पर जो आरोप हैं, हम उन्हें खुले में भी नहीं पढ़ना चाहते। जब मालीवाल ने विभव को शारीरिक समस्या की वजह से मारपीट न करने की अपील की थी, तब भी ये व्यक्ति नहीं रुका! वह क्या सोच रहा था, सत्ता इसके सिर चढ़ गई थी? आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की शिकायत पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मालीवाल ने शिकायत में कहा था कि जब वह 13 मई को सीएम आवास मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने पहुंचीं थी तो विभव ने उनके साथ मारपीट की। मालीवाल की शिकायत पर पुलिस ने विभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि विभव कुमार जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। विभव ने जमानत के लिए 27 मई को ट्रायल कोर्ट का रुख किया था, लेकिन वहां से जमानत खारिज होने के बाद सत्र न्यायालय में अपील की। वहां से भी निराशा के बाद विभव ने हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन हाईकोर्ट ने भी विभव को राहत देने से इन्कार कर दिया। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभव ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

फूंक डाले ...

कश्मीरी पंडितों के एक खाली घर में आग लगी, फिर ये अगल-बगल फैल गई। घटना सोमवार 29 जुलाई को रात 1 बजे हुई। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचित किया, जो पौने 2 बजे मौके पर 5 ट्रकों के साथ पहुंचे। एक मकान तो पूरी तरह खाक हो गया। आग बुझाने में कर्मचारियों को 5 घंटे लग गए। फायर ब्रिगेड अफसर निस्सार अहमद ने बताया कि जैसे ही विभाग को सुचना मिली, दमकल की गाड़ियां वहां के लिए निकल गईं। कश्मीरी पंडितों का आरोप है कि यह जानबूझकर किया गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इस घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि तबाह हुए घरों में से एक उनकी पार्टी के अतिरिक्त प्रवक्ता रहे उमेश ताशी के ननिहाल का घर है। पार्टी ने जांच की मांग करते हुए न्याय सुनिश्चित करने की अपील पुलिस से की।

द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अग्निकांड की तस्वीरों और वीडियो को सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि जांच में काम आए। कश्मीरी हिंदुओं की विरासतों को इस तरह जलाया जा रहा है। ये 1990 नहीं है, बल्कि 29 जुलाई 2024 है। ऑल टेम्पल्स एंड श्राइन साउथ कश्मीर के अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा, हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने पीड़ितों के लिए प्रशासन से मुआवजे की मांग की और कहा कि राज्य प्रशासन को कश्मीरी पंडितों के घर बनवाकर देना चाहिए।

मथुरा जन्मभूमि...

मुस्लिम पक्ष ने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट, वक्फ एक्ट, लिमिटेशन एक्ट और स्पेसिफिक पजेशन रिलीफ एक्ट का हवाला दिया और हिंदू पक्ष की याचिकाओं को खारिज किए जाने की दलील पेश की।

हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल याचिकाओं में दावा किया गया है कि मस्जिद का निर्माण कटरा केशव देव मंदिर की 13.37 एकड़ भूमि पर किया गया है। याचिका में कहा गया कि औरंगजेब के जमाने में इस मंदिर को गिराकर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। इससे पहले 6 जून को हुई मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले 14 दिसंबर, 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का अदालत की निगरानी में सर्वे के लिए एडवोकेट कमीशन के गठन की मांग वाली अर्जी स्वीकार कर ली थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस आदेश को मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अब मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में भी अयोध्या की तर्ज पर सुनवाई हो सकेगी। इस मामले में हिंदू पक्ष की ओर मथुरा मामले में भी विवादित परिसर का अयोध्या के राम मंदिर और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर सर्वेक्षण कराए जाने की मांग की गई है। बता दें कि दाखिल की गई 18 में से 15 याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई कर रहा है। वहीं तीन याचिकाओं को अलग कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने माना है कि हिंदू पक्ष की तरफ से दायर सभी मुकदमे सुने जा सकते हैं। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की बेंच ने कहा है कि हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 मुकदमों को उनकी मेरिट के आधार पर सुना जाएगा और यह सभी कोर्ट में सुने जाने योग्य है। हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह कमिटी की इस चुनौती को खारिज किया कि यह मुकदमे इसलिए नहीं सुने जा सकते क्योंकि यह पूजा स्थल अधिनियम के विरुद्ध हैं। कोर्ट ने कहा कि इन पर यह कानून लागू नहीं होता। कोर्ट ने यह निर्णय 6 जून, 2024 को सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले से हिंदू पक्ष को बल मिला है। मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में यह भी दावा किया था कि जो भी याचिकाएं कृष्ण जन्मभूमि के लिए डाली गई हैं, वो मामले से सीधे तौर पर जुड़े हुए लोगों ने नहीं डाली है। मुस्लिम पक्ष ने इसी के साथ दावा किया था कि उसका और हिंदू पक्ष का 1968 में समझौता हो चुका है, ऐसे में अब इन याचिकाओं का कोई महत्व नहीं है।

कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की यह दलील भी नहीं मानी। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि यह मस्जिद वक्फ की सम्पत्ति है। इस पर हिंदू पक्ष ने इस बात के सबूत दिखाने को कहा है कि इसे वक्फ को किसने दान किया था। हिंदू पक्ष ने यह भी कहा कि वक्फ की यह आदत रही है कि वह जमीनों पर कब्जा करके उनके उपयोग में बदलाव करती है। हिंदू पक्ष की जिन याचिकाओं को कोर्ट ने आज सुनने लायक माना है उनमें कई तर्क दिए गए हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि जिस 2.5 एकड़ के इलाके पर यह शाही ईदगाह बना हुआ है, वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का हिस्सा है। इसी के साथ हिंदू पक्ष ने यह भी दावा किया है कि मुस्लिमों के पास इसका कोई भी रिकॉर्ड मौजूद नहीं है।

हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस जमीन का स्वामित्व कटरा केशव देव के पास है और साथ ही यह संरक्षित स्मारक भी है ऐसे में इस पर पूजा स्थल अधिनियम लागू नहीं होगा। हिंदू पक्ष का आरोप है कि बिना प्रक्रिया के ही इस जमीन को वक्फ बोर्ड ने हथिया लिया है। हिंदू पक्ष यहां पूजा अर्चना की अनुमति भी चाहता है। वहीं मुस्लिम पक्ष चाहता है कि इस जमीन को लेकर सुनवाई वक्फ ट्रिब्यूनल में ही हो। गौरतलब है कि यह शाही ईदगाह वर्तमान में विवादित है और इसको लेकर न्यायालयों में कई याचिकाएं पड़ी हुई हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि मथुरा में स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के बराबर में बनी शाही ईदगाह वाला ढांचा जबरन वही बना दिया गया जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इस जगह पर कब्जा करके ढांचा बनाया गया है। यहाँ अभी भी कई ऐसे सबूत हैं जो कि यह सिद्ध करते हैं कि यहाँ पहले एक मंदिर हुआ करता था।

हिंदू पक्ष का दावा है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म राजा कंस के कारागार में हुआ था और यह जन्मस्थान शाही ईदगाह के वर्तमान ढांचे के ठीक नीचे है। सन् 1670 में मुगल आक्रांता औरंगज़ेब ने मथुरा पर हमला कर दिया था और केशवदेव मंदिर को ध्वस्त करके उसके ऊपर शाही ईदगाह ढाँचा बनवा दिया था और इसे मस्जिद कहने लगे। 13.37 एकड़ जमीन पर दावा करते हुए हिंदू यहां से शाही ईदगाह ढांचे को हटाने की मांग करते रहे हैं।

जज के खिलाफ...

आगे इस प्रकरण में जब न्यायालय में युवती से क्रॉस एग्जामिनेशन किया गया तो वहां जज द्वारा कुछ ऐसी बातें बोलीं गईं कि वह शर्मसार हो गई। इसके बाद युवती ने राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर न्याय दिलवाने या नहीं दिलवा सकने की स्थिति में इच्छामृत्यु की अनुमति दे देने की गुहार लगा दी।

कोर्ट में जो घटा उसके बारे में पीड़िता ने बताया कि ऐसा लगा जैसे मेरे चरित्र का सरेआम हनन हो रहा है। न्यायालय में मेरे बयान चल रहे थे और लोग ठहाके लगा रहे थे। दुष्कर्म पीड़िता से बंद कमरे में कुछ जिम्मेदार लोगों के बीच बयान दर्ज करने के स्थान पर दरवाजा खोलकर सभी के सामने बयान लिए गए। जज ने पूछा कि गाड़ी में कैसे कोई बलात्कार कर सकता है? ट्रायल के दौरान जिस तरह से बातें पूछी गईं, उससे लगा कि उनके साथ न्याय नहीं होगा। जज साहब ने कहा, मैं भी जिंस और टी-शर्ट पहनकर निकलूंगा तो इस प्रकार की लड़कियां मेरे साथ भी घूमने निकल जाएंगी। आजकल इस प्रकार की बाजारू लड़कियों का कोई चरित्र नहीं बचा है। यह लड़कियां मात्र रुपए लेने की नीयत से झूठे प्रकरण दर्ज करवाती हैं। जज साहब ने मुझसे पूछा, क्या तुमने रुपए प्राप्त कर लिए?

पीड़िता ने कहा कि न्यायपीठ से आती इस तरह की बातों ने मुझे गहरे अंदर के घाव दिए हैं, इसलिए आहत होकर मैंने राष्ट्रपति, उच्च न्यायालय सहित महिला आयोग में उन जज साहब की शिकायत की है। वहीं, इस संबंध में जैसे ही सामाजिक संगठनों समेत नारी विमर्श व स्त्री शक्ति के लिए काम करने वाले संगठनों को पता लगा वे भी इस महिला को न्याय दिलाने सड़कों पर उतर पड़े। जिसमें कि स्त्री विमर्श के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठन दामिनी मां अहिल्या की नगरी में स्त्री सम्मान, स्त्री स्वावलंबन और स्त्री के विचारों को आयाम देने वाला संगठन दामिनी आगे आया है।

दामिनी संस्था ने राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जबलपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, प्रशासनिक जज इंदौर, इंदौर जिला न्यायाधीश, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली न्यायिक अधिकारी संघ और संघ के जबलपुर अध्यक्ष एवं सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें मांग यही की गई है कि इस प्रकार का निर्णय देने वाले न्यायाधीश के निलंबन एवं समस्त संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अतिशीघ्र की जाए।

इसमें कहा गया है कि एक दुष्कर्म पीड़ित बहन द्वारा अशरफ एवं अन्य के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था। वर्तमान में जिसकी सुनवाई न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा के समक्ष हो रही है। उक्त प्रकरण में पीड़िता का प्रति परीक्षण जो न्यायालय कक्ष के दरवाजे बंद करके किए जा रहे थे, लेकिन न्यायाधीश मिश्रा द्वारा आरोपी गण के अभिभाषक को प्रति परीक्षण से यह कहकर रोकते हुए कि इस प्रकार की लड़कियों का प्रति परीक्षण तो मैं स्वयं ही करता हूं यह कहते हुए उन्होंने न्यायालय के दरवाजे खुलवा दिये एवं स्त्रीयोचित्त मर्यादा का ध्यान न रखते हुए अत्यन्त अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए कई प्रश्न ऐसे किये गये, जिसका जवाब उस बहन के लिये खुले न्यायालय में देना संभव नहीं था। खुले न्यायालय में ही न्यायाधीश द्वारा उस बहन हेतु बाजारू व रुपए अर्जित करने हेतु कृत्य करने जैसे शब्दों का सम्बोधन करते हुए प्रश्न पूछे गये जिससे पीड़ित बहन मानसिक रूप से भी प्रताड़ित हुई है। जिसके बाद इस संबंध में उसके द्वारा संविधानिक पदों पर बैठे सभी प्रमुखों के समक्ष न्याय की गुहार की गई है। साथ ही न्याय न मिलने की स्थिति में इच्छा मृत्यु मांगी है। न्याय प्रिया मां अहिल्या की नगरी में यह घटना अत्यंत विचलित करने वाली है।

दामिनी संस्था से जुड़ी महिलाओं ने कहा है कि न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा द्वारा पीड़िता के साथ किया गया उक्त व्यवहार उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धांत के विपरीत किया गया आचरण तो है ही साथ ही यह सभ्य समाज पर प्रश्न चिन्ह भी खड़ा कर रहा है। उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धांत में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि दुष्कर्म पीड़िता का चरित्र चित्रण व उत्पीड़न नहीं होना चाहिए एवं पीड़िता का नाम, पहचान एवं न्यायालयीन कार्यवाही गोपनीय रखना चाहिए तथा ऐसे मामले पूर्णतः कैमरा प्रोसीडिंग, वीडियो कान्फ्रेंसिंग से होना चाहिए। न्यायाधीश को किसी भी प्रकरण में पीड़िता के साथ प्रति परीक्षण करने का अधिकार नहीं है। आरोपित के अभिभाषक द्वारा पीड़िता के साथ जब प्रति परीक्षण किया जाता है तब अभिभाषक की भाषा अत्यंत संयमित एवं संतुलित होना आवश्यक है। इस पूरे प्रकरण में न्याय संगत व्यवहार के इतर न्यायाधीश द्वारा सभी मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर स्त्री अस्मिता की धज्जियां उड़ाई गई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अत्यंत चिंतनीय है।

प्रश्न यह है कि सुनवाई पूरी हुए बगैर तथ्य और प्रमाण सामने लाए बगैर न्यायाधीश इस तरह के निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे? वे पीड़ित महिला को सार्वजनिक रूप से बाजारू महिला के रूप में संबोधित कर उसके मनोबल को तोड़ने का प्रयास क्यों कर रहे थे? यह सर्वविदित है कि इस तरह की घटना होने के बाद पीड़ित महिला भय एवं लोक लाज के कारण रिपोर्ट ही नहीं कर पाती हैं। न्यायाधीश के इस व्यवहार के कारण भविष्य में भी दुराचार पीड़ित महिलाएं अपनी बात कहने में भी घबराएंगी? न्यायालय तक तो आने का विचार भी नहीं करेंगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायाधीश महोदय ने बलात्कारियों को फ्री हैंड देने का प्रयास किया है। जबकि भारत जैसे देश में जहां स्त्री सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता है, उसके लिए असंख्य के संघर्ष और बलिदान हुए हैं। जहां न्यायालय को न्याय का मंदिर कहा जाता हो वहां स्त्री के साथ इस तरह का अपमानजनक व्यवहार निंदनीय ही नहीं दंडनीय होना चाहिए! दामिनी का मत है कि माननीय न्यायाधीश ने दुष्कर्म से भी अधिक बुरा आचरण किया है।

संभाग आयुक्त कार्यालय में एकत्र हुई संगठन की महिलाओं ने कहा कि सम्पूर्ण समाज का अटूट विश्वास न्यायालय पर हैं। किंतु इस प्रकार के घटनाक्रम न्यायप्रिय मां अहिल्या देवी की नगरी में होने से समाज का विश्वास न्यायालय के प्रति कमजोर हो गया है। आम आदमी जो न्यायालय को अपने अधिकारों के रक्षक के रूप में देखता है इस घटना से उसमें भी रोष व्याप्त हैं। ऐसे में निवेदन यही है कि विषय की गंभीरता को संज्ञान लेते हुए न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा के निलंबन एवं समस्त संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अतिशीघ्र की जानी चाहिए। ताकि इस प्रकार के घटनाक्रम की भविष्य में पुनरावृत्ति न हो सके।

संगठन ने मांग की है कि यौन उत्पीड़न तथा दुष्कर्म के केस में पृथक न्यायालय स्थापित हो जिसमें महिला न्यायाधीश के माध्यम से सुनवाई हो। इस प्रकार के केस की सुनवाई अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ हो। ऐसे मामलों में केस इन कैमरा प्रोसिडिंग्स ही चलें। यह न होने की स्थिति में कड़ी सजा का प्रावधान हो। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक लव जेहाद के मामले इंदौर से ही सामने आ रहे हैं। दरअसल, मिनी बॉम्बे के नाम से अपनी पहचान रखने वाले इस शहर में एक ओर प्रदेश के कई जिलों से लोग रोजगार और अच्छी शिक्षा, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने के लिए पहुंचते हैं तो दूसरी तरफ देश भर से यहां आने वालों की तादाद भी बड़ी संख्या में है। फिर मालवा के इस क्षेत्र का प्राकृतिक वातावरण भी कुछ ऐसा ही कि यहां न अधिक गर्मी होती है और न सर्दी। इसलिए अधिकांश लोग एक बार यहां आ गए तो यहीं हमेशा के लिए बस जाते हैं। इस क्षेत्र में मुसलमानों की भी बड़ी तादात है, जिनमें कि योजना से इनके बीच के युवा अपना हिंदू नाम रखकर यहां तक कि दिखाने के लिए जूठे पहचान पत्र तक बनाकर अपने पास रखते हैं और हिंदू युवतियों को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उन्हें लव जेहाद का शिकार बना रहे हैं। हालांकि मप्र में लव जेहाद के खिलाफ कानून है, मध्य प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 पारित किया है जिसका उद्देश्य गैरकानूनी पांथिक रूपांतरणों पर रोक लगाकर मत (धर्म) की स्वतंत्रता प्रदान करना है। किंतु इस काम में लगे मुस्लिम युवकों को किसी कानून का कोई भय नहीं होना ही बार-बार सामने आ रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पहाड़ी श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स में श्री श्याम आराधना अखंड ज्योति का हुआ भव्य स्वागत

भारी संख्या में श्याम प्रेमियों ने बाबा श्याम और उनकी अखंड ज्योति के दर्शन कर उठाया पुण्यलाभ
12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम और सप्त पुरी के दर्शन करते हुए 132वें दिन श्री पहाड़ी श्याम मंदिर पहुंचे बाबा
अब तक 38,000 किमी की यात्रा तय कर चुके हैं श्याम बाबा, 21 मार्च को राजस्थान से प्रारंभ हुई थी बाबा की अखंड ज्योति

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परम पूज्य श्री गिरिराज शरण जी (जयपुर) के पावन सानिध्य में श्री श्याम आराधना अखंड ज्योति दर्शन जो कि खाटू धाम से कन्याकुमारी होते हुए चारों धाम, बारह ज्योतिर्लिंग एवं पूरे भारत का भ्रमण करते हुए बुधवार को सिकंदराबाद स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स पहुंची। जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

बाबा श्याम खाटू से भारत भ्रमण के लिए निकली श्री श्याम अखंड ज्योति की यह दूसरे चरण की यात्रा है।

यह यात्रा खाटू श्याम जी के मंदिर राजस्थान से 21 मार्च 2024 को प्रारंभ होकर बाबा श्याम को 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम और सप्त पुरी के दर्शन कराते हुए 132वें दिन सिकंदराबाद स्थित श्री पहाड़ी श्याम बाबा मंदिर में बुधवार 31 जुलाई को एकादशी के पावन दिन बाबा श्याम की अखंड ज्योत श्री पहाड़ी श्याम बाबा मंदिर में आई। इस यात्रा का पिछला पड़ाव बेंगलुरु में था और इसका अगला पड़ाव निजामाबाद रहा जहां यह यात्रा आज गुरुवार 01 अगस्त को पहुंची।

इसके तहत श्याम बाबा अब तक 38,000 किलोमीटर की यात्रा तय कर चुके हैं। जब बाबा श्याम की यात्रा श्री पहाड़ी श्याम बाबा मंदिर में आई तो बाबा श्याम का भव्य स्वागत मंदिर के सभी पदाधिकारियों ने किया और सभी श्याम प्रेमियों ने बाबा श्याम का और उनकी अखंड ज्योति के दर्शन कर उनका भव्य स्वागत किया।

यात्रा का स्वागत पहाड़ी श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स के परमर्श दाता अरुण डाकोटिया, कल्लू भाई डाकोटिया, गोपाल अग्रवाल, दिनेश पंसारी, प्रदीप तुलस्यान, नरसिंग गुप्ता, अमन सारदा, सुरेंद्र अग्रवाल, अनुज सिंघल, राकेश अग्रवाल, अशोक बंसल एवं अन्य भक्तों ने धूमधाम से किया।

रक्तदाता सम्मान समारोह एवं एवं रक्तदान शिविर 4 अगस्त को

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिवरामपल्ली स्थित थैलेसिमिया सिकिल सेल सोसाइटी ब्लड बैंक में 4 अगस्त रविवार को रक्तदाता सम्मान समारोह एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन होगा साथ ही साथ रक्तदान शिविर भी रखा गया है। इस आयोजन में अलग-अलग राज्यों से रक्तवीरों को आमंत्रित किया गया है और साथ ही हैदराबाद मे रहने वाले हर समाज के भाई बंधुओ को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन करने का एक ही मकसद है कि लोगों को रक्तदान के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक करना और उन्हें ये दिखाना कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान सही जगह पर जा रहा हैं या नहीं। साथ ही थैलेसिमिया बीमारी से जूझ रहे बहुत सारे पीड़ित बच्चों को समय पर रक्त मिल सके और उनका इलाज हो सके। इस आयोजन में हर एक रक्तयोद्धा को मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर मंच पर सम्मानित किया जाएगा।

अग्रवाल समाज पश्चिमांचल शाखा अत्तापुर की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज पश्चिमांचल शाखा अत्तापुर की सावन की सैर शाखा के अध्यक्ष उमेश गुप्ता के नेतृत्व मे 25 जुलाई को आरम्भ होकर 30 जुलाई को सम्पन्न हुई। सावन की सैर में भगवान श्री जगन्नाथजी का मंदिर, वैतरणी नदी, कोणार्क मंदिर, श्री साक्षीगोपाल मंदिर लिंगाराज स्वामी जी नंदिर, श्री बेड़ी हनुमान मदिर मे दर्शन एवं प्रसाद प्राप्त किया गया। यात्रा में अध्यक्ष उमेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष घनश्याम दास, मंत्री घनश्याम अग्रवाल, यात्रा के संचालक विष्णु दोचानीया, सलाहकार नरेश पचेरिया, अनिल अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल सहित यात्रा में 58 यात्री शामिल रहे।

18 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना, बजरंग दल, हिंदू तख्त, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। उगादि एवं सनातनी नववर्ष से गाय पकड़ने का सिलसिला जारी है। गौरक्षकों ने पहली बोलोरो गाड़ी जिसमें 9 गोवंश थे को अफजलगंज पुलिस की सहायता से तथा दूसरी गाड़ी में भी मौजूद 9 गोवंश मेडिपल्ली पुलिस की सहायता से छुड़ाया गया। इन गाड़ियों में भरी 18 गायों को पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया श्र गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़कर गोवंश को जीवन दान दिया गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गौरक्षा दल तेलंगाना के प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार यादव, भाजयुमो मेडचल प्रेसिडेंट पवन रेड्डी, बजरंग दल के उप्पल जिला कन्वीनर सुनील नायक, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, श्रीकांत, मोहन यादव, अनिल, आयुष राय, बिट्टू, पवन, आदित्य, संधू ,कोटी मयूरेश, सोनू सिंह, बीराला सुमित, विनय, भारत, पीलू, मनीष, रमेश, सचिन, चौटू, लक्ष्मीकांत, अजय, सुनील, सतीश सिंह, रवि मंड्रेकर, सुमित, मुन्नी, मिलन, बजेश, लोकेश, चिंटू, विद्वान, राज, विष्णु, कार्तिक, मोहन, सुजल, साहिल सहित अन्य गौरक्षक मौजूद रहे।

फिट युवा हिट युवा के तहत तेयुप ने शुरू किया स्वास्थ जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अभातेयुप के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार अविनाश कॉलेज कुकटपल्ली, बशीरबाग एवं सिकंदराबाद शाखा में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों के साथ जुम्बा और योगा का सत्र आयोजित किया गया जिसमे लगभग 300 छात्र- छात्राओं ने भाग लिया। फिटनेस ट्रेनर के रूप में स्नेहा नाहर ने अपनी सेवाएं दी।

छात्रों ने काफी उत्साह के साथ सभी कार्यक्रमों में भाग लिया। अविनाश कॉलेज के प्रिंसिपल एवं स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर ने तेयुप के प्रति आभार व्यक्त किया।अगला कार्यक्रम नेक्सजेन फिटनेस अकादमी, अलवाल में रखा गया जिसमे सुचित्रा, बोलाराम एवं निकटवर्ती क्षेत्रों से काफी युवाओं व युवतियों ने भाग लिया। ट्रेनर के रूप में नेक्सजेन से नवीन एवं सौम्या ने सेवाएं दी। कार्यक्रमों की श्रृंखला में साइक्लोथोन का कार्यक्रम भी पाला पिट्टा साइक्लिंग पार्क कोंडापुर में रखा गया जिसमे अच्छी संख्या में युवकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अगला कार्यक्रम हॉटफुट बेगमपेट में आयोजित किया गया जिसमे आशीष कोठारी ने ट्रेनर की भूमिका में सदस्यों को कई तरह की कसरत करवाई। इसी कड़ी में अगला कार्यक्रम शासन श्री साध्वी शिवमाला जी आदि ठाणा 4 के सानिध्य में रखा गया जिसमें साध्वी अर्हमप्रभा जी ने सभी को प्रेक्षाध्यान करवाया। इस सत्र में समाज के अनेक श्रावक श्राविकाओ ने भाग लिया एवं आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की।तेयुप अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने बताया कि फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत स्वास्थ जागरूकता को लेकर तेयुप हैदराबाद में कई कार्यक्रम कर रही है। मंत्री अनिल दुगड़ ने इस प्रकार के कार्यक्रम में सभी से जुड़ने की अपील की। सभा अध्यक्ष सुशील संचेती, महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा, तेयुप उपाध्यक्ष मनीष पटावरी व विनय नाहटा, सह मंत्री जिनेन्द्र सेठिया व सौरभ भंडारी, संगठन मंत्री जिनेन्द्र बैद, कोषाध्यक्ष आशीष दक, टीपीएफ साउथ जोन अध्यक्ष मोहित बैद के साथ विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों की कार्यक्रमों में उपस्थिति रही। मुख्य संयोजक के रूप में अमृत भंसाली, आशीष कोठारी, राहुल दुगड़, विशाल नौलखा, दीपक बोथरा, संदीप शेखानी ने अथक परिश्रम से सभी कार्यक्रमों को सफल बनाया। साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजन में नीरज सुराणा, रोबिन बैद, अरिहंत गुजरानी, गौरव संचेती, आल-ोक नाहटा, राकेश धारिवाल, सुदीप नौलखा, सम्यक कोठारी व अन्य कई कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं दी।

झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार का अभिनंदन करते हुए भाजपा पार्षद राकेश जयसवाल। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार मेवारे भी अभिनंदन समारोह में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अन्तर्गत अपनी दिवंगत मां स्व. सरजू बजाज के नाम पर पौधरोपण करते हुए पैलेस कालोनी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रामकिशोर बजाज, पार्षद डॉ. सुरेखा एवं अन्य।

जीएचएमसी की तत्काल कार्रवाई पर नागरिकों ने व्यक्त किया आभार

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दिनों नगरद्वय में हुई बारिश से अधिकतर बस्तियों की सड़कें जलमग्न हो गई थी और उस पर कीचड़ और कचरा जमा हो गया। जिसे जीएचएमसी के अधिकारियों के ध्यान में लाये जाने से त्वरित कार्रवाई की गई और सारी गंदगी और कीचड़ को साफ किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज सेवी अशोकानंद सरस्वती ने बताया कि बारिश के कारण एवं लोगों द्वारा फेंके गए कूड़ा करकट से दिल्ली मिठाईवाला गुरुद्वारा रोड अमीरपेट के पीछे सड़क पर मलबा जमा हो गया था। जिसका तुरंत संज्ञान लेकर जीएचएमसी नगर आयुक्त, जीएचएमसी अधिकारियों और जीएचएमसी पर्यवेक्षक मोहम्मद इम्तियाज

को सूचित किया गया। जीएचएमसी अधिकारियों की ओर से त्वरित प्रतिक्रिया मिली और मलबे को हटाया गया और स्थानीय निवासियों को गंदगी से निजात दिलाई। सभी स्थानीय निवासियों ने जीएचएमसी की त्वचरित कार्रवाई के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और नागेंद्र सर्कल प्रभारी सीएंडडी ने जीएचएमसी अधिकारियों को उनके समर्थन और तत्काल कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

ग्रेटर हैदराबाद नगर आयुक्त ने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वह कचरा न फैलायें क्योंकि इससे बीमारियां उत्पन्न होने का खतरा बढ जाता है उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई कूड़ा-करकट घरों के आसपास, सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर फैलाएगा तो उसके खिलाफ मामला दायर किया जायेगा।

एकादशी के उपलक्ष्य में राम श्याम मित्र मण्डल, सुचित्रा, कोमपल्ली द्वारा श्री पहाडी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स में आयोजित श्री श्याम आराधना महोत्सव में भजन प्रस्तुत करते हुए गिरीराज महाराज, जयपुर, सागर व्यास, स्वाती दाहिमा। अवसर पर भजन गायकों एवं मुख्य अतिथि भाजपा संगठन मंत्री चन्द्रशेखर, गुजरात भाजपा संगठन महामंत्री रत्नाकर पाण्डे एवं भाजपा तेलंगाना जिला कोषाध्यक्ष अविनाश देवड़ा का सम्मान करते हुए मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, कल्लू भाई, रवि सबलका, राकेश अग्रवाल, अनुज सिंघल, अशोक बंसल एवं राम श्याम मित्र मण्डल के सदस्यगण। अवसर भजनों का आनन्द उठाते हुए उपस्थित भक्तगण।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से महिला समेत सात लोगों की मौत, कई झुलसे

पटना, 01 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के गया, रोहतास एवं नवादा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से महिला समेत सात लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य झुलस कर घायल हो गए।

गया से यहां मिली सूचना के अनुसार, गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के पनारी गांव में वज्रपात से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बेलागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान पनारी गांव निवासी जितेंद्र दांगी एवं उनकी पत्नी मीना देवी, शंकर राम, कपिल यादव एवं बाली भगत के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि संध्या लगभग 04: 30 बजे मूसलाधार बारिश शुरू हो गयी। बारिश से बचने के लिए आठ लोग पास के मोटर केबिन (पंप हाउस) में छुप गए। इनमें से पांच लोग जमीन पर बैठे थे और तीन केबिन में रखी हुई खटिया पर बैठे थे। इसी बीच वज्रपात हुआ जिस कारण जमीन पर बैठे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि खटिया पर बैठे तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। झुलसे लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुट गए और आनन-फानन में उन्हें स्थानीय अस्पताल में लाया गया। वहीं, नवादा जिले में वज्रपात से एक युवक की मौत हो गयी। घटना नवादा जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के ननौरी गांव की है, जहां वज्रपात की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान ननौरी गांव निवासी कृष्ण मांझी का 22 वर्षीय पुत्र छोटू मांझी के रूप में किया गया है। वहीं, इस दौरान एक मवेशी के मौत होने की सूचना है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

हेमंत सरकार ने जनता को ठगा और राज्य को लूटा : बाबूलाल मरांडी

रांची, 01 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज भाजपा विधायकों के निलंबन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा हेमंत सोरेन की कुर्सी हिल रही ,इसलिए वे परेशान हैं। राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर जवाब देने से भाग रहे।उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक सदन में मुख्यमंत्री से वही पूछ रहे जो उन्होंने सदन के बाहर और भीतर वादे किए थे।

कहा कि 5लाख प्रतिवर्ष नौकरी नही तो बेरोजगारी भत्ता। साल में प्रत्येक परिवार को 72000 रुपए देना, प्राइवेट कंपनी में भी युवाओं को रोजगार में 75% आरक्षण दिलाना।ये सभी वादे इसी सरकार ने किए थे जो एक भी पूरे नही हुए। कहा कि न नियोजन नीति बनाई, न स्थानीय नीति। उल्टे नगर निगम में विगत दिनों हुई 28बहाली में मात्र 11लोग झारखंड के हैं और 17बाहरी हैं। श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा विधायक तो इन्हीं मुद्दों पर बहस चाहते है,जवाब चाहते हैं।इसमें कौन सा अपराध है जिसके कारण विधायकों को निलंबित किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी कारवाई से डरनेवाली नही। आज भले सत्ता पक्ष संख्या बल में ज्यादा हैं लेकिन जन समर्थन भाजपा और एनडीए के पास है।

आगम सिद्धरस के समान है : साध्वीरत्न धर्मज्योतिजी

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य पुष्करमुनिजी म.सा, श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

संघ के सह मंत्री मनीष आंचलिया प्रेम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार मे साध्वी श्री प्रियांसाश्रीजी म.सा ने अपनी अमृतमय जिनवाणी के माध्यम से कहा कि जैन आगम में 10 आश्चर्य बताए है उनमें से तीसरा आश्चर्य है ग्रभ हरण का। प्रभु महावीरस्वामी ने हमे ऐसी पवित्र वाणी प्रदान की जिसका ऋण हम कभी भी नही चुका सकते है। वैसे तो तीर्थंकर परमात्मा का ग्रभ हरण या अपहरण नही होते है परंतु भगवान महावीरस्वामी का ग्रभ हरण हुवा था और आगमो में इससे एक प्रकार का आचारै (आश्चर्य) माना जाता है। महापुरुषों की आत्मा अनुभवी होती है और उन्हें कई बड़ी-बड़ी बातें जो होनी या अनहोनी होने वाली होती है उनका अनुभव अपने आप हो जाता है। जिनवाणी के माध्यम से जो आश्चर्य और अनुभव होते है और जो हम सुनते है वो हम जल्दी स्वीकार नही करते है।

आगे बताया कि क्या सच मे प्रभु महावीर का ग्रभ हरण हुवा था और वो अवसर्पिणी काल के चौते आरे में हरिणागमेशी देव द्वारा ग्रभ की 83वी रात्रि में आसोज वदी तेरस को हुवा। प्रभु महावीरस्वामी का ग्रभ हरण इसलिए हुवा था क्योंकि वो पूर्व में मरीची के भव में कुल का अभिमान किया व चोरी के भाव के कारण इस भव में उनका ग्रभ हरण होकर वो ब्राह्मण कुल में देवनन्दा के कुक्षी में 20 सगरोपम की आयुष पूर्ण करके जन्म लिया। पाप करके जो खुशी मानते है वो ऐसे निकाषित कर्म का बंध करते है और को भोगना ही पड़ता है। आगमो में साफ साफ बताया गया है कि 51 पीढ़ी जब उज्वल होती है तब तीर्थंकर भगवान के आत्मा का अवतरण होता है और 7 पीढ़ी जब उज्वल होती है तब दीक्षा या वैराग्य की भावी आत्मा का अवतरण होता है। बीस अस्थापद जितना वजन तीर्थंकर में होता है।

साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा ने अपना उदबोधन में कहा कि गुरु भगवंतों ने बताया कि आगम एक सिद्धरस है। वैदिक मान्यता में नौ प्रकार के रस बताए गए हैं। जैन दर्शन में बताया कि 5 रस है जो धरती के अंदर है। वो है खट्ठा, मीठा, तीखा, कड़वा और कौशयल। जिनवाणी भी एक रस के समान है और जो जैसे इच्छा वैसे उसे ग्रहण करता है।

सम्यक दृष्टि में सम्यक होते है और मिथ्यात्व दृष्टि में मिथ्यात्व होते है। आगे बताया कि सपने जो आते वो कभी सच होते है तो कभी नही होते है। मानुष भव में अगर सपने के भाव आते है जब वो अपनी नींद 6 से 9 के बीच मे लेता है तो वो सपने एक साल में पूरे होते है। ऐसे ही जो समय हम सोते है और सपने आते है वैसे वैसे समय काल मे वो सपने पूरे होते रहते है। आज की परिस्थितियों में हम धर्म और ज्ञान के अभाव में अपनी आत्मा को वर्त ही नष्ट कर रहे है। गुरुदेव के पास अनंत ज्ञान का भंडार होता है जिससे हमें उनसे सीखना चाहिए। धर्म सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री दिलीप गादिया ने धर्म सभा मे पधारे सभी का स्वागत किया।

गौतमस्वामी लब्धि एकान्तर तप जिसमे एक उपास-एक पारणा की कड़ी निरंतर जारी है। सभी तप के पारणे की व्यवस्था श्री संघ द्वारा संघ के भोजनशाला में रखी गई है। सम्पूर्ण चातुर्मास में एखासन व आयंबिल का लाभ तेजराज गौतमचन्द अजय संजय श्रीमाल कोठारी परिवार मलकपेट वालों ने लिया।

आगे बताया कि आगामी 5 अगस्त सोमवार को श्रमण संधिया द्वितीय आचार्य परम पूज्य श्री आनंदऋषिजी म.सा के जन्म जयंती के पावन प्रसंग पर आयंबिल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सभी श्रावक-श्राविकाओ से आव्हान किया कि अधिक से अधिक संख्या में आयंबिल में भाग लें। धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुए और संघ की शोभा बढ़ाई।

एनआईए ने तमिलनाडु में पीएफआई के कई ठिकानों पर मारे छापे

चेन्नई, 01 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने गुरुवार को तमिलनाडु के पांच जिलों में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व सदस्यों और पदाधिकारियों के परिसरों पर छापा मारा।

यह कार्रवाई 2019 में हुई पीएमके पदाधिकारी वी. रामलिंगम की हत्या के मामले को लेकर की गयी। प्राप्त रिपोर्टों के मुताबिक एनआईए अधिकारी तिरुचि, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम और मयिलादुथुराई जिले में तलाशी ले रहे हैं।

इन जिलों में 10 से अधिक स्थानों पर छापे मारे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि रामलिंगम की हत्या फरवरी 2019 में तंजावुर जिले के थिरुबुवनम में की गई थी और इसमें पीएफआई सदस्यों की कथित संलिप्तता की सामने आने के बाद एनआईए मामले की जांच कर रही है।

तेलंगाना में यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए विधेयक पारित

कंदुकुरी मंडल के मीरखानपेट में सीएम रेवंत ने रखी कौशल विश्वविद्यालय की आधारशिला

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा ने गुरुवार को राज्य में 'यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी तेलंगाना' स्थापित करने के लिए विधेयक पारित किया।

विधेयक को उद्योग और आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू ने पेश किया और सदन में इस पर चर्चा हुई। विधेयक पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि महात्मा गांधी से प्रेरणा लेते हुए, जिन्होंने यंग इंडिया पत्रिका शुरू की थी, सरकार कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सभी के लिए सभी प्रकार का कौशल प्रदान करता है, कौशल विश्वविद्यालय का लक्ष्य लाखों युवाओं को रोजगार देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें खुशी होती अगर मुख्य विपक्षी नेता कौशल विश्वविद्यालय पर सुझाव देते लेकिन इसके बजाय मुख्य विपक्षी बीआरएस पार्टी के सदस्य बहस में भाग लेने से दूर रहे और वाकआउट कर गए।

उन्होंने सदन को सूचित किया कि विश्वविद्यालय में 17 कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं और प्रशिक्षित छात्रों को विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। श्री रेड्डी ने कहा कि पाठ्यक्रम प्रति वर्ष 50,000 रुपये का मामूली शुल्क पर पेश किए जाएंगे, जबकि एससी, एसटी और बीसी छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति लाभ देकर कौशल विकास पाठ्यक्रम मुफ्त प्रदान किए जाएंगे।

श्री रेड्डी ने आज शाम शहर के बाहरी इलाके कंदुकुरी मंडल के मीरखानपेट में कौशल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखते हुए कहा कि इस वर्ष 2,000 छात्रों को प्रवेश मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पहले वर्ष में छह पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, कुछ संगठन प्रशिक्षण प्रदान करने और रोजगार प्रदान करने के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों से कौशल विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि विश्वविद्यालय को सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल पर चलाया जाएगा। हम अभी हैदराबाद में विश्वविद्यालय शुरू करेंगे और अगले साल अन्य जिलों में इसका विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा और हम प्रशिक्षु और इंटर्नशिप कार्यक्रम भी प्रदान करेंगे। विपक्षी दलों बीआरएस, भारतीय जनता पार्टी, एआईएमआईएम और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने विधेयक का समर्थन किया है।

एआईएमआईएम पार्टी ने सुझाव दिया कि विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए एक प्रवर समिति के पास भेजा जाए। हाल ही में, मुख्यमंत्री रेड्डी ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश का प्रस्ताव रखा। कौशल विश्वविद्यालय विधेयक युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करने के राज्य सरकार के उद्देश्य का अनुसरण करता है।

शिमला के रामपुर में बादल फटने के बाद 36 लोग लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रामपुर, 01 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में शिमला जिले के रामपुर में गुरुवार सुबह भारी बारिश के कारण बादल फटने से तबाही मच गई। बादल फटने से झाकड़ी के समेज खड्ड में बाढ़ आ गई। इसमें 36 लोग लापता हैं। बताया जा रहा है कि लापता लोगों में एक पावर प्रोजेक्ट के कर्मचारी भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, झाकड़ी के समेज खड्ड स्थित हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास गुरुवार तड़के बादल फटा। इसकी जानकारी मिलते ही रामपुर उपमंडल प्रशासन, एनडीआरएफ, सीआईएसएफ, होमगार्ड और चिकित्सा दल की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। रामपुर के उपमंडल अधिकारी निशांत तोमर ने बताया कि गुरुवार सुबह बादल फटने की जानकारी मिली थी। इसके बाद क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई। और प्रभावित क्षेत्र में कई लोगों के लापता होने की सूचना है।

उन्होंने कहा, बादल फटने के कारण कई जगह सड़कें बंद पड़ी हुई हैं। इस वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। करीब दो किलोमीटर पैदल चलकर ही घटनास्थल तक राहत-बचाव का सामान पहुंचाया जा रहा है। उपमंडल अधिकारी निशांत तोमर ने कहा, प्रभावित क्षेत्र में राहत बचाव कार्य तेजी पर है। रेस्क्यू ऑपरेशन में आईटीबीपी, स्पेशल होमगार्ड की टुकड़ियों की भी मदद ली जा रही है। मौके पर एंबुलेंस और अन्य सुविधाओं के भी इंतजाम किए गए हैं। फिलहाल लापता लोगों की तलाश जारी है। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात की और घटना की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र सरकार से हर संभव मदद का भरोसा दिया। नड्डा ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से भी बात की और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को राहत कार्यों में जुटने का निर्देश दिया। मौसम विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले स्थित राजवन गांव में बुधवार देर रात बादल फटा था। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। इसके अलावा 11 से अधिक लोग लापता हैं।

यूएई और आंध्र प्रदेश ने आर्थिक और निवेश भागीदारी की संभावना तलाशी

विजयवाड़ा, 01 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त आब अमीरात (यूएई) और आंध्र प्रदेश ने अधिक निवेश और आर्थिक भागीदारी की संभावना तलाशी है जिससे यूएई की कंपनियां आंध्र प्रदेश में निवेश करने की तैयारी कर रही है।

भारत में यूएई दूतावास ने यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से यहां आर्थिक और निवेश गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें यह संभावना तलायी गयी। इस कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता भारत में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली और आंध्र प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री टी.जी. भरत ने की। गोलमेज सम्मेलन में यूएई के प्रतिभागियों में यूआईसीसी के निदेशक अहमद अलजनेबी के साथ-साथ यूएई कंपनियों, अबू धाबी पोर्ट्स, एयर अरेबिया, अरामेक्स, डीपी वर्ल्ड, डीयूसीएबी, एमार, अमीरात एयरलाइंस, अमीरात एनबीडी, फ्लाईदुबई, लुलु ग्रुप और टैब्रीड के प्रतिनिधि शामिल थे। आंध्र प्रदेश की ओर से 50 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कंपनी प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉ. अलशाली ने संयुक्त अरब अमीरात-भारत रणनीतिक साझेदारी में आंध्र प्रदेश की केंद्रीयता को रेखांकित किया तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क, आर्थिक और निवेश सहभागिता बढ़ाने के लिए सभी प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा यूएई और आंध्र प्रदेश के बीच आर्थिक और निवेश सहयोग के स्तर को बढ़ाना आवश्यक है। इस गोलमेज सम्मेलन में 10 से अधिक प्रमुख यूएई कंपनियों की भागीदारी आंध्र प्रदेश के महत्व और राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी निवेश और विकासात्मक एजेंडे का समर्थन करने की यूएई की इच्छा को दृढ़ता से प्रमाणित करती है।

राजदूत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लोगों के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने और प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने के लिए यूएई और आंध्र प्रदेश के बीच हवाई संपर्क में सुधार करना महत्वपूर्ण है। इस बात पर जोर दिया गया कि यूएई के विमानवाहक विमान विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और तिरुपति के लिए प्रति सप्ताह 35 सीधी उड़ानें संचालित कर सकते हैं, जिससे आंध्र प्रदेश के हवाई अड्डों पर प्रति वर्ष 500,000 से अधिक यात्रियों की आवाजाही बढ़ जाएगी। संयुक्त अरब अमीरात और आंध्र प्रदेश के बीच सीधे हवाई संपर्क से न केवल आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए उपभोक्ता विकल्प और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे, बल्कि एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विमानन केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति भी मजबूत होगी। गोलमेज सम्मेलन के दौरान, यूएई की कई कंपनियों ने आंध्र प्रदेश और भारत दोनों में अपनी निवेश योजनाओं को व्यापक रूप से रेखांकित किया। दोनों पक्षों के प्रतिभागियों के बीच एक अत्यंत संवादात्मक चर्चा हुई, जिसमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, विमानन और एयरोस्पेस, जैव प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, ऑटोमोटिव, पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल्स, और शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाहों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई।आंध्र प्रदेश भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में यूएई का 11वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका कुल व्यापार 2023-2024 वित्तीय वर्ष के लिए 1.46 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसी अवधि में, यूएई और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 83.64 अरब डॉलर रहा। यूएई भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य, तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और चौथा सबसे बड़ा निवेशक है।

भारत और वियतनाम ने समग्र रणनीतिक साझीदारी का रोडमैप तय किया

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और वियतनाम ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र को केन्द्र में रख कर अपनी समग्र रणनीतिक साझीदारी के कार्यान्वयन की अगले पांच साल के रोडमैप पर गुरुवार को मुहर लगाई तथा ऊर्जा, कृषि, संस्कृति, स्टार्ट अप्स, हरित अर्थव्यवस्था एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के नये अवसर खोलने तथा पर्यटन सहित लोगों के आदान प्रदान बढ़ाने के संकल्प व्यक्त किये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिंग चिंग के बीच यहां हैदराबाद हाउस में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में उक्त निर्णय लिये गये। बैठक के बाद नौ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये गये। दोनों नेताओं ने वर्चुअल रूप से वियतनाम के नया चांग में दूरसंचार विश्वविद्यालय में आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क का उद्घाटन किया तथा वियतनाम के आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के गठबंधन (सीडीआरआई) में शामिल होने की घोषणा की। जिन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किया गया है उनमें भारत और वियतनाम के बीच 2024-28 की अवधि के दौरान व्यापक रणनीतिक साझीदारी के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना, भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और वियतनाम सीमा शुल्क के सामान्य विभाग, वियतनाम के बीच सीमा शुल्क क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन, कृषि अनुसंधान और शिक्षा में सहयोग के लिए मणिपुर के इंफाल स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और हनोई स्थित वियतनाम कृषि विज्ञान अकादमी के बीच समझौता ज्ञापन, कानूनी क्षेत्र में सहयोग पर वियतनाम के न्याय मंत्रालय और भारत के कानून एवं न्याय मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन, रेडियो एवं टेलीविजन पर सहयोग के लिए प्रसार भारती और वॉयस ऑफ वियतनाम (वीओवी) के बीच समझौता ज्ञापन, वियतनाम सरकार और भारतीय निर्यात-आयात बैंक के बीच 30 करोड़ डॉलर की राशि के दो डॉलर क्रेडिट लाइन करार, वियतनाम के क्वांग नाम प्रांत स्थित माई सोन में एफ ब्लॉक के संरक्षण और बहाली के लिए भारत सरकार और वियतनाम सरकार के बीच आशय पत्र, औषधीय पौधों के क्षेत्र में सहयोग पर वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय के पारंपरिक चिकित्सा प्रशासन और भारत के राष्ट्रीय औषधीय पौधे बोर्ड, आयुष मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन तथा गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के सहयोग और विकास पर वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय और भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन शामिल हैं।

बाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा, प्रधानमंत्री फाम मिंग चिंग और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। सबसे पहले, मैं समस्त भारतीयों की ओर से, महासचिव न्यूयेन फु चोंग के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। वे भारत के अच्छे मित्र थे। और उनके नेतृत्व में भारत और वियतनाम संबंधों को रणनीतिक दिशा भी मिली थी। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में, हमारे संबंधों के आयामों में विस्तार भी हुआ है, और इनमें गहराई भी आई है। पिछले 10 वर्षों में, हमने अपने संबंधों को समग्र रणनीतिक साझीदारी का रूप दिया है। हमारे द्विपक्षीय व्यापार में 85 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी हुई है। ऊर्जा, प्रौद्योगिकी एवं विकास साझीदारी में आपसी सहयोग में विस्तार हुआ है। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्रों में आपसी सहयोग को नयी गति मिली है। पिछले एक दशक में, कनेक्टिविटी बढ़ी है। और आज हमारे बीच 50 से ज्यादा सीधी उड़ानें हैं। इसके साथ-साथ पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है, और लोगों को ई-वीसा की सुविधा भी दी गयी है। 'मी सोन' में प्राचीन मंदिरों के पुनरूद्धार का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक की उपलब्धियों को देखते हुए, आज की हमारी चर्चा में हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने की ओर कई कदम उठाए। हम मानते हैं कि 'विकसित भारत 2047' और वियतनाम के 'विज़न 2045' के कारण दोनों देशों में विकास ने गति पकड़ी है। इससे आपसी सहयोग के बहुत से नए क्षेत्र खुल रहे हैं। इसलिए अपनी समग्र रणनीतिक साझीदारी को और अधिक मजबूती देने के लिए, आज हमने एक नयी कार्ययोजना अपनायी है। उन्होंने कहा कि रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए नए कदम उठाये हैं। 'नया-चांग' में बने आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क का आज उद्घाटन किया गया।

इसके अलावा 30 करोड़ डॉलर के ऋण पर बनी सहमति से वियतनाम की समुद्री सुरक्षा सशक्त होगी। हमने यह भी तय किया है कि आतंकवाद और साइबर सुरक्षा के विषयों पर सहयोग को बल दिया जाएगा। हम इस बात पर सहमत हैं, कि आपसी व्यापार की क्षमता को हासिल करने के लिए, आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा जल्द से जल्द संपन्न की जाये। डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी के लिए हमारे केन्द्रीय बैंकों के बीच सहमति बन गयी है। श्री मोदी ने कहा, हमने निर्णय लिया है, कि ग्रीन इकॉनमी और न्यू इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। ऊर्जा और बंदरगाह विकास में एक दूसरे की क्षमताओं को पारस्परिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जायेगा। दोनों देशों के निजी क्षेत्र, लघु एवं मध्यम उद्यमों और स्टार्ट अप्स को भी आपस में जोड़ने की दिशा में काम किया जायेगा। कृषि और मत्स्य पालन, दोनों देशों की अर्थव्यवस्था का अहम भाग हैं। ये क्षेत्र लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा से जुड़े हैं। हमने तय किया है, कि इन क्षेत्रों में जर्मप्लास्म आदान प्रदान और संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि हमारी साझा संस्कृति धरोहर के संरक्षण के लिए, भारत विश्व धरोहर स्थल मी सोन के ब्लॉक एफ के मंदिरों के संरक्षण में सहयोग देगा।

बौद्ध धर्म हमारी साझा विरासत है, जिसने दोनों देशों के लोगों को आध्यात्मिक स्तर पर एक दूसरे से जोड़ा है। हम भारत में बुद्धिस्ट सर्किट में वियतनाम के लोगों को आमंत्रित करते हैं और यह भी चाहते हैं कि नालंदा विश्व-विद्यालय का लाभ वियतनाम के युवा भी उठाएं। उन्होंने कहा, हमारी एक्ट ईस्ट नीति और हमारे हिन्द प्रशांत विज़न में, वियतनाम हमारा महत्वपूर्ण साझीदार है। हिन्द प्रशांत के बारे में हम दोनों के विचारों में अच्छा सामंजस्य है। हम विस्तारवाद नहीं, विकासवाद का समर्थन करते हैं। हम स्वतंत्र, खुले नियम आधारित और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए अपने सहयोग को जारी रखेंगे। हम सीडीआरआई में शामिल होने के वियतनाम के निर्णय का स्वागत करते हैं।

वियतनामी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा पर, विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने संवाददाताओं से कहा, वियतनाम हमारे सबसे करीबी साझीदारों में से एक है और एक स्तंभ है हमारी एक्ट ईस्ट नीति। वियतनाम आज एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

हमारा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 15 अरब डॉलर का है और इसे काफी बढ़ाया जा सकता है। आज हमने कुल मिलाकर 9 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत, वियतनाम संबंधों में रक्षा सहयोग के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री मजूमदार ने कहा, दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्तंभ है और दोनों नेता मानते हैं कि उद्योग सहयोग एक प्राथमिकता है। दरअसल, रक्षा उद्योग सहयोग एक बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरा है। हमने रक्षा उद्योग सहयोग के लिए एक कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं जो इस तरह के सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करता है।

फिर हमारे पास वियतनाम के लिए रक्षा आपूर्ति के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण भी है, जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं द्वारा निर्देशित है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने दक्षिण चीन सागर के महत्व पर चर्चा की। वियतनामी प्रधान मंत्री ने इस तथ्य पर जोर दिया कि 60 फीसदी वैश्विक व्यापार इस क्षेत्र से होकर गुजरता है और एक स्वतंत्र, खुले और मुक्त जलमार्ग बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और सीलिंक लाइनों का भी महत्व है। नेविगेशन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक शांतिपूर्ण, स्थिर, सुरक्षित, स्वतंत्र, खुला, समावेशी और नियम-आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र कुछ ऐसा है जिसे वियतनाम और भारत दोनों साझा करते हैं। मेहमान नेता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात की।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने फिल्म नीति 2024 का अनावरण किया

श्रीनगर, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को यहां फिल्म नीति 2024 का अनावरण किया और कहा कि यह नीति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण को आकर्षित, समर्थन और सुविधा प्रदान करेगी। उपराज्यपाल ने फिल्म शूटिंग की अनुमति के लिए कई पहल भी शुरू कीं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर फिल्म नीति 2024 केंद्र शासित प्रदेश में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण को आकर्षित, समर्थन और सुविधा प्रदान करेगी। श्री सिन्हा ने कहा, जम्मू-कश्मीर और सिनेमा एकता का प्रतीक हैं और इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज कपूर और यश चोपड़ा जैसे महान फिल्म निर्माताओं के लिए, जम्मू-कश्मीर न केवल एक शूटिंग स्थल था, बल्कि एक सांस्कृतिक जीव भी था। उपराज्यपाल ने कहा, पिछले पांच वर्षों में, जम्मू-कश्मीर को सिनेमा और थिएटर की संस्कृति से फिर से जोड़ने का प्रयास किया गया है। हमारी नई पहल इस पुनरुत्थान को उजागर करती हैं। उन्होंने यहां फिल्म शूटिंग अनुमतियों और सब्सिडी के लिए सिंगल विंडो पोर्टल, जेएंडके फिल्म स्क्रीनिंग सीरीज और फ्रेम्स ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन

फोटोग्राफी प्रतियोगिता सहित कई पहल की शुरुआत की। श्री सिन्हा ने कहा, फिल्म-अनुकूल एवं व्यावहारिक जम्मू-कश्मीर फिल्म नीति यह सुनिश्चित करेगी कि पृथ्वी पर स्वर्ग वास्तव में फिल्म निर्माताओं के लिए स्वर्ग है। हम जम्मू-कश्मीर में फिल्मांकन को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए उच्च प्रभाव वाला बुनियादी ढांचा, सोर्सिंग स्थानों में सहायता और पेशेवरों का एक बड़ा पूल, वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करेंगे। उन्होंने श्रीनगर में सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित जम्मू-कश्मीर फिल्म कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया, जिसके दौरान उन्होंने नया जम्मू कश्मीर लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। बॉलीवुड फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने जम्मू-कश्मीर में एक जीवंत फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रगतिशील फिल्म नीति और पहल के लिए उपराज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन की सराहना की।

अनंतनाग में मादक पदार्थ तस्करों के व्यावसायिक परिसर कुर्क

श्रीनगर, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को अनंतनाग जिले में कथित तौर पर मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल एक तस्कर के वाणिज्यिक परिसर को कुर्क कर दिया। बिजबेहरा पुलिस स्टेशन ने तुलखान बिजबेहारा के दिवंगत अब्दुल रशीद डार के दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के एक वाणिज्यिक परिसर को कुर्क किया गया है।

पुलिस ने एक बयान में कहा, संपत्ति की पहचान अवैध नशीली दवाओं के व्यापार, विशेष रूप से नारकोटिक दवाओं और साइकोट्रोपिक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से अर्जित की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में सेमथान बिजबेहरा में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर एक प्रमुख स्थान पर निर्मित एक व्यावसायिक इमारत शामिल है। गौरतलब है कि सितंबर 2020 में, डार के परिसर में एक भूमिगत कमरे में पर्याप्त मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए। संभवतः खसखस (फुक्की) को बोरियों और प्लास्टिक बैरल में पैक किया गया है। जांच से पता चला कि डार ने इस प्रतिबंधित पदार्थ को अवैध स्रोतों से हासिल किया था और इसे स्थानीय युवाओं को अवैध बिक्री के लिए संग्रहीत किया था, जिससे नशीली दवाओं की लत और उनके अवैध व्यापार को बढ़ावा मिला। कुल 126 बोरियां जिनका वजन 2600 किलोग्राम और 60 प्लास्टिक बैरल (1395 से किलोग्राम) था। प्रतिबंधित पदार्थ बरामद कर लिया गया।

भारत के नवनिर्माण और विश्व में भाईचारा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति अहम : प्रधान

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज लोकसभा में कहा कि 34 साल के बाद देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति आयी जो भारत के नवनिर्माण, विश्व में भाईचारा बढ़ाने और वैश्विक समस्याओं का समाधान के लिए अहम है।

श्री प्रधान ने कहा कि शिक्षा अनुदान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस चर्चा में 44 सदस्यों ने भाग लेकर बहुमूल्य सुझाव रखी है जिस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसा विषय है जिससे देश के सभी परिवारों का संबंध है। भारत जैसे देश में आधार ही शिक्षा है। भारत की अनेक खूबियों में सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था आयेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने की दिशा में हम आगे बढ रहे हैं। उन्होंने 2013-14 में जितना उच्च शिक्षा पर खर्च होता था उसमें 78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2014-15 में विश्वविद्यालय की संख्या 760 थी जो आज 54 प्रतिशत बढकर 1168 हो गई है।

आरक्षण का अर्थ बुद्धुओं को बढ़ावा देना मानती है कांग्रेस : सूर्या

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसके नेता दिवंगत राजीव गांधी आरक्षण को बुद्धुओं को बढ़ावा देना मानते थे।

आम बजट 2024-25 में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा के तेजस्वी सूर्या ने यह आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की उन्नति के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि मंडल आयोग की सिफारिशों कोइंदिरा गांधी हों या राजीव गांधी दोनों ने आने नहीं दीं। उन्हें ही अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछडा वर्ग (ओबीसी) से नफरत थी।

श्री सूर्या ने कहा, तीन मार्च 1985 को नवभारत टाइम्स के संपादक आलोक मेहता ने राजीव गांधी का इंटरव्यू प्रकाशित किया

था जिसमें श्री गांधी ने कहा था कि आरक्षण के नाम पर बुद्धुओं को बढ़ावा नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि आज सब देख रहे हैं कि कांग्रेस के कर्म उसे किस मोड़ पर ले आये हैं। शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में सत्तापक्ष ने दावा किया कि देश में शिक्षा संस्थानों का घनत्व बढ़ा है और नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से दलित, आदिवासी, महिला, पिछड़े वर्गों का नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि देश के शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के पद बड़ी संख्या में खाली होने के कारण पूरी शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो रही है। चर्चा आरंभ करते हुए बेंगलुरु से सांसद श्री सूर्या ने कहा कि बजट में चार करोड़ युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोज़गार का रोडमैप दिया गया है जिसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 में शिक्षा पर बजट 26750 करोड़ रुपए था जो अब 47619 करोड़ रुपए हो गया है जो 78 प्रतिशत हो गया है।

श्री सूर्या ने कहा कि देश में 18 से 35 वर्ष आयुवर्ग के लोगों की संख्या 65 करोड़ है जो अमेरिका की आबादी का दोगुना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की चार करोड़ युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोज़गार की योजनाएं अभूतपूर्व असर डालेंगी। उन्होंने कहा कि देश में शिक्षण संस्थानों का घनत्व करीब 20 प्रतिशत बढ़ा है। 43 हजार कॉलेज 56 उच्च शिक्षण संस्थान खुले हैं। सकल नामांकन अनुपात में इजाफा हुआ है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,200/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 86,390/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

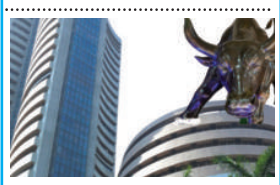

बीएसई : 81,867.55
+126.21 +0.15% ↑

एनएसई :25,010.90
59.75 (0.24%) ↑

DAILY शुभ लाभ — Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 315309M Nb/Sub SRINIVASARAO UMMADISETTI, R/o.2-2-24, Vill:Talabhadra, Teh:Palasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532222 hereby declare that my son name is to be changed from **U DHANUSH** to UMMADISETTI DHANUSH vide affidavit dt:1-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 315309M Nb/Sub SRINIVASARAO UMMADISETTI, R/o.2-2-24, Vill:Talabhadra, Teh:Palasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532222 hereby declare that my daughter name is to be changed from **U VAISHALI** to **UMMADISETTI VAISHALI** vide affidavit dt:1-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15818287Y Hav Swadesh Hati of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my father name is to be changed from **SANAT KUMAR HATI** to **SANAT HATI.**

CHANGE OF NAME & DOB
I, SYED RAFAT BEGUM spouse of Service No.14661253Y Nk SAYED ANSAR SAYED SHABBIR, R/o.4557, Ward No.B19B, Haji Hameed Colony, Ahmed Raza Chowk, Darga Road, Parbhani, Maharashtra-431401 have changed my name and DOB from **SYED RAFAT BEGUM**, DOB:**24-03-1987** to **SYED RAFAT BEGUM SAYED ANSAR**, DOB:**24-5-1987** vide affidavit dt:1-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary,

CHANGE OF NAME & DOB
I, YR SARITHA Spouse of Service No JC 771746M Sub KISHOR VR, R/o.Thiruvathira Nilayam, Udaya Gardens, Near Block Office, Malayinkeezhu, Opp:Malayinkil, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala-695571 have changed my name and DOB from **YR SARITHA**, DOB:**15-6-1978** to **SARITHA Y**, DOB:**16-5-1977** vide affidavit dt:1-8-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date ..... Drawn .....
Name of the Executive.....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक **शुभ लाभ** वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए **8688868345** पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

तेलंगाना एससी वर्गीकरण लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा : सीएम रेड्डी

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया कि राज्य सरकार कोटा के लिए अनुसूचित जातियों को उप-वर्गीकृत कर सकती है और घोषणा की कि उनका राज्य इसे लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा।

सीएम रेड्डी ने कहा कि सात में से छह न्यायाधीशों ने राज्यों को वर्गीकरण का विकल्प चुनने की अनुमति दी। सीएम रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा पेश किए गए मजबूत तर्कों के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने मैडिगा और उप-जातियों के लिए एक अनुकूल फैसला दिया जो दशकों से वर्गीकरण के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा तेलंगाना एससी वर्गीकरण लागू करने वाला पहला राज्य होगा।

हम इसे लागू करने की जिम्मेदारी लेते हैं। सीएम रेड्डी ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो सरकार हाल ही में जारी नौकरी अधिसूचनाओं में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए एक अध्यादेश जारी करेगी।

सीएम रेड्डी ने कहा कि मडीगा और उप-जातियों के लाखों युवा एबीसीडी

उप-श्रेणियों में एससी वर्गीकरण के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 27 साल तक वे संयुक्त आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लड़ते रहे।' उन्होंने याद दिलाया कि उन्हें और तत्कालीन कांग्रेस विधायक एसए संपत कुमार को पिछली सरकार ने विधानसभा से निलंबित कर दिया था, जब उन्होंने इस मुद्दे पर बहस के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया था।

सीएम रेड्डी ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पिछली सरकार ने प्रधान मंत्री से मिलने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली ले जाने का वादा किया था, लेकिन टीम को न ले जाकर मैडिगास को धोखा दिया गया।

सीएम रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के सुझाव पर उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और अन्य लोगों के साथ महाधिवक्ता से मुलाकात की और उन्हें कानूनी विशेषज्ञों से बात करने के लिए दिल्ली भेजा और एक वरिष्ठ वकील नियुक्त किया। सीएम रेड्डी ने कहा, तेलंगाना सरकार द्वारा पेश किए गए मजबूत तर्कों के परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट ने मैडिगा और उप-जातियों के पक्ष में फैसला दिया है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 50 साल पुराना सपना पूरा हो गया। यह एक ऐतिहासिक दिन है। यह एक लंबे समय से संजोया हुआ सपना था। उन्होंने कहा, मैं आज थोड़ा भावुक हो गया हूं।

उन्होंने कहा कि वर्गीकरण किसी वर्ग के खिलाफ नहीं बल्कि केवल असंतुलन को दूर करने के लिए है। बीजेपी नेता महेश्वर रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 70 साल पुराने संघर्ष का समर्थन कर अपना वादा पूरा किया। उन्होंने याद दिलाया कि पीएम ने पिछले साल हैदराबाद में एक सार्वजनिक बैठक में एससी वर्गीकरण के लिए अपने समर्थन की घोषणा की थी। एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी और सीपीआई सदस्य के संबाशिव राव ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

महिला विधायकों के खिलाफ टिप्पणी पर मुख्यमंत्री माफी मांगे : बीआरएस

बीआरएस विधायकों ने वेल में सीएम रेवंत के खिलाफ की नारेबाजी

सीएम के कक्ष के सामने धरना दिया, मार्शल ले गए विधानसभा परिसर से बाहर

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से सदन में महिला विधायकों के खिलाफ की गई उनकी टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग की।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही काले बैज पहने बीआरएस सदस्यों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। नारेबाजी करते हुए वे सदन के वेल में आ गए और राज्य में यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए विधेयक पर चर्चा के दौरान नारेबाजी करने लगे। स्पीकर जी प्रसाद कुमार और सत्ता पक्ष की ओर से अपनी सीटों पर लौटने के बार-बार अनुरोध के बावजूद बीआरएस विधायकों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आंदोलन जारी रखा और सदन के वेल में आ गये।

एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने स्पीकर से कहा कि या तो बीआरएस सदस्यों को बोलने का मौका दें या उन्हें निलंबित कर दें, ताकि सदन में व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा, आपको उनका सामना करना होगा या उन्हें निलंबित करने का साहस दिखाना होगा। अगर आपमें साहस नहीं है, तो आप उन्हें माइक दे दें। बीआरएस विधायक हरीश राव की ओर से कौशल विश्वविद्यालय और राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उप-वर्गीकरण करने का अधिकार देने संबंधी शीर्ष न्यायालय के फैसले पर अनुकूल बयान दिये जाने के बाद पार्टी के सदस्य सदन से बाहर चले गए और विधानसभा में सीएम के कक्ष के सामने धरना दिया। बाद में, मार्शलों ने उन्हें मौके से हटाया और विधानसभा परिसर से बाहर ले गए।

दमरे ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ गुंतकल में शुरू किया संभागीय संचालन और नियंत्रण केंद्र

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिस्टम में सुधार और परेशानी मुक्त परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने गुंतकल में एक नया मंडल परिचालन और नियंत्रण केंद्र खोला है। नियंत्रण केंद्र में प्रदान की गई अत्याधुनिक तकनीक सुचारू और बेहतर कामकाज की सुविधा प्रदान करेगी। इस सुविधा का उद्घाटन 26 जुलाई को दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन द्वारा गुंतकल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, एम. विजय कुमार की उपस्थिति में किया गया। संचालन और नियंत्रण केंद्र (ओसीसी) वह कार्यालय है जो अपने नेटवर्क में ट्रेन संचालन की निगरानी, प्रबंधन और समन्वय के लिए जिम्मेदार है।

ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निर्माण कार्य चार वर्ष की अवधि में 40 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया है। इमारत पर्यावरण के अनुकूल है और दिन की रोशनी का प्रभावी ढंग से उपयोग करती है जिससे बिजली

की अनुकूलित खपत के साथ ऊर्जा की बचत होती है। ट्रेन संचालन की बेहतर योजना की सुविधा के लिए कार्यालय को अनुभाग नियंत्रकों के लिए विशाल और एर्गोनोमिक बोर्ड से सुसज्जित किया गया है। इसके अलावा, माल ढुलाई ग्राहकों के साथ बातचीत करने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए मुख्य नियंत्रक (सीएचसी) के लिए विशाल कक्ष डिजाइन किए गए हैं।समन्वय को सुविधाजनक बनाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए, उप जैसे सभी टीमों/नियंत्रणों के लिए स्थान प्रदान किए गए हैं। इससे अनुभाग नियंत्रक सिमुलेटर के माध्यम से सभी ट्रेन गतिविधियों को देख सकते हैं, जिससे ट्रेन की गतिविधियों पर वास्तविक योजना और प्रभावी नियंत्रण की अनुमति मिलती है। इसके अलावा, इमारत की अन्य विशेषताओं में दिव्यांगों के अनुकूल रैंप, पार्किंग, लिफ्ट, शौचालय, आधिकारिक कार्यों में भाग लेने के लिए मंडल के अन्य हिस्सों से आने वाले कर्मचारियों के लिए आगंतुक लाउंज प्रदान किया जाता है, अग्नि हाइड्रेंट लगाए गए हैं और इमारत अग्नि आपदा प्रबंधन योजना के अनुरूप है और बेहतर भीड़ प्रबंधन की सुविधा के लिए इमारत में कई प्रवेश/निकास प्रदान किए गए हैं।इस अवसर पर बोलते हुए दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने परियोजना को पूरा करने में उनके प्रयासों के लिए गुंतकल डिवीजन की टीम की सराहना की। उन्होंने इमारत की वास्तुकला और आधुनिकता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यालय में शामिल अंतर-विभागीय समन्वय में सुधार होगा और बेहतर गतिशीलता योजना में सहायता मिलेगी। सुरक्षा बैठकों और अन्य समारोहों को सुविधाजनक बनाने के लिए मीटिंग हॉल को एक समय में 200 सदस्यों को समायोजित करने की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है।अधिकारियों के कक्षों को इष्टतम स्थान उपयोग के साथ कॉर्पोरेट शैली में डिजाइन किया गया है। व्यूइंग डेक पूरे नियंत्रण क्षेत्र का विहंगम दृश्य प्रदान करता है। यह नया कार्यालय वास्तविक समय सिमुलेटर से सुसज्जित है जिसके माध्यम से की गई अत्याधुनिक तकनीक से कामकाज सुचारु होगा और उत्पादकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कार्यालय का बेहतर डिज़ाइन विभिन्न नियंत्रण इकाइयों के बीच निर्बाध बातचीत और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा।

महिलाओं के खिलाफ यौन हमलों में त्वरित कार्रवाई करे रेवंत सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने गुरुवार को कहा कि तेलंगाना में महिलाओं के खिलाफ यौन हमलों की हालिया घटनाएं बहुत चिंताजनक है।

केटीआर ने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यह शर्म की बात है कि केवल 48 घंटों के अंदर राज्य में सामूहिक बलात्कार और हमले की चार जघन्य घटनाएं हुईं। ये वीभत्स कृत्य महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा और राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में आने के आठ महीने बाद भी राज्य में कोई गृह मंत्री नहीं है और अपराध में वृद्धि उसी का सीधा परिणाम है। उन्होंने ट्वीट किया कि वनस्थलीपुरम, शालीगौरम, निर्मल और पुप्पालागुडा में भयावह घटनाएं तत्काल कार्रवाई की मांग करती हैं।

अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतेय : नायडू

नांदयाल, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इससे एससी श्रेणियों के भीतर अधिक पिछड़े लोगों के लिए अलग कोटा दिया जा सकेगा।

श्री नायडू ने आज सुन्नीपेंटा गांव में माना नीरू-माना संपदा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण पर शीर्ष न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि

सामाजिक न्याय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नीति है। उन्होंने कहा, मैंने 1996-97 में रामचंद्र राव आयोग के गठन के बाद एससी वर्गीकरण को ए, बी, सी और डी श्रेणियों में पेश किया था।

उन्होंने स्पष्ट किया, तेलुगू देशम पार्टी सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सभी के लिए न्याय होना चाहिए। हम अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण पर शीर्ष न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं।

उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी सरकार जनसंख्या अनुपात के आधार पर हर जाति के साथ न्याय करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य शून्य गरीबी हासिल करना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.